तापमान
अधिकतम 29.1 डिग्री
न्यूनतम 26.1 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, मंगलवार 16 सितंबर 2025

12 शिक्षा मंत्री ने कहा- गुजरात मॉडल छत्तीसगढ़...

12 बच्चों के खेल के मैदान का कोई व्यावसायिक...

खबर संक्षेप

लूट के दो मामले, दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग लूट के मामलों में पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाशों में एक सिविल लाइंस थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर है। रूपेश तथा डिकेश्वर साहू की शिकायत पर पुलिस ने सुधीर जगत तथा चाहत सेन को गिरफ्तार किया है। बदमाशों ने 9 सितंबर को रूपेश के साथ लालपुर ब्रिज के पास मोबाइल लूट की थी। दूसरे दिन रिंगरोड एक में राजेंद्र नगर के पास दोनों बदमाशों ने डिकेश्वर के साथ लूट की थी। दोनों घटनाओं में बदमाशों ने चाकू की नोक पर धमकाकर मोबाइल लूट की थी।

सोशल मीडिया पर चाइल्ड पोर्नोग्राफी, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। उरला पुलिस ने सोशल मीडिया पर चाइल्ड पोर्नोग्राफी पोस्ट करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। चाइल्ड पोर्नोग्राफी पोस्ट करने के आरोप में पुलिस ने बिरगांव निवासी मो. शाहिद को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शाहिद को साइबर सेल के सहयोग से पकड़ा है। उक्त गिरफ्तारी तकनीकी विश्लेषण के आधार पर की गई है। आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एवं अन्य डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर नाबालिग बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री का संग्रहण एवं प्रसारण कर रहा था।

सराफा दुकान के कर्मचारी ने किया गबन, केस दर्ज

रायपुर। कोतवाली थाने में एक ज्वेलरी शॉप के संचालक ने अपने एक कर्मचारी के खिलाफ पौने दो सौ ग्राम सोने के जेवर गबन कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सहेली ज्वेलर्स के संचालक सुमित जैन ने मितेश जैन के खिलाफ गबन की शिकायत दर्ज कराई है। सुमित ने पुलिस को बताया कि उनका थोक में सोने-चांदी का कारोबार है। मितेश वर्ष 2022 से उनके यहां काम कर रहा है। मितेश ने सुमित को अपना अलग काम करने की बात कहकर नौकरी छोड़ दी। सोने के जेवर का स्टॉक कम होने पर कारोबारी ने शॉप में लगे सीसीटीवी कैमरे की पड़ताल की तो मितेश द्वारा जेवर देखने के बहाने सोने के जेवर के दो पैकेट नीचे गिरा दिए, जिसे बाद में उसने अपने रूमाल में लपेटकर ले गया।

शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर मारपीट

रायपुर। आरंग थाने में एक व्यक्ति ने एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मनोज साहू ने अभिजीत शर्मा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। मनोज ने पुलिस को बताया कि वह रविवार रात 8 बजे के करीब शराब खरीदने शराब दुकान गया था। मनोज वहां शराब खरीद रहा था, इस दौरान अभिजीत ने मनोज से शराब पीने पैसों की मांग की। इंकार करने पर अभिजीत ने मनोज के साथ मारपीट की।

गाड़ी गिराने के विवाद पर युवक से मारपीट

रायपुर। उरला थाने में फेरी लगाकर पॉपकार्न बेचने वाले एक फेरीवाले ने दो लड़कों के खिलाफ गाड़ी गिरने के विवाद पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिरगांव निवासी खलीफा खान ने इंद्र कुमार साहू, इंद्रेश मरावी के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। खलीफा ने पुलिस को बताया कि वह अपनी मोपेड से राजपूत होटल में खाना पार्सल लेने गया था। इस दौरान इंद्र कुमार ने अपनी बाइक पार्क करते हुए खलीफा की मोपेड को टक्कर मार दी। बाइक की टक्कर लगने से खलीफा की मोपेड गिर गई।

हेलमेट पर फंसे पेट्रोल पंप संचालक, चालक मान नहीं रहे और प्रशासन दे रहा अल्टीमेटम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

रायपुर जिले में हेलमेट को लेकर अब प्रशासन भी सख्त नजर आ रहा है। रायपुर पेट्रोल पम्प एसोसिएशन ने अपने स्तर पर दोपहिया वाहन चालकों को जागरूक करने के लिए हेलमेट नहीं पेट्रोल नहीं का नारा देते हुए जागरूकता अभियान जारी किया है, पर वाहन चालक इसे मान नहीं रहे। इस अभियान के बाद भी ज्यादातर लोग बिना हेलमेट के ही पेट्रोल खरीदने पहुंच रहे हैं, जिसके कारण कई पेट्रोल पंपों में बिना हेलमेट पहने पेट्रोल दिया जा रहा है। इसे देखते हुए प्रशासन ने अब पेट्रोल पंपों से कहा है कि सात दिनों में जागरूकता अभियान का असर दिखना चाहिए, अन्यथा उन पर भी कार्रवाई हो सकती है। कलेक्टर गौरव सिंह ने सोमवार को कलेक्टोरेट स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में जिलेभर के पेट्रोल पंप संचालकों के साथ बैठक की। इस बैठक में अपर कलेक्टर नम्रता जैन, कीर्तिमान सिंह राठौड़, नगर निगम कमिश्नर विश्वदीप, आरटीओ आशीष देवांगन सहित अन्य अधिकारियों के अलावा पेट्रोल पंप एसोसिएशन के अध्यक्ष अखिल धकड़ सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में ▶▶| शेष पेज 13 पर

पेट्रोल पंप एसोसिएशन का जागरूकता अभियान जारी रहेगा

बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं देने के निर्देश मिले

प्रशासन ने पेट्रोल पंप संचालकों की बैठक बुलाई थी। इसमें कितना प्रतिशत बिना हेलमेट पहने चालकों को पेट्रोल नहीं दिया गया। इसकी जानकारी मांगी गई, साथ ही निर्देश दिए गए कि इस अभियान को अनिवार्य रूप से लागू करें। ऐसा नहीं करने वाले पंप संचालक पर सख्ती बरती जाएगी।

- अखिल धकड़, अध्यक्ष, पेट्रोल पंप एसोसिएशन

पेट्रोल के लिए हेलमेट जरूरी पर कई पंपों में सुविधाओं की कमी

लोगों में जागरूकता लाने एसोसिएशन की अच्छी पहल

बिना हेलमेट के कारण सड़क हादसों में लोगों की जानें जा रही हैं। इसे लेकर पेट्रोल पंप एसोसिएशन नो हेलमेट नो पेट्रोल जागरूकता अभियान चला रहा है। यह अच्छी पहल है। बैठक में कहा गया है यह अभियान जारी रखें।

- डा. गौरव सिंह, कलेक्टर रायपुर

कोर्ट में पेश 5000 पेज के चालान में ईडी ने लगाए हैं कई आरोप, बयानों का दिया है हवाला

चैतन्य पर ईडी के आरोप-1000 करोड़ रुपए मैनेज किया, 29 करोड़ रीयल स्टेट में निवेश भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

ईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल के खिलाफ कोर्ट में पेश चालान में शराब घोटाले में चैतन्य की प्रभावशाली भूमिका होना बताया है। साथ ही चालान में चैतन्य द्वारा शराब घोटाले की राशि एक हजार करोड़ रुपए मैनेज करने का आरोप लगाया है। ईडी द्वारा कोर्ट में पेश चालान में चैतन्य को सिंडिकेट का प्रमुख हैंडलर बताया गया है।

चालान में ईडी ने चैतन्य की भूमिका को सिंडिकेट में प्रतीकात्मक होने के बजाय प्रभावशाली और निर्णायक बताया है। कहा गया है कि चैतन्य द्वारा शराब घोटाले से हासिल रकम का हिसाब रखा जाता था। ईडी के आरोपों के अनुसार चैतन्य बघेल के निर्देशन पर मनी कलेक्शन करने से लेकर चैनेलाइजेशन और वितरण से संबंधित सभी बड़े फैसले लिए जाते थे। आरोपों के मुताबिक मुख्यमंत्री के बेटे होने के नाते चैतन्य सिंडिकेट के नियंत्रक रहे थे।

चैतन्य ने किया एक हजार करोड़ रुपए मैनेज

ईडी द्वारा कोर्ट में पेश चालान के मुताबिक चैतन्य बघेल ने शराब घोटाले से प्राप्त 1000 करोड़ रुपए को व्यक्तिगत रूप से प्रबंधन किया। उन्होंने जानबूझकर सिंडिकेट के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर अपराध की आय को छिपाने, रखने, प्राप्त करने और उपयोग करने में सहायता की। ईडी ने कारोबारी लक्ष्मी नारायण बंसल के बयान का हवाला देते हुए दावा किया है कि लक्ष्मी नारायण ने चैतन्य के साथ मिलकर शराब घोटाले से प्राप्त रकम का प्रबंधन किया। लक्ष्मी नारायण ने स्पष्ट रूप से कहा है कि चैतन्य बघेल के निर्देश पर बड़ी मात्रा में नकदी छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्कालीन कोषाध्यक्ष राम गोपाल अग्रवाल और ठगी के आरोप में जेल में बंद केके श्रीवास्तव को 80-100 करोड़ रुपए की राशि दी है। इसके अलावा लक्ष्मी नारायण ने चैतन्य द्वारा वर्ष 2019 से 2022 के बीच एकमुश्त पांच करोड़ रुपए तथा 40 लाख रुपए छोटे भुगतान करने की जानकारी ईडी को दी है। उक्त राशि देवेंद्र डडसेना तथा केके श्रीवास्तव द्वारा दी गई है।

रियल एस्टेट में 28.90 करोड़ रुपए निवेश

चालान में उल्लेख किया गया है कि चैतन्य बघेल ने शराब घोटाले से प्राप्त रकम में से 18.90 करोड़ रुपए की राशि रियल एस्टेट में निवेश किया। चालान में 10 करोड़ रुपए कैश में निवेश करने का उल्लेख है। ईडी ने उक्त आरोप चैतन्य के सीए, सलाहकार इंजीनियर से जब्त डिजिटल एविडेंस तथा साइट में काम करने वाले इंजीनियरों के बयान के आधार पर लगाया है।

सौम्या, अनवर अकाउंट मैनेज करते थे

ईडी द्वारा कोर्ट में पेश चालान के मुताबिक चैतन्य बघेल का बैंक अकाउंट मैनेज करने का काम अनवर ढेबर तथा सौम्या चौरसिया करते थे। ईडी ने वाट्सएप चैट का हवाला देते हुए चालान में उल्लेख किया है कि सौम्या, अनिल टूटेजा को निर्देश देते हुए पाई गई हैं। चैतन्य के अकाउंट में समस्या आने पर सौम्या, अरुण पति त्रिपाठी को चैतन्य का उपनाम बिट्टू से मिलने वाट्सएप के माध्यम से निर्देश देती थी।

डर्टी न्यूड पार्टी का पोस्टर जारी करने वाला मध्यप्रदेश से गिरफ्तार

- इंस्टाग्राम में सिनफुल राइटर1 के नाम से पेज बनाकर पोस्टर जारी किया था
- दो दिन पूर्व पुलिस ने स्ट्रेंजर हाउस, पूल पार्टी आयोजित करने वाले सात लोगों को गिरफ्तार किया है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

क्लब, होटल में नाच-गाने, कल्चरल इवेंट के नाम पर अश्लीलता परोसने वालों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इंस्टाग्राम में सिनफुल राइटर1 नाम के पेज में न्यूड पार्टी के नाम से पोस्टर जारी करने के आरोप में पुलिस ने मध्यप्रदेश, अनूपपुर के एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक के एक अन्य साथी की पुलिस तलाश कर रही है। फरार युवक न्यूड पार्टी का मास्टर माइंड बताया जा रहा है। ▶▶| शेष पेज 13 पर

इन स्थानों में पुलिस ने की छापे की कार्रवाई

पुलिस ने तेलीबांधा स्थित हायपर क्लब, जोक पब, शीतल इंटरनेशनल, मोका बार एण्ड रेस्टोरेंट, होटल क्लोरेंस, सिमर्स बार, आईपी क्लब, नवा रायपुर स्थित पियानों क्लब शैमरॉक जॉर्डन में छापे की कार्रवाई की। तय समय से ज्यादा समय तक शराब परोसे जाने पर इन सभी संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई करने पुलिस ने आबकारी विभाग को पत्र लिखा है। इसके अलावा पुलिस ने तेलीबांधा स्थित एमपी किचन, मरीन ड्राइव स्थित शेफ किचन, श्नो बेरी आईसलैण्ड, कैफे केपवाईस रेस्टोरेंट, विधानसभा स्थित ढाबा शाबा, प्रिंस तथा राजू ढाबा में छापे की कार्रवाई की है। इन सभी पर भी पुलिस ने कार्रवाई करने नगर निगम को पत्र लिखा है।

पुलिस के साथ झूमाझटकी

तेलीबांधा थाना क्षेत्र में संचालित आदित्य फार्म हाउस में देर रात हुक्का के साथ ड्रग पार्टी आयोजित होने की जानकारी मिलने पर पुलिस की टीम छापा मारने पहुंची। मौके पर पहुंची पुलिस को देख क्लब संचालक ने बाहर से गेट बंद कर दिया। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम पहुंची और दीवाल फांदकर क्लब के अंदर घुसी, तो वहां उपस्थित लोगों ने पुलिस के साथ ▶▶| शेष पेज 13 पर

जांच के दायरे में पुराना सप्लायर, कृमिनाशक दवा की खरीदी के लिए नया करार

दवा असरहीन...कृमिनाशक एल्बेंडाजोल की पांच बैच पर बैन, बच्चों को दी जानी थी खुराक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दवा अमानक होने के मामले में सप्लायर कंपनी को जांच के दायरे में लाने के बाद कृमिनाशक एल्बेंडाजोल की दवा खरीदने सीजीएमएससी ने एल-2 कंपनी से करार किया है। दवा के अभाव में स्वास्थ्य विभाग को सोमवार 15 सितंबर को होने वाले राष्ट्रीय कृमि मुक्त अभियान को स्थगित करना पड़ा था। दवा सप्लाई के बाद बच्चों को यह दवा खिलाई जाएगी, मगर एल्बेंडाजोल की सप्लाई प्राप्त करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

- दवा के अभाव में स्थगित हो चुका राष्ट्रीय कृमि मुक्त अभियान

हरिभूमि फॉलोअप

दवा के अमानक होने के बाद संबंधित कंपनी द्वारा सप्लाई की गई दवाओं के उपयोग पर रोक लगा दी गई है। पर्याप्त मात्रा में दवा की उपलब्धता बाधित होने की वजह से स्वास्थ्य विभाग को 15 सितंबर को प्रदेश स्तर पर दवा खिलाने चलाए जाने वाले अभियान को स्थगित करना पड़ा गया। इसके अलावा अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले मरीजों को यह दवा का वितरण नहीं हो पा रहा है। सप्लायर कंपनी मेसर्स एफ़ी पैरेंटेरल्स द्वारा सप्लाई की गई दवा की सभी बैच अभी जांच के दायरे में है। इसलिए जरूरतों का ध्यान में रखते हुए

सरकारी अस्पतालों की दवाओं में शिकायतें, डिपो में वापसी के बाद ठंडी पड़ी जांच

दवा कार्पोरेशन द्वारा टेंडर प्रक्रिया के दौरान एल-2 घोषित हुई कंपनी मैन केयर लैबोरिटी प्रायवेट लिमिटेड से इस दवा की खरीदी के लिए अनुबंध किया गया है। 400 एमजी की एल्बेंडाजोल नामक टेबलेट के मिलने के बाद इस अभियान को पूरा किया जाएगा। इसके अलावा स्वास्थ्य केंद्रों में भी इसकी सप्लाई की जाएगी ताकी जरूरतमंद मरीजों को इसका वितरण किया जा सके।

अन्य दवाओं की जांच का भी इंतजार

एल्बेंडाजोल के अलावा कुछ और जरूरी दवाओं में शिकायत मिलने के बाद संबंधित बैच के उपयोग पर रोक लगाया गया था। इन दवाओं के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं जिनकी रिपोर्ट आने में वक्त लगने की वजह से उनके खिलाफ अब तक किसी तरह का एक्शन नहीं लिया गया है। सीजीएमएससी द्वारा आधा दर्जन से अधिक दवाओं के उपयोग पर रोक लगाया गया है।

ढीली प्रक्रिया इसलिए टला अभियान

सूत्रों का कहना है कि सीजीएमएससी की ढीली प्रक्रिया की वजह से सोमवार को बच्चों को दवा खिलाने के अभियान को टालना पड़ा। पुरानी कंपनी के जांच दायरे में आने के तत्काल बाद अनुबंध की सारी कार्यवाही कर ली जाती, तो सही समय पर इस बच्चों को कृमिनाशक दवा खिलाई जा सकती थी। माना जा रहा है कि अन्य कार्यवाही पूरी होने और दवा की सप्लाई में वक्त लगने की वजह से अभियान को पुनः आयोजित करने में थोड़ा वक्त लग सकता है।

दिनभर छाए रहे बादल शाम होने से पहले शहर में जलानी पड़ी गाड़ियों की हेड लाइट

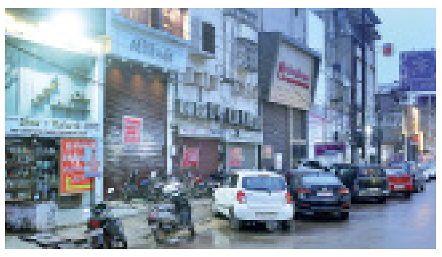

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बिहार के ऊपर बने चक्रवाती घेरा के प्रभाव से सोमवार को दिनभर राजधानी में बादल छाए रहे और बूंदाबांदी का दौर चलता रहा। बादल इतने घने थे कि शाम होने से पहले अंधेरे जैसी स्थिति हो गई और गाड़ियों की हेडलाइट जलानी पड़ी। मौसम का मिजाज बदलने से शहर के अधिकतम तापमान में चार डिग्री की गिरावट हुई और पारा 29 डिग्री पर अटका रहा मौसम में हुए बदलाव से तापमान में भले ही कमी आई है, मगर इससे उमस की परेशानी कम नहीं हुई है। मौसम विशेषज्ञों द्वारा संभावना जताई गई है कि अभी दो चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी बिहार और उसके आसपास स्थित है। इसके असर से मंगलवार को अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इसका अधिक प्रभाव उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ में होने की संभावना है। सोमवार को सुबह से बादल छाए रहे जो दिन चढ़ते-चढ़ते बदल गए। दिनभर बूंदाबांदी होती रही जिससे तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम हो गया। इसके प्रभाव में दृश्यता भी थोड़ी प्रभावित हुई जिसका प्रभाव शाम ढलने से पहले सड़कों पर आवाजाही करने वाली गाड़ियों की हेडलाइट ऑन होने के रूप में नजर आई। पिछले चौबीस घंटे में प्रतापपुर, राजनांदगांव में 6-6 सेमी., बलरामपुर, रामानुजगंज, दौरा कोचली में 5-5 सेमी. तक बारिश हुई।

चलता रहा बूंदाबांदी का दौर, तापमान चार डिग्री तक नीचे उतरा

आईआरसीटीसी भारत गौरव ट्रेन से कराएगा चार ज्योतिर्लिंग व स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के दर्शन

19 हजार में भोजन, आवास, ट्रांसफर व बीमा की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कम खर्च में ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराने के लिए आईआरसीटीसी ने यात्रियों के लिए नया धार्मिक यात्रा का प्लॉन बनाया है। 19,555 रुपये से 39,410 रुपये प्रति यात्री किराया में यात्री चार ज्योतिर्लिंग और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के दर्शन कर सकते हैं। यात्री भारत गौरव एक्सप्रेस ट्रेन से भ्रमण करेंगे। बता दें कि भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन का संचालन 25 अक्तूबर से शुरू होगा। यात्रा की शुरुआत अमृतसर से होगी और इसमें जालंधर, लुधियाना, चंडीगढ़, अंबाला, कुरुक्षेत्र, पानीपत, सोनीपत, छत्तीसगढ़, दिल्ली कैंट और रेवाड़ी से यात्री ट्रेन में सवार हो सकेंगे। इस यात्रा में उज्जैन के महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर, द्वारका के नागेश्वर तथा सोमनाथ (गिर-सोमनाथ) ज्योतिर्लिंग मंदिरों के साथ गुजरात के द्वारकाधीश मंदिर और केवड़िया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दर्शन कराया जाएगा।

- भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन का संचालन 25 अक्तूबर से शुरू होगा, छत्तीसगढ़ से भी यात्री करवा रहे बुकिंग

पहले स्वास्थ्य की जांच कराने की सलाह

आईआरसीटीसी ने यात्रियों को मान्य पहचान पत्र साथ लाने और यात्रा से पहले स्वास्थ्य की जांच कराने की सलाह दी है। कंपनी का मानना है कि पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के श्रद्धालुओं में इस पैकेज की भारी मांग रहेगी क्योंकि एक ही यात्रा में चार पवित्र ज्योतिर्लिंगों और एक राष्ट्रीय धरोहर का दर्शन संभव होगा। आरक्षण आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट व क्षेत्रीय कार्यालयों में किया जा सकता है।

ट्रेन में 762 यात्री करेंगे सफर

ट्रेन में कुल 762 यात्री यात्रा कर सकेंगे। इन्हें इकोनॉमी, स्टैंडर्ड और कम्फर्ट श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा। किराया 19,555 रुपये से 39,410 रुपये प्रति यात्री तक होगा। पैकेज में शाकाहारी भोजन, आवास, ट्रांसफर, दर्शनीय स्थलों की यात्रा, बीमा और सुरक्षा की सुविधा दी जाएगी। हालांकि स्मारकों के प्रवेश शुल्क, व्यक्तिगत खर्च और टिप्स इसमें शामिल नहीं होंगे। आईआरसीटीसी ने इस यात्रा को 'वन-स्टॉप स्पिरिचुअल और कल्चरल टूरिज्म पैकेज' के रूप में प्रचारित किया है। ज्योतिर्लिंग मंदिर जहां प्राचीन धार्मिक आस्था का प्रतीक हैं, वहीं स्टैच्यू ऑफ यूनिटी आधुनिक भारत के राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक है।

एनएचएम के संविदा कर्मचारियों को अल्टीमेटम आज से ड्यूटी पर नहीं आने पर सेवा समाप्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

महीनेभर से काम बंद कर हड़ताल पर बैठे एनएचएम के संविदा कर्मचारियों को काम पर लौटने का अल्टीमेटम दे दिया गया है। स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया द्वारा तमाम सीएमएचओ को निर्देशित किया गया है कि मंगलवार से काम पर नहीं लौटने वाले कर्मचारियों को एक माह का नोटिस देकर सेवा समाप्त करने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने तर्क दिया है कि उनकी मांगों पर शासन स्तर पर निर्णय हो चुका है, इसके बाद भी उनका हड़ताल पर जाना काफी दुखद है। एनएचएम के संविदा कर्मचारी ▶▶| शेष पेज 13 पर

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

भंडारपुरी धाम में गुरु दर्शन संत समागम मेला 3 को

रायपुर। सतनामी समाज की आस्था के प्रमुख केंद्र भंडारपुरी धाम में प्रतिवर्ष की तरह इस साल भी गुरु दर्शन संत समागम मेला 3 अक्टूबर को धूमधाम से संपन्न होगा। इस संबंध में तैयारियों को लेकर सतनामी समाज के राजागुरु, धर्मगुरु, गुरु बालदास साहेब के सानिध्य में महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब सहित क्षेत्र के आला अधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर गुरु बालदास साहेब ने कहा कि गुरु दर्शन मेला केवल संत समागम का अवसर नहीं, बल्कि समाज की आस्था, श्रद्धा और एकजुटता का प्रतीक है। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल होंगे।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी आज आएंगी

रायपुर। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी दो दिवसीय दौरे पर 16 सितंबर को आ रही हैं। जारी कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार को शाम 7.10 बजे नियमित विमान से दिल्ली से रवाना होकर 8.55 बजे रायपुर के माना विमानतल पहुंचेंगी। वे यहां मेफेयर लेक रिसार्ट में रात्रि विश्राम करेंगी। बुधवार 17 सितंबर को स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान सेवा पखवाड़ा में कृषि विवि में आयोजित कार्यक्रम में सुबह 11 बजे से 3.40 तक मौजूद रहेंगी।

कांग्रेस खो चुकी है जनता का विश्वासः किरण

रायपुर। भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता डॉ. किरण बघेल ने कहा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज अपनी सरकार के पुराने दिनों को भूल गए हैं या फिर कुछ पल के लिए गजनी फिल्म के एक कलाकार तो नहीं बन गए हैं। प्रदेश में अपनी खोई हुई जमीन को तलाशने 16 से 18 सितंबर तक एक यात्रा कांग्रेस निकाल रही है, जिसमें कांग्रेस सफल नहीं होगी, क्योंकि कांग्रेस जनता का विश्वास पूरी तरह खो चुकी है।श्रीमती बघेल ने कहा, कांग्रेस के 5 वर्षों के शासनकाल में 18 सौ दिन कांग्रेस सत्ता में रही है।

शिक्षा मंत्री ने कहा- गुजरात मॉडल छत्तीसगढ़ में भी लागू करने पर विचार

शिक्षा मंत्री यादव ने भास्कराचार्य संस्थान से नवाचारों की जानकारी ली

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेंद्र यादव ने अपने तीन दिवसीय गुजरात प्रवास के दौरान अहमदाबाद स्थित भास्कराचार्य अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान का दौरा किया। उन्होंने इस दौरान संस्थान द्वारा शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में किए जा रहे नवीनतम शोध, तकनीकी उपयोग और नवाचारों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा, गुजरात में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। यहां शिक्षा से जुड़े नवाचारों और अत्याधुनिक तकनीकों के प्रयोग ने सीखने और पढ़ाने की प्रक्रिया को अधिक सरल और प्रभावी बना दिया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि छत्तीसगढ़ में भी शिक्षा व्यवस्था को सशक्त और आधुनिक बनाने के लिए इसी प्रकार की कार्ययोजना तैयार की जाए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नई तकनीक से जुड़ने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा, तकनीक के माध्यम से न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार संभव है, बल्कि दूरस्थ और दुर्गम अंचलों में रहने वाले विद्यार्थियों तक भी बेहतर शैक्षणिक सामग्री पहुंचाई जा सकती है। इस दिशा में गुजरात के मॉडल का अध्ययन कर छत्तीसगढ़ में भी इसे लागू करने की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

बीसेग के तकनीकी माड्यूल्स का अध्ययन

दौरे में अधिकारियों ने बीसेग के विभिन्न प्रकल्पों और तकनीकी मॉड्यूल्स का गहन अध्ययन किया और इसे छत्तीसगढ़ की आवश्यकताओं के अनुरूप लागू करने पर चर्चा की। उनका यह दौरा छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था में नए आयाम जोड़ने और छात्रों को तकनीक आधारित शिक्षा की ओर अग्रसर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, संचालक लोक शिक्षण ऋतुराज रघुवंशी, गुजरात राज्य के अधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

एससीआर में मेट्रो समेत अन्य सुविधाओं की कार्ययोजना बनेगी : चौधरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आवास, पर्यावरण एवं वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने कहा है कि एससीआर (स्टेट कैपिटल रीजन) में मेट्रो के परिचालन समेत अन्य सुविधाओं को विकसित करने कार्ययोजना भी बनेगी। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार के केंद्र भी विकसित होंगे। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में एससीआर यानी स्टेट कैपिटल रीजन बनाने के विधेयक को राज्यपाल ने मंजूरी दे दी है। नवंबर से पहले एससीआर प्राधिकरण अस्तित्व में आ जाएगा। श्री चौधरी ने मीडिया से चर्चा में बताया एससीआर रायपुर, नवा रायपुर, बीरगांव, दुर्ग, भिलाई, एवं राजनांदगांव जैसे क्षेत्रों का तकनीकी अध्ययन करके एक क्षेत्र का निर्धारण किया जाएगा और नीति आयोग के सहयोग से एक एकीकृत आर्थिक योजना बनाई जाएगी। इससे छत्तीसगढ़ के भविष्य के लिये एक बड़ा ग्रोथ इंजन तैयार होगा, जो आने वाले 10–15 वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण-शहरी विकास को व्यापक लाभ पहुंचाएगा। इसी के साथ रायपुर, दुर्ग, भिलाई क्षेत्र को एससीआर मॉडल पर एक विश्वस्तरीय शहर के रूप में विकसित करने का रास्ता भी खुलेगा।

■ नवंबर से पहले एससीआर प्राधिकरण बनेगा

सभी कलेक्टरों, निकाय प्रमुखों को जारी किया पत्र

बच्चों के खेल के मैदान का कोई व्यावसायिक उपयोग न हो- बाल संरक्षण आयोग की अनुशंसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ वर्णिका शर्मा ने राज्य के सभी कलेक्टरों एवं नगरीय निकायों के लिए अनुशंसा जारी की है कि बच्चों के खेल मैदानों का किसी भी रूप में व्यावसायिक उपयोग न किया जाए। इस संबंध में उन्होंने राज्य के सभी जिला कलेक्टर, समस्त नगर निगम आयुक्त व मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को पत्र भेजा है।

प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में बच्चों के घटते हुए खेल के मैदानों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए समस्त जिला कलेक्टर , समस्त नगर निगम आयुक्त व मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को पत्र द्वारा अनुशंसा जारी करते हुए लेख किया है कि नगरीय क्षेत्रों में खुले स्थानों या मैदानों का आमतौर पर व्यवसायिक उपयोग किया जाता है। दूसरी ओर यह भी पाया जा रहा है कि बच्चों में मोबाइल की लत बड़े पैमाने पर विकसित हुई है, जिसकी रोकथाम का एक कारगर उपाय बच्चों को खुले मैदान में खेले जाने के अवसर प्रदान करना है।

खेल मैदानों का व्यावसायिक उपयोग न हो

आयोग ने अनुशंसा की है कि, बच्चों के खेल के मैदान जैसे - शाला से जुड़े मैदान आदि पर किसी भी प्रकार के व्यवसायिक उपयोग जैसे चौपाटी आदि के विकास की अनुमति प्रदान न की जावे । इन मैदानों को बच्चों के खेलने के लिए ही आरक्षित सुरक्षित रखा जावे । नगरीय क्षेत्र में जहाँ भी बच्चों के खुले में खेलने के लिए मैदान या क्षेत्र उपलब्ध है वहां नगरीय निकायों तथा जिला स्तर पर उपलब्ध अन्य धन राशि से अधिक से अधिक खेल की सुविधाएं विकसित की जाए । खेल की सुविधाएं विकसित करते समय बहुआयामी खेलों की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए , जिससे सभी प्रकार के खेलों के प्रतिभाशाली बच्चों को अवसर मिल सके । बच्चों के खेल के मैदानों से तत्काल अतिक्रमण हटाकर उन्हें विकसित किया जाये ।

हर एक किलोमीटर पर हो खेल मैदान

यह प्रयास किया जाए कि शहर के भीतर प्रत्येक 1 किलोमीटर के दायरे में बच्चों के लिए खेल का मैदान व इंडोर खेल का परिसर उपलब्ध हो । नवीन आवासीय कॉलोनियों के निर्माण की अनुमति देते समय उसमें बच्चों के खेल के मैदान जिसमें बहुआयामी खेलों की सुविधा हो, का निर्माण व विकास करवाना कॉलोनाइजर के लिए अनिवार्य किया जाए । बच्चों के खेल के मैदान में यदि कोई भी अतिक्रमण हो तो उसे तत्काल हटाते हुए स्वच्छ खेल मैदान बच्चों को उपलब्ध कराया जाए । उन्होंने अनुशंसा पर तत्काल आवश्यक कार्यवाही करते हुए आयोग को अवगत कराने का भी लेख पत्र में किया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा-20 महीने में 10 हजार सरकारी नौकरी दी जा चुकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में सरकारी नौकरी की भर्तियां लगातार निकल रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का दावा है कि पिछले 20 महीने में यानी जब से वे सत्ता में हैं, तब से लेकर आज तक 10 हजार सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। वहीं आने वाले दिनों में राज्य में हजारों शिक्षकों की भर्तियां भी होने जा रही हैं। उद्योग-धंधों को लेकर भी सरकार प्रयासरत है। इनके माध्यम से भी रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। प्रदेश के युवाओं को रोजगार मुहैया कराने के लिए उनकी सरकार प्रतिबद्ध है।

■ आने वाले दिनों में 5000 शिक्षकों की होगी भर्ती

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को संवाददाताओं से चर्चा में कहा, हमारी सरकार को अभी 20 महीने हुए हैं और अभी तक हम कह सकते हैं कि हमने 10 हजार शासकीय नौकरियां दी हैं। लगातार भर्तियां चल रही हैं। अभी पांच हजार शिक्षकों की भी भर्ती होगी। उसी में अभी 700 प्राध्यापक और सह-प्राध्यापकों की नियुक्ति का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। हम लोग लगातार हमारे प्रदेश के जो बेटा-बेटी हैं, उन्हें शासकीय नौकरी भी देंगे और नई उद्योग नीति लाए हैं। उसके माध्यम से नए उद्योग-धंधे भी स्थापित हो रहे हैं। हम रोजगार को विशेष महत्व दे रहे हैं। उससे भी हमारे बेटा-बेटियों को रोजगार मिलेगा।

गांधी जयंती पर कल से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा अभियान

रायपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जन्मतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए राज्य में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के निर्देश पर आयोजित होगा। इस संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास के सचिव ने राज्य के सभी नगर निगम आयुक्त, सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत को पत्र जारी किया है। यह कार्यक्रम स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 के तहत होगा। इसे स्वच्छोत्सव के प्रसंग पर स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 के तहत आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में केंद्र सरकार ने भी विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए हैं। **अभियान में होंगे ये काम** : केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश में कहा गया है कि अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के लिए जन-जागरूकता एवं जन भागीदारी को बढ़ावा देना।

बाढ़ प्रभावितों के लिए गुजरात ने भेजी राहत सामग्री

रायपुर। बस्तर व सरगुजा में अतिवृष्टि एवं बाढ़ से प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री पहुंचाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के बस्तर व सरगुजा संभाग में आई बाढ़ के लिए गुजरात की भाजपा प्रदेश इकाई ने भी मदद का हाथ बढ़ाया है। भाजपा की गुजरात प्रदेश इकाई द्वारा भेजी गई राहत सामग्री की पहली खेप सोमवार को रायपुर पहुंची जिसे बस्तर व सरगुजा संभाग के बाढ़ पीड़ति क्षेत्रों के लिए भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने रवाना किया।

उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने 10 सूत्रीय एजेंडा तय

उच्च शिक्षा को आधुनिक, नवाचारी और युवाओं के भविष्य के अनुरूप बनाने पर करें अमल : टंकराम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने सोमवार को नवा रायपुर स्थित इंद्रावती भवन में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर उच्च शिक्षा क्षेत्र में नवाचार, गुणवत्ता सुधार एवं राज्य की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए व्यापक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा, छत्तीसगढ़ की उच्च शिक्षा को आधुनिक, नवाचारी और युवाओं के भविष्य के अनुरूप बनाने के लिए ठोस और प्रभावी कार्ययोजनाओं पर अमल जरूरी है।

मंत्री श्री वर्मा ने बैठक में स्टेट हायर एजुकेशन प्लान का निर्माण, नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत, रूसा की प्रिपरेटरी ग्रांट एवं डिम्ड मद से प्रशिक्षण कार्यक्रम, राज्य उच्चतर शिक्षा योजना अंतर्गत भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य निर्धारण तथा संस्थागत विकास योजनाओं के अनुरूप बजट अनुमान शामिल आदि विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ की विशेष आवश्यकताओं के अनुरूप कार्ययोजनाएं तैयार की जाएं, विशेषकर बस्तर और सरगुजा जैसे जनजाति बहुल एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के विस्तार और नवाचार के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

इन योजनाओं के क्रियान्वयन पर जोर : उन्होंने 'नियद नेल्ला नार' जैसे विशेष कार्यक्रमों और वन-औषधियों के संरक्षण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्र में युवाओं को प्रशिक्षित करने हेतु विशेष कार्यक्रम, उच्च शिक्षा का डिजिटाइजेशन एवं डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास तथा साथी, समर्थ, एमओओसी, स्वयं, स्वयं प्रभा जैसी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी बल दिया।

भाजपा प्रदेश में जनता के बीच जाकर बताएगी जीएसटी में बदलाव के फायदे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्र सरकार ने जीएसटी को लेकर जो बड़ा बदलाव किया है, उसे लेकर प्रदेश का भाजपा संगठन भी जनता के बीच जाएगा। इसी के साथ व्यापारियों और बुद्धिजीवियों के साथ भी चर्चा होगी। इसको लेकर प्रदेशभर में 15 अक्टूबर तक कार्यक्रम होंगे। मुख्य रूप से हर विधानसभा में सम्मेलन कराने की योजना है। राजधानी में होने वाले सम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रहेंगे।

■ हर विधानसभा में सम्मेलन के साथ शक्ति केंद्रों से लेकर जिलों में होंगे कई कार्यक्रम

केंद्र सरकार ने जीएसटी को लेकर जो नया रीफार्म किया है, उसको लेकर अब भाजपा ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा अभियान एक माह तक चलाने का फैसला किया है। सभी राज्यों में यह अभियान चलेगा। अब राज्य छत्तीसगढ़ में अभियान चलाने के लिए प्रदेश स्तर की समिति में महामंत्री यशवंत जैन को संयोजक नियुक्त किया गया है। इसी के साथ चार सदस्य भी बनाए गए हैं। जिलों में भी समिति बनाई गई है।सभी को अलग-अलग कार्यक्रम कराने की जिम्मा दिया गया है।

सम्मेलनों में मंत्री, सांसद, विधायक रहेंगे

प्रदेश संयोजक यशवंत जैन ने बताया, शक्ति केंद्रों से लेकर मंडल स्तर पर कार्यक्रम होंगे। जनता के बीच हमारे भाजपा के कार्यकर्ता जाकर बताएंगे कि जीएसटी में बदलाव से उनको क्या लाभ होगा। इसी के साथ हर विधानसभा में सम्मेलन होंगे। इसमें व्यापारियों के साथ बुद्धिजीवियों को आमंत्रित किया जाएगा। सम्मेलनों में प्रदेश के मंत्री, विधायक और सांसद अपने-अपने क्षेत्र के कार्यक्रमों में रहेंगे। राजधानी के सम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रहेंगे। 19 सितंबर को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इसके बाद से लगातार कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रमों की रूपरेखा भी जल्द तैयार होगी।

न्यायालय चतुर्थ जिला न्यायाधीश बिलासपुर (छ.ग.)
(पीठासीन अधिकारी-कु.पुष्पलता मार्कण्डेय)
लखन लाल साहू .....अपीलार्थी
विरुद्ध भरत लाल साहू
वगैरह....उत्तरवादीगण
अपील प्र.क्र. 22-अ/2004
पेशी ता.-06.10.2025
आदेश दिनांक : 03.09.2025
प्रो.158
// ईश्तहार //
इस ईश्तहार के जरिए से सूचना प्रकाशित की जाती है कि इस न्यायालय में लंबित व्यवहार अपील में उत्तरवादिनी क्र. 05 ''गीता साहू उम्र 50 वर्ष पति राजेश साहू पिता स्व.होरीलाल साहू निवासी-नया मंगल बाजार गुढ़ियारी रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)'' की उपस्थिति हेतु अपील लंबित है। अतः निर्धारित पेशी दिनांक 06.10.2025 को उत्तरवादिनी गीता साहू सुबह 11.00 बजे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के मार्फत न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें। अनुपस्थिति की स्थिति में आपके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जायेगी।
पेशी तारीख पर किसी कारण से अवकाश होने पर अगले कार्य दिवस पर प्रकरण की सुनवाई की जावेगी।
दिनांक: 10/09/2025
(कु.पुष्पलता मारकण्डे)
चतुर्थ जिला न्यायाधीश
बिलासपुर (छ.ग.)

-: शपथपत्र :-
मैं लिखेन्द्र साहू (LIKHENDRA SAHU) उम्र 40 वर्ष पिता लीला राम साहू (LEELA RAM SAHU) निवासी मकान नंबर 21 अनंत्रा होम्स कांदुल रोड बोरियाखुर्द रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ०ग० जो कि शपथपूर्वक निम्न कथन करता हूँ :-
1. यह कि, उपरोक्तानुसार मेरा नाम व पता सत्य एवं सही है। तथा मेरा आधार कार्ड क्रमांक 8467 7882 2813 है।
2. यह कि मेरे पासपोर्ट तथा कक्षा बाहरवी, एवं स्नातक के अंकसूची में मेरा नाम लिखेन्द्र कुमार साहू (LIKHENDRA KUMAR SAHU) दर्ज है।
3. यह कि मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, ड्राईविंग लायसेंस एवं अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम लिखेन्द्र साहू (LIKHENDRA SAHU) दर्ज है।
4. यह कि कि मेरे पासपोर्ट क्रमांक-J2186193 में दर्ज नाम लिखेन्द्र कुमार साहू (LIKHENDRA KUMAR SAHU) को परिवर्तन कर आधार कार्ड, पेन कार्ड एवं अन्य दस्तावेजो के अनुसार लिखेन्द्र साहू (LIKHENDRA SAHU) दर्ज करवाकर नवीनकृत पासपोर्ट प्राप्त करना चाहता हूँ।
5. यह कि यह शपथ पत्र मेरे उपरोक्त पासपोर्ट में नाम परिवर्तन करने हेतु समाचार पत्र में प्रकाशन करवाने हेतु सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।
6. यह कि भविष्य में उपरोक्त नाम के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई दावा आपत्ति होती है तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी।
शपथकर्ता
सत्यापन
मैं उपरोक्त शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूँ कि, इस शपथपत्र की कंडिका क्रमांक 01 से 06 तक में वर्णित समस्त कथन सत्य एवं सही है आज अपना हस्ताक्षर कर आज दिनांक को सत्यापित करता हूँ।
स्थान रायपुर (छ.ग.)
दिनांक :- 12.09.2025 शपथकर्ता

न्यायालय तहसीलदार रायपुर
मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भ:- जिला- रायपुर तहसील- रायपुर प.ह.न.- 00062 रायपुर ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-.RD202425440722600340
// ईश्तहार //
तहसील रायपुर के प.ह.न. 00062 के अंतर्गत ग्राम रायपुर के वर्तमान भूमिस्वामी भीखम लाल सिन्हा (डडसेना) पिता/पति- चमन लाल सिन्हा (डडसेना) पता- सुंदरनगर रायपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 1175/117 (0.0090) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता रितिका सिन्हा पिता/ पति स्व भीखम लाल सिन्हा पता-सुन्दर नगर रायपुर पुरषोत्तम सिन्हा पिता/ पति स्व भीखम लाल सिन्हा पता-सुन्दर नगर रायपुर, लीना सिन्हा पिता/पति स्व भीखम लाल सिन्हा पता-सुन्दर नगर रायपुर, योगेश्वरी सिन्हा पिता/पति स्व भीखम लाल सिन्हा पता-सुन्दर नगर रायपुर के नाम पर पंजीयन/ फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण/ अभिलेख दुरुस्ती/ खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 02/10/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार रायपुर पर की जावेगी । उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/09/2025 को जारी किया जाता है।
तहसीलदार : राममूर्ति दीवान
तहसील रायपुर
(मुहर)

न्यायालय तहसीलदार, मंदिर हसौद, जिला- रायपुर (छ.ग.)
// ईश्तहार //
क्रमांक/ /वाचक/तह./2025
मंदिर हसौद, दिनांक 12.09.2025
आवेदक आवेदक टामन लाल कन्नौजे पिता स्व मेहतरूलाल कन्नौजे निवासी परसदा पटवारी हल्का नम्बर 68 तहसील मंदिर हसौद द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि परसदा पटवारी हल्का नम्बर 68 तहसील मंदिर हसौद तहसील से जिला रायपुर वर्ष 19 81/82 प्रमाणित एस एन 482, 31/3/1983 INDIA NON JUDICIAL के अनुसार एवं बंदोबस्त पूर्व खसरा नम्बर 740/2, 740/3, 741/2, 741/5, 741/6, 741/7 रकबा 0.947, 0.583, 0.182, 0.283, 0.121 खसरा पांच साला बी 1 नक्शा, अभिलेख में दर्ज था एवं बंदोबस्त के पश्चात भू अभिलेख में नया खसरां नम्बर 1764 रकबा 2.00 हे. दर्ज है जिसमे रकबा 0.116 हे. भूमि कम दर्ज हो गया है का कथन करते हुए बंदोबस्त त्रुटी सुधार करने हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज न्यायालय मे प्रस्तुत किया गया है। अतएव इस संबंध मे जिस किसी भी व्यक्ति का दावा/ आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 29.09.2025 तक स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत अवधि के बाद दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। अतः यह ईश्तहार आज दिनांक 12.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।
नायब तहसीलदार
मंदिर हसौद (छत्तीसगढ़)
(मुहर)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल -12, रायपुर
आम सूचना
जारी दिनांक- 15.09.2025
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सत्येन सिंह चौहान , आकाश सिंह चौहान पिता बाबू सिंह चौहान निवासी बाके बिहारी मंदिर के पास नयापारा चुड़ी लाईन रायपुर द्वारा आवेदित भूमि ग्राम रायपुर खास पटवारी हल्का नंबर 62 राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर -12 रायपुर में स्थित भूमि जिसका खसरा नबंर 1074/74 रकबा 0.009 हे.का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 06.06.2025 के परिपालन में दिनांक 23.09.2025 को समय 1 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत है।
अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नंबर 62 के पुजारी चेम्बर के पचपेड़ी नाका रायपुर में स्थित कार्यालय मे मय दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात् मेरे द्वारा किसी भी प्रकार के दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।
रा.नि.मं.- 12, रायपुर

कार्यालय राजस्व निरीक्षक सेरीखेड़ी, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)
:: आम सूचना ::
जारी दिनांक 12.09.2025
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम टेमरी, प.ह.नं. 78 रा.नि.म. सेरीखेडी, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में आवेदक श्रीमती सरबजीत कौर भाटिया पति रवि सिंग भाटिया निवासी 1/3, बेगोनिया टॉवर कांट्रेक्टर एरिया झारखंड द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 26/11 रकबा 0.0930 हे. का सीमांकन/बटांकन हेतु आवेदन न्यायालय तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क्र. क/अ-12/ वर्ष 2024-25 आदेश दिनांक 01.09.2025 के परिपालन में आवेदक की भूमि का सीमांकन/बटांकन हेतु स्थल निरीक्षण दिनांक 29.09.2025 को समय 12.00 PM बजे किया जाना नियत है। अतएव उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों तथा आस-पास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय के पूर्व पटवारी कार्यालय में एवं उक्त तिथि व समय को आवेदित स्थल पर उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी दावा/आपत्ति हो तो प्रस्तुत करे। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन/बटांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन/बटांकन उपरांत कोई भी दावा/आपत्ति मान्य नहीं होगी।
राजस्व निरीक्षक
सेरीखेड़ी

आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि डीस्ट्रीकट सब अहमदाबाद-3 (मेम नगर) साबरमती तालुका ग्राम शेखपुर खानपुर की सीमा का टी. पी. स्कीम नंबर 03 का फाइनल प्लाट नंबर 137/1/ए, और उसका सीटी सर्वे नंबर 2327 (सीटी सर्वे रिकार्ड नंबर मुताबिक सीटी सर्वे ऑफिस अहमदाबाद -3 वार्ड नंबर टी.पी. 3/3-4 शेखपुर खानपुर और फाइनल प्लाट नंबर 137/1) की जमीन पर मोनिका को ओ. सोसायटी सी स्थित है जो कि चित्रकुट अपार्टमेंट के नाम से जानी एवं पहचानी जाती है। उसमें का थर्ड फ्लोर पर स्थित फलेट नंबर ए/12 (A.M.C Texbill के मुताबिक) वाली मिल्कत श्रीमती पल्लवी मनुदेव गौड़ा नाम की मालिकी और एक मात्र मालिक स्वतंत्र है। कब्जा के साथ स्थित है। इस मिल्कत का-1 असली शेयर सर्टिफिकेट नंबर 40 का शेयर सर्टिफिकेट शस्त चुक से गुम हो गया है और काफी ढूंढने के बाद भी नही मिला है और उपरोक्त संपत्ति/मिलकत किसी भी निजी या सरकार के किसी विभाग में बोजायुक्त/बंधक नही रखा गया है।
ऐसा श्रीमती पल्लवी मनुदेव गौड़ा के द्वारा बताया है एवं उपरोक्त मिल्कत को किसी भी निजी सरकारी कोई भी व्यक्ति समूह या फाइनेंस कंपनी बैंक किसी भी प्रकार का लगभग हिस्सा/कर्ज या किसी भी प्रकार का अन्य एक्क दावा किया गया नही है। यदि किसी को भी एतराज या वैधानिक हस्तक्षेप हो तो वैधानिक दस्तावेजो के साथ नोटिस प्राप्त होते ही तुरंत या 07 दिन के अंदर निम्न लिखित पते पर जानकारी देवे उसके बाद किसी भी तरके की तकरार मान्य नही रखी जावेगी।
यह कि, श्रीमती पल्लवी मनुदेव गौड़ा विगत 24-25 वर्ष से रायपुर छ.ग. की निवासी है। इस लिये यह आम सूचना रायपुर छ.ग. के दैनिक अखबार दैनिक भास्कर में आम सूचना निष्पादित की जा रही है।
रायपुर छ.ग. भवदीय दिनांक....
दिनेश जंघेल
अधिवक्ता जिला न्यायालय रायपुर
छ.ग., मो.न.- 8817574405

HEALTH TOWN

रामकथा
आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
(कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ)
मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

आयुर्वेदिक कैंसर क्लिनिक
सभी तरह के कैंसर का बिना साइड इफेक्ट के आयुर्वेद एवं पंचकर्म द्वारा संपुर्ण ईलाज
Dr. Hrituraj Taank
B.A.M.S.
Nadi Parikshak By
Sri Sri Tattva
Bengaluru
पता: चरक हैल्थ क्लिनिक, दुबे कालोनी, मोवा, रायपुर (छ.ग.), 9926644448, 9630053692

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

डोमा कबड्डी स्पर्धा के विजेता पुरस्कृत

आरंग। ग्राम डोमा मे जय माँ खल्लारी कबड्डी दल, बैचलर कबड्डी दल एवं समस्त ग्रामवासी द्वारा छ.ग. राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि धनेंद्र साहू (पूर्वमंत्री) उपस्थित हुए। पूर्वमंत्री श्री साहू ने पहुँचे हुए खिलाडीयो से परिचय प्राप्त कर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि कबड्डी का खेल हमारे ग्रामीण संस्कृति की पहचान है। हमारे पुरखो ने इस खेल के माध्यम से स्वाथ्य एवं शांति भाई चारा एवं एकता का परिचय प्रदान किया करते थे। उसी का अनुशरण करते हुए ग्राम के युवा साथियों द्वारा इस ग्रामीण परंपरा को जीवित रखने मे योगदान दे रही है वो आने वाला भविष्य के लिए सुनहरा अवसर प्रदान करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने मे अग्रसर हो सकती है।

ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए कवायद जारी

तिल्दा नेवरा। तिल्दा नेवरा शहर एवं ग्रामीण में कांग्रेस पार्टी का नए ब्लॉक अध्यक्ष की नियुक्ति किया जाना है, जिसके लिए प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। वहीं तिल्दा नेवरा शहर कांग्रेस के अध्यक्ष पद हेतु प्रबल दावेदार प्रशांत गुप्ता को तिल्दा शहर का कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष बनाए जाने की पुरजोर मांग उठ रही है। गत दिवस कांग्रेस भवन में पहुंचे पर्यवेक्षक के सामने भी बड़ी संख्या में कांग्रेसियों ने उपस्थित होकर प्रशांत गुप्ता के नाम पर मुहर लगाई है व पर्ची बनाकर दिया गया है। बता दें प्रशांत गुप्ता कांग्रेस के सेवा दल सहित कई पदों पर रह चुके हैं।

विद्यार्थियों को यातायात नियमों की दी जानकारी

कूंरा। प्रोजेक्ट विजय भवः, जीत का सफर आपके द्वार इस प्रोग्राम के अंतर्गत आज पी एम सेजस बिरगांव में जिले की टीम जिसमे देव प्रकाश कुर्रे, प्राथमिक उपचार, सौरभ तीवारी साइबर क्राइम, अजय श्रीवास्तव नशा मुक्ति ,गोरखनाथ पटेल, लैंगिक अपराध पर व टी के भोई ,यातायात प्रशिक्षक , विजय मार्केंडेय द्वारा छात्रों को सीपीआर, नशे की आदि कैसे बनाते, मोबाइल की लत, तथा प्राथमिक उपचार और ट्रैफिक नियम पर छात्रों को जागरूक किया गया।

गोल्फ महाकुंभ बॉलीवुड स्टार रणदीप हुड्डा होंगे शामिल और पौधारोपण अभियान को होगा शुभारंभ

पीएम मोदी के जन्मदिन पर शहीद परिवारों का सम्मान एवं वृहद पौधारोपण कल करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

छत्तीसगढ़ में पर्यावरण संरक्षण, खेल और मानवता के एक अनूठे संगम ने एक नया इतिहास रच दिया है। गोल्ड फेडरेशन ऑफ इंडिया और परोपकार फाउंडेशन मिलकर एक विशाल वृक्षारोपण अभियान चला रहे हैं, जिसके तहत एक ही दिन में 5,000 से अधिक पौधे लगाए गए। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 सितंबर को पड़ने वाले जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था, जिसने न केवल प्रकृति की सेवा का संदेश दिया, बल्कि देश के वीर शहीदों के परिवारों को भी सम्मानित किया। इस पूरे आयोजन में श्री नितिन गौरी शंकर अग्रवाल की भी महती भूमिका रही है।

- छत्तीसगढ़ के 43 शहीद परिवारों का सम्मान, हजारों पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश

माँ कौशल्या की धरती पर हरियाली का संकल्प

इस कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण एक पेड़ माँ के नाम अभियान था। इस अभियान के तहत, बीएसएफ और आर्मी कैंप में क्रमशः 2000 और 1500 पेड़ लगाए गए। इस मौके पर सेना के जवानों ने बड़े उत्साह के साथ पौधारोपण किया। कार्यक्रम के संस्थापक श्री आर्यवीर जी और परोपकार फाउंडेशन की चेयरपर्सन शानवी मित्तल ने इस पहल की सराहना की। हर प्रतिभागी ने यह संकल्प लिया कि वे जिस पेड़ को लगाएंगे, वह उनकी माँ के नाम पर होगा और उसे माँ की मूर्ति की तरह ही सहेज कर रखेंगे। यह प्रतीकात्मक पहल न केवल वृक्षारोपण को एक भावनात्मक रूप देती है, बल्कि पर्यावरण के प्रति लोगों की जिम्मेदारी को भी मजबूत करती है।

शहीदों और समाजसेवियों का सम्मान और खेलों का महाकुंभ

इस कार्यक्रम का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा कारगिल, 1965 और 1971 के युद्धों में देश की रक्षा करने वाले छत्तीसगढ़ के 43 वीर शहीद परिवारों का सम्मान था। इस सम्मान समारोह ने पूरे कार्यक्रम को एक मानवीय और देशभक्तिपूर्ण स्पर्श दिया, जिससे लोगों का जोश और बढ़ गया। इसके अलावा, 17 सितंबर को सैनिकों, पूर्व सैनिकों, मीडिया कर्मियों और सामाजिक सेवा से जुड़े बुद्धिजीवियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

गोल्फ महोत्सव में फ़िल्मि अभिनेता रणदीप हुड्डा होंगे शामिल

यह आयोजन एक और मायने में खास है क्योंकि यह एशिया के सबसे बड़े गोल्फ मैदान में हो रहा है, जो इसे खेल जगत में एक महत्वपूर्ण स्थान देता है। उक्त कार्यक्रम नया रायपुर में किया जा रहा है। इस महोत्सव में देश-विदेश के जाने-माने गोल्फ खिलाड़ी हिस्सा लेने के लिए छत्तीसगढ़ पहुंच रहे हैं। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए बॉलीवुड के सुपर स्टार रणदीप हुड्डा भी मौजूद रहेंगे, जिन्होंने हाल ही में वीर सावरकर की बायोपिक में मुख्य भूमिका निभाई है। रणदीप हुड्डा 17 सितंबर को रायपुर में आकर्षण का केंद्र रहेंगे, जिससे इस समारोह को और भी अधिक ख्याति मिलेगी।

जनपद की बैठक में पंच प्रशिक्षण व गांवों के विकास पर दिया गया जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कूंरा

जनपद पंचायत धरसीवा की एक महत्वपूर्ण बैठक गत दिवस संपन्न हुई। इस बैठक में पंचायत स्तर पर संचालित योजनाओं, नवनियुक्त पंचों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा ग्रामीण विकास से जुड़े कई अहम मुद्दों पर गंभीर और सारगर्भित चर्चा की गई। बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं आमंत्रित गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

- पंचायती राज व्यवस्था भारतीय लोकतंत्र की रीढ़: सिन्हा

बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु राष्ट्रीय ग्राम स्वरोजगार अभियान के अंतर्गत आयोजित नवनियुक्त पंचों का आधारभूत उन्मुखीकरण एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम रहा। इस प्रशिक्षण को पंचायत प्रतिनिधियों के लिए बेहद उपयोगी बताते हुए वक्ताओं ने कहा कि पंच, लोकतंत्र की नींव होते हैं और ग्राम पंचायत के विकास कार्यों की सफलता उनके सक्रिय योगदान पर निर्भर करती है। प्रशिक्षण के दौरान पंचों को उनकी भूमिका, कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों के विषय में विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि पंच केवल पंचायत की बैठकों में भाग लेने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे अपने-अपने क्षेत्र में विकास कार्यों की निगरानी, योजना क्रियान्वयन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बैठक में ग्रामीण स्वावलंबन, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के लिए रोजगार सृजन, स्वच्छता अभियान और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। प्रतिनिधियों ने कहा कि ग्रामीण विकास तभी संभव है जब पंचायत स्तर पर योजनाओं का सही तरीके से क्रियान्वयन हो और प्रत्येक परिवार तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि अशोक सिन्हा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि पंचायती राज व्यवस्था भारतीय लोकतंत्र की रीढ़ है। पंच यदि सजग और जिम्मेदार होंगे तो गाँवों में विकास की गति और तेज होगी। उन्होंने पंचों से अपील की कि वे अपनी जिम्मेदारी को केवल औपचारिकता न समझें, बल्कि पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने क्षेत्र की जनता की समस्याओं के समाधान में जुटें।

राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक का गृहग्राम में स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित व्याख्याता नरोत्तम यदु का प्रथम बार निजग्राम रवेली आगमन पर गाजे-बाजे व आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत किया गया। राधाकृष्ण मंदिर चौक में आयोजित स्वागत सभा के मुख्य अतिथि रायपुर संभाग आयुक्त महादेव कावरे,अध्यक्षता सरपंच श्रीमती रम्भा देवी साहू ने की। कार्यक्रम में जिपं. उपाध्यक्ष संदीप यदु ,प्रदेश अध्यक्ष प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ परमानंद यादव, प्रदेश संरक्षक रामसिंह यादव,हरीराम यदु,बलराम यादव,श्रवण यादव,रामजीवन यदु सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर आयुक्त कावरे ने कहा कि शिक्षा अज्ञानता से मुक्ति का मार्ग है,शिक्षा जीवन मे आवश्यक है अपने बच्चो को स्कूल अवश्य भेजे उन्होने बताया कि हमारे समय मे चिमनी जला कर पढ़ाई करते थे बहुत से संसाधनो के अभाव मे शिक्षा ग्रहण किये है आपके गांव मे 1869 से प्राथमिक विद्यालय है यह ऐतिहासिक गांव है इसी गांव मे जन्मे नरोत्तम यदु ने गांव और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष संदीप यदु ने कहा कि नरोत्तम यदु को राज्यपाल पुरस्कार मिलना हमारे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है नरोत्तम जी द्वारा शिक्षकीय कार्य के साथ समाज व अन्य क्षेत्रो मे रचनात्मक कार्य करना प्रशंसनीय है। वही नरोत्तम यदु ने इस सम्मान को अपने माता-पिता, गुरुजनों, समाज और गांव को समर्पित करते कहा कि शिक्षक का कर्तव्य है कि वह पूरी निष्ठा से शिक्षकीय दायित्व निभाए। इस दौरान अमन यादव,वैभव यादव,सरोज यदु,प्राचार्य आरके निषाद,मनमोहन यादव,श्रीमति फटकन यदु,श्रीमति श्यामा यदु,कामिन यादव,महेश्वरी यदु,इन्द्राणी यदु,मनोरमा यदु,डॉ

निसदा में पितर के सुरता में तर्पण और रामायण पर संगोष्ठी की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

मां कौशल्या जिला मानस संघ राजा मोरध्वज मानस शक्ति केंद्र आरंग अंतर्गत जय भारत मानस मंडली, हंस वाहिनी मानस मंडली, गायत्री मानस मंडली व समस्त ग्रामवासी निसदा के तत्वाधान में पुरखा के सुरता श्रद्धांजलि तर्पण जिला स्तरीय रामायण संगोष्ठी का आयोजन बजरंग मंदिर चौक मानस मंच में संपन्न हुआ। जिसमें सरपंच मानसिंह निषाद, उप सरपंच खुम्मन सिन्हा, गणमान्य वरिष्ठ नागरिक एवं समस्त पंच तथा प्रबुद्धजनों के कर कमलों से दीप प्रज्वलित कर स्थानीय जय भारत मां मानस मंडली मंगलाचरण हनुमान चालीसा पाठ कर शुभारंभ किया गया। इस आयोजन में जिला स्तर के ख्याति प्राप्त मानस मर्मज्ञ अवध विश्वकर्मा, आचार्य नरेंद्र द्विवेदी, पिंटू पटेल, ओंकार पटेल, सूर्यकांत तिवारी, राम प्रसाद दुबे, पंडित संतोष तिवारी ने रामचरितमानस के पावन प्रसंग, अहिल्या उद्धार, सबरी सद्गति, जटायु राम संवाद, केवट राम संवाद अन्य विभिन्न प्रसंगों पर ग्रामीण जनों में व्याख्यान पितर श्राद्ध पर सरल शब्दों में प्रभावित किया।

- मानस मर्मज्ञों का श्रीफल रामनाम गमछा से सम्मान किया गया

आयोजन में मुख्य अतिथि रिंकू चंद्राकर जनपद पंचायत उपाध्यक्ष आरंग शामिल हुए व अध्यक्षता तारिणी दीपक चंद्राकर जिला पंचायत सदस्य ने की। संयोजक युवराज साहू, मनहरण साहू, महेश साहू, मोहन साहू, हीरामन सिन्हा, डॉ. भुवन साहू, मार्गदर्शन हीरालाल साहू, पुरानिक हीरवानी, सीताराम शरण मानस मंडली देवरी ने लोकगीत पर आधारित कायखंडी भजन प्रस्तुत कर जनमानस को भाव विभोर किया। मंच का संचालन अशोक साहू ने किया। मां कौशल्या जिला मानस संघ शक्ति केंद्र आरंग के समस्त पदाधिकारीगणों तथा पिपला फाउंडेशन के संयोजक महेंद्र पटेल का श्रीफल रामनाम गमछा से मानस मर्मज्ञों का सम्मान किया गया।

सतनामी समाज का भंडारपुरी में गुरु दर्शन और संत समागम अक्टूबर में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

सतनामी समाज के आस्था का प्रमुख केंद्र भंडारपुरी धाम में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला गुरु दर्शन संत समागम मेला इस वर्ष भी 3 अक्टूबर को धूमधाम से संपन्न होगा। इस संबंध में तैयारियों को लेकर सतनामी समाज के राजागुरु, धर्मगुरु परम् पूज्य गुरु बालदास साहेब के सानिध्य में महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में छत्तीसगढ़ शासन में कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब सहित क्षेत्र के आलाधिकारी और जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर गुरु बालदास साहेब ने कहा गुरु दर्शन मेला केवल संत समागम का अवसर नहीं बल्कि समाज की आस्था, श्रद्धा और एकजुटता का प्रतीक है। यह परम पूज्य गुरु घासीदास बाबा जी की कर्मस्थली है, इसलिए यहां आने वाले श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण, अनुशासन समरसता का अनुभव होना चाहिए। आगे उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर प्रशासन के साथ श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं, सुरक्षित आवागमन और अन्य बुनियादी जरूरतों की पूरी व्यवस्था करे ताकि असुविधा न हो। ऐसे आयोजनों में साफ-सफाई, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए विशेष ध्यान देना ज़रूरी है। कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन गुरु खुशवंत साहेब ने अधिकारियों को विशेष व्यवस्था हेतु निर्देशित करते हुए कहा कि इस आयोजन में लाखों की भीड़ उमड़ती है, ऐसे में प्रशासन को सभी स्तर पर तैयारियां करनी होंगी। किसी भी प्रकार की नशीली या अवैध सामग्री इस पावन धाम में नहीं आनी चाहिए। यह मेला सतनामी समाज की आस्था, विश्वास और श्रद्धा का केंद्र है, जिसमें हर वर्ष लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक और कई जनप्रतिनिधि भी इस महाआयोजन में सम्मिलित होते हैं। इस बार भी छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति सुनिश्चित है। विशेष खुशी की बात यह है कि इस वर्ष मेले के अवसर पर लगभग 100 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का भूमिपूजन प्रस्तावित है, जो समाज और क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि होगी।

बालक-बालिका बैडमिंटन में 50 विद्यार्थी हुए शामिल

आरंग। आरंग बैडमिंटन क्लब में अयोजित ब्लॉक स्तरीय बालक बालिका शालेय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पी.एम. श्री अरुंधती देवी शासकीय उत्कृष्ट माध्यमिक शाला के प्राचार्य हरीश शर्मा, आरंग युवा एवं खेल संगठन अध्यक्ष अमन साहू, सहायक प्राचार्य अकाश विश्वास, लोकेश्वर साहू ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए किया। प्रतियोगिता में आरंग विकासखंड के विभिन्न स्कूलों से 50 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। सभी खिलाड़ियों ने अपना शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में चयनित विजेता खिलाड़ी अंडर-14 बालिका वर्ग परिधि साहू, चित्रा बनते, याचिका साहू, तेजल साहू, धानी साहू बालक वर्ग तन्मय साहू, मो. माज गोरी, अमन मराठा, इशांत चंद्राकर, सिद्धार्थ गुप्ता, अंडर-17 बालिका वर्ग लुभांसी साहू, जाह्नवी देवांगन, युक्ति चंद्राकर बालक वर्ग हर्ष कंसारी, अर्पित चंद्राकर, आदित्य गजबेर, सचिन देवांगन, तेजस पटनायक, अंडर-19 बालक वर्ग द्रोण साहू, सुधांशु, चुनेश पाल, सत्यप्रकाश टेंगवार, वंश चंद्राकर, बालिका वर्ग कनिष्का चंद्राकर जिला स्तरीय प्रतिगोगिता में आरंग विकासखंड का नेतृत्व करेंगे। इस अवसर पर व्यायाम शिक्षक भोजराम मनहरे, सत्येंद्र त्रिपाठी, आरंग बैडमिंटन क्लब से राकेश, संयोजन सचिव व्यायाम शिक्षिका प्रीति साहू उपस्थित रहे।

समोदा स्कूल में हिंदी दिवस पर हुए विविध कार्यक्रम

आरंग। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय समोदा में राष्ट्रीय हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में खुशबू जलक्षत्री व्याख्याता हिंदी के मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देशन में विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों द्वारा हिंदी दिवस से संबंधित पोस्टर, भाषण, वाद विवाद, कविता, कहानी वाचन, वर्किंग मॉडल, नारे के जरिए कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। प्राचार्य आज्ञाराम ठाकुर द्वारा हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला गया एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई। साथ ही विविध प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन भेविका साहू एवं हंसिका साहू द्वारा किया गया एवं आभार व्यक्त खुशबू जलक्षत्री द्वारा किया गया।

कृषि स्नातक संघ ने सीएम के नाम पर सौंपा ज्ञापन

तिल्दा नेवरा। छत्तीसगढ़ कृषि स्नातक शासकीय कृषि अधिकारी संघ अपनी नौ सूत्रीय मांगों को लेकर आठ सितम्बर से चरणबद्ध आंदोलन पर है, इस संबंध में शासन प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जा चुका है। संगठन के जिलाध्यक्ष आर. के. दास ब्लॉक अध्यक्ष जीतू घोष ने बताया कि संघ की प्रांतीय बैठक में लंबित मांगों की पूर्ति हेतु चरणबद्ध आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है, जिसमें ज़िले के समस्त कृषि स्नातक ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एवं कृषि विकास अधिकारी शामिल हैं, संगठन से जुड़े समस्त अधिकारियो द्वारा 8 एवं 9 सितंबर को काली पट्टी लगाकर कार्य करते हुए विरोध दर्ज कराया गया। आंदोलन की द्वितीय कड़ी में आज दिनांक 15 सितंबर को मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री के नाम एसडीएम तिल्दा के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया ।

चमत्कारिक खाद्य पदार्थ मिलेट्स पर लोधी कालेज हुई परिचर्चा

मिलेट्स एक चमत्कारी स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थ, नियमित करें उपयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

सोमवार को को विज्ञान विभाग, बद्री प्रसाद लोधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय आरंग में छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव के अंतर्गत "मिलेट्स : भविष्य का एक चमत्कारिक खाद्य पदार्थ" विषय पर एक दिवसीय परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मिलेट्स प्रचारक एवं प्रख्यात खाद्य वैज्ञानिक डॉ. खादर वली उपस्थित रहे एवं श्री जलफल तथा डॉ किरण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अभया रा. जोगलेकर के नेतृत्व में हुआ। दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के पश्चात अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं शाल प्रदान कर किया गया। विज्ञान विभाग ने संगोष्ठी के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज की बदलती जीवनशैली और अस्वास्थ्यकर खान-पान के बीच मिलेट्स मानव जीवन को स्वस्थ एवं सशक्त बनाने में अद्वितीय भूमिका निभा सकते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. खादर वली ने अपने विचार रखते हुए बताया कि मोटे अनाज अथवा मिलेट्स वास्तव में "भविष्य का अन्न" हैं। इन्होंने न केवल हमारे पूर्वजों की आहार परंपरा को सुरक्षित रखा है, बल्कि आज की पीढ़ी के लिए यह जीवनदायी साबित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि मिलेट्स में प्रचुर मात्रा में फाइबर, खनिज तत्व, प्रोटीन एवं आवश्यक अमीनो अम्ल पाए जाते हैं, जो आधुनिक जीवनशैली संबंधी रोगों जैसे मधुमेह, मोटापा, उच्च रक्तचाप एवं हृदय रोग से बचाव में सहायक हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अभया आर. जोगलेकर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में जनस्वास्थ्य की गंभीर चुनौतियों के बीच मिलेट्स को पुनः हमारे आहार का हिस्सा बनाना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे न केवल स्वयं मिलेट्स का उपयोग करें बल्कि समाज में भी इसके महत्व का प्रचार-प्रसार करें। कार्यक्रम का संचालन विज्ञान विभाग की प्राध्यापिका डॉ. इंदु सोनी ने किया तथा आभार प्रदर्शन प्रो. विभा सतपथी द्वारा किया गया। अंत में सभी ने संकल्प लिया कि वे मिलेट्स को अपने जीवन में अपनाएंगे और इस "भविष्य के चमत्कारिक खाद्य पदार्थ" के महत्व को आमजन तक पहुँचाने का कार्य करेंगे। यह संगोष्ठी न केवल ज्ञानवर्धक सिद्ध हुई, बल्कि उपस्थित सभी के लिए प्रेरणादायी भी रही।

पेज 11 के शेष...

हेलमेट पर फंसे पेट्रोल पंप संचालक...

एसोसिएशन के पदाधिकारियों से पूछा गया कि हेलमेट बिना पेट्रोल नहीं देने का अभियान का प्रतिशत कितना रहा। कौन-कौन से पेट्रोल पंप में कितने वाहन चालकों को बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं दिया गया। एसोएशिन की ओर से बताया गया कि इस अभियान का मिला-जुला असर रहा है। कई पेट्रोल पंप में बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं दिया जा रहा है, लेकिन कई पेट्रोल पंप में वाहन चालक एवं पंप कर्मियों के बीच विवाद की स्थिति भी बन रही है। इसके कारण बिना हेलमेट ही पेट्रोल देना पड़ रहा है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने यह भी बताया कि शहर की जनता हेलमेट पहनना नहीं चाहती है, इसलिए मुश्किल से 20 प्रतिशत लोग ही हेलमेट पहन रहे हैं।

डर्टी न्यूड पार्टी का पोस्टर जारी करने...

मध्यप्रदेश से गिरफ्तार युवक को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर दो दिनों की पूछताछ करने रिमांड पर लिया है। पुलिस ने तय समय से ज्यादा समय तक रविवार देर रात 15 स्थानों में छापे की कार्रवाई की है। इस दौरान एक क्लब संचालक की पुलिस के साथ झूमाझटकी हुई है।

पुलिस ने आदर्श अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। आदर्श के कब्जे से पुलिस ने एक आईफोन जब्त किया है। आदर्श पेशे से कारोबारी परिवार से जुड़ा है। उसके पिता की बिजूरी में इलेक्ट्रॉनिक्स की शॉप है। आदर्श अग्रवाल ने 13 सितंबर को इंस्टाग्राम पेज में में न्यूड पार्टी आयोजित करने पोस्टर जारी किया था। पोस्टर जारी होने के बाद हंगामा हो गया। पुलिस की साइबर सेल की टीम इंस्टाग्राम आईडी की जांच कर आदर्श का मोइल नंबर निकालकर उसका लोकेशन ट्रेस कर गिरफ्तार किया है। न्यूड पार्टी के लिए जो पोस्टर जारी किया गया था, उसमें पार्टी करने की तारीख तथा जगह का उल्लेख नहीं किया गया है। पुलिस पूछताछ में स्पष्ट हो पाएगा कि आदर्श तथा उसके अन्य साथी क्या रायपुर में न्यूड पार्टी करने वाले थे। करने वाले थे तो उन लोगों द्वारा स्थानीय स्तर पर किनसे मदद ली जा रही थी। पार्टी कहां और कब आयोजित होने वाली थी। पूछताछ के बाद इन बातों का खुलासा हो पाएगा।

पुलिस के साथ...

झूमाझटकी की। झूमा झटकी करने के आरोप में पुलिस ने हरजीत सिंह चावला तथा एक अन्य को गिरफ्तार किया है। इसी तरह से एक अन्य क्लब में पुलिस पति के साथ खाना खाना गई एक महिला के साथ छेड़खानी करने की घटना सामने आई है। जिस महिला के साथ छेड़खानी हुई है, उनके द्वारा अब तक थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

एनएचएम के संविदा कर्मचारियों को...

18 अगस्त से हड़ताल पर बैठे हैं, जिसकी वजह से प्रदेश की स्वास्थ्य सेवा चरमरा गई है। हड़ताल के विपरीत असर को देखते हुए शासन स्तर पर सख्ती बरतने की तैयारी की जा रही है। स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया ने तमाम जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को भेजे गए निर्देश में कहा है कि मंगलवार से जो कर्मचारी अपने काम पर उपस्थित नहीं होते हैं, उनकी बर्खास्तगी की कार्रवाई की जाए। इसके साथ रिक्त होने वाले पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पूरी की जाए। उन्होंने भेजे गए आदेश में जिक्र किया है, शासन स्तर पर हुए फैसले के बाद भी वे कार्य पर नहीं आ रहे हैं। ऐसे कर्मचारियों की राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मानव संसाधन नीति-2018 के खंड 34.2 के अनुसार एक माह का नोटिस देते हुये सेवा समाप्ति की कार्रवाई करें तथा इससे होने वाली रिक्तियों पर नियमानुसार नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की जाए। इसके अलावा उनकी अनुपस्थिति सिविल सेवा आचरण अधिनियम के विपरीत है इसलिए सेवा में अनुपस्थिति की अवधि का वेतन का भुगतान भी किसी भी अधिकारी कर्मचारियों को नहीं किया जाए।

मांगों का किया गया समाधान: तमाम सीएमएचओ को जारी पत्र में बताया गया है कि संविदा कर्मचारियों के दुर्घटना अवकाश में प्रावधानित तीस दिन के अवैतनिक अवकाश को चिकित्सकीय आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए सवैतनिक अवकाश स्वीकृत किया गया है। वार्षिक कार्य मूल्यांकन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत के तहत सुनवाई का पर्याप्त अवसर दिए जाने के लिए समिति द्वारा राज्य, जिला एवं विकासखण्ड कर्मचारियों के लिए स्वीकारकर्ता एवं अपीलीय अधिकारी के संबंध में निर्देश जारी कर दिए गये हैं। संविदा कर्मचारियों को 5 प्रतिशत अतिरिक्त वेतन वृद्धि प्रदान किये जाने के लिए राज्य कार्यकारिणी समिति द्वारा सैद्धांतिक सहमति दी गई तथा निर्णय लिया गया कि वित्त विभाग, छत्तीसगढ़ शासन से सहमति प्राप्ति के बाद वेतन वृद्धि प्रदान की जाए। उन्हें स्वास्थ्य बीमा की सुविधा दिए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्णय भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की कार्यकारिणी समिति की बैठक में लिया गया। ग्रेड पे, अनुकंपा नियुक्ति इत्यादि जैसे मानव संसाधन नीति से जुड़े अन्य विषयों के सम्बन्ध में संयुक्त संचालक एनएचएम की अध्यक्षता में सात सदस्यीय राज्य स्तरीय समिति गठित की गयी है।

खबर संक्षेप

ओजोन परत सुरक्षा के लिए पोस्टर और इंवायरोथान स्पर्धा आज

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय ओजोन परत संरक्षण दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा जन-जागरूकता के लिए स्कूली एवं महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं की पोस्टर एवं इंवायरोथान प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह स्पर्धा नवीन विश्राम गृह सिविल लाइंस में 16 सितंबर को सुबह 10 बजे से किया जा रहा है। पोस्टर प्रतियोगिता का विषय जलवायु परिवर्तन के कारण और निदान 'अथवा' ओजोन परत संरक्षणः मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल रखा गया है। प्रतियोगिता तीन आयु वर्गों में आयोजित की जाएगी। प्रथम आयुवर्ग 12 से 17 वर्ष द्वितीय आयुवर्ग 18 से 22 वर्ष एवं तृतीय आयुवर्ग दिव्यांगजनों के लिए होगा। प्रतिभागियों को पोस्टर बनाने के लिए अपने साथ हार्डबोर्ड लेकर आना होगा। पुरस्कार वितरण समारोह एवं संगोष्ठी के मुख्य अतिथि वित्त मंत्री ओपी चौधरी होंगे।

विधायक से की मुलाकात सामाजिक भवन की मांग

रायपुर। राजपूत क्षत्रिय चौहान समाज के पदाधिकारियों सहित प्रदेशाध्यक्ष ठाकुर चंद्रशेखर सिंह चौहान ने सोमवार को विधायक अनुज शर्मा से मुलाकात की। साथ ही समाज के विस्तार और संगठन को मजबूती देने रायपुर के निकट बिरही में एक सामाजिक भवन के निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध कराने की मांग की। गौरतलब है कि राजपूत क्षत्रिय चौहान समाज का केंद्रीय पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह बेमेतरा के गांधी मैदान में उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इसी दौरान समाज के अध्यक्ष ठाकुर चंद्रशेखर सिंह चौहान ने बेमेतरा में एक सामाजिक भवन के निर्माण के लिए जमीन की मांग प्रमुखता से उठाई, जिस पर मुख्य अतिथि ने सकारात्मक आश्वासन दिया।

निबंध लेखन स्पर्धा : आवेदन की अंतिम तिथि 25 तक

रायपुर। हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचएनएलयू) अपनी कौटिल्य सोसाइटी एवं सेंटर फॉर डब्ल्यूटीओ एंड डब्ल्यूआईपीओ स्टडीज, स्कूल फॉर लॉ एंड टेक्नोलॉजी (एसएलटी) के माध्यम से और डीजीएस एसोसिएट्स लॉ फर्म के सहयोग से द्वितीय कौटिल्य सोसाइटी, एचएनएलयू निबंध लेखन प्रतियोगिता 2025 का आयोजन कर रहा है। छात्राओं के लिए आवेदन करने की अंतिम अतिथि 25 सितंबर तक है। इस प्रतियोगिता का मुख्य विषय "द जियोपॉलिटिकल टाइटरोपः इंडिया'ज ट्रेड पॉलिसीज एंड रेगुलेशन्स इन अ पोलराइज्ड वर्ल्ड" है। यह जानकारी फैकल्टी एडवाइजर डॉ. अंकित अवस्थी ने देते हुए बताया कि अधिक से अधिक जानकारी विश्वविद्यालय से संपर्क करते हैं।

महाराष्ट्र मंडल में दो दिवसीय गरबा वर्कशॉप 20 से

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल और रास डांस स्टूडियो की ओर से दो दिवसीय 20 से 21 सितंबर तक गरबा वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। दोनों दिन की वर्कशाप शाम 6 बजे से शुरू होगी। साथ ही वर्कशॉप मंडल द्वारा संचालित दिव्यांग बालिका विकास गृह के सहायतार्थ आयोजित है। महाराष्ट्र मंडल की युवा समिति की सहप्रमुख रीना बाबर ने बताया कि दो दिवसीय गरबा वर्कशॉप में प्रतिभागियों को दो ताली, तीन ताली, चौकड़ी और छकड़ी, रास गरबा, डांडिया सिखाया जाएगा। चार के ग्रुप में आने वाले प्रतिभागियों के लिए प्रोफेशनल वीडियो शूट की व्यवस्था भी की गई है।

निधन

सुरजीत नवदीप

रायपुर। कालटेक्स पेट्रोल पंप के पीछे बस्तर रोड निवासी प्रख्यात कवि सुरजीत नवदीप का 15 सितंबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा उनके निवास स्थान से 16 सितंबर को दोपहर 2 बजे मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे मनजीत सिंघ छाबड़ा के पिता और गुरुबक्श सिंघ छाबड़ा, हरमिंदर सिंघ छाबड़ा एवं रंजीत सिंघ छाबड़ा के बड़े भाई थे।

नवरात्रि में बंपर रजिस्ट्री की संभावना, पिछले वर्ष 24 करोड़ से अधिक की हुई थी आय, इस बार टूट सकता है रिकार्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शारदीय नवरात्रि में पिछले वर्ष की तरह इस बार भी बंपर रजिस्ट्री होने की संभावना है। नवरात्रि के दौरान रायपुर पंजीयन कार्यालय में रजिस्ट्री कराने वालों की भीड़ लगने की संभावना को देखते हुए तैयारियां भी शुरू हो गईं। आम दिनों में रायपुर पंजीयन कार्यालय में प्रतिदिन 100 से 150 के बीच रजिस्ट्री होती है, लेकिन नवरात्रि के दौरान मुहूर्त में रजिस्ट्री कराने वाली की संख्या डबल या उससे अधिक हो जाती है। इसे देखते हुए शारदीय नवरात्रि में स्लॉट की संख्या भी बढ़ाई जाएगी, ताकि हर किसी को रजिस्ट्री कराने के लिए ऑनलाइन अपॉइंटमेंट मिल सके।

अलग खबर

पंजीयन कार्यालय में प्रतिदिन 100 से 150 के बीच रजिस्ट्री

दो घंटे बढ़ाया जा सकता है स्लॉट टाइम

त्योहार में रजिस्ट्री कराने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए स्लॉट का समय भी बढ़ाया जा सकता है। पिछले वर्ष नवरात्रि के दौरान करीब दो घंटे का स्लॉट समय बढ़ाया गया था, जिससे शाम 5.30 बजे की जगह 7.30 बजे तक रजिस्ट्रियां हुई थी। यह व्यवस्था इस बार भी किया जा सकता है।

टूट सकता है पिछला रिकॉर्ड

विभाग से मिले आकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में शारदीय नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन औसतन 300 रजिस्ट्री हुई है, जिससे प्रतिदिन करीब साढ़े चार करोड़ रुपए की आय स्टाम्प ड्यूटी एवं पंजीयन फीस के रूप में हुई है। इस तरह नवरात्रि के दौरान 11 सौ से ज्यादा रजिस्ट्री से करीब 24 करोड़ रुपए से अधिक की आय हुई। हालांकि यह आय विभाग को नवरात्रि के 6 दिन में ही प्राप्त हुई थी, क्योंकि शेष 3 दिन सरकारी छुट्टी पड़ने के कारण पंजीयन कार्यालय ही नहीं खुला था। हालांकि विभागीय अधिकारी इस बार पिछले वर्ष से ज्यादा रजिस्ट्री तथा आय बढ़ने की उम्मीद जता रहे हैं। अगर यह अनुमान सही निकला तो पिछला रिकार्ड भी टूट सकता है।

सर्वर समस्या ने बढ़ाई परेशानी

पंजीयन कार्यालय में सोमवार को भी सर्वर की समस्या ने रजिस्ट्री कराने वालों को खासा परेशान किया। सुबह 10 बजे से रजिस्ट्री कराने वालों की कार्यालय के बाहर भीड़ लगनी शुरू हो गई थी, लेकिन सर्वर समस्या के कारण दोपहर 12 बजे तक एक भी रजिस्ट्री नहीं हो पाई। दुर्ग जिले की रहने वाली कंचन लालवानी ने बताया कि उसकी रजिस्ट्री शुक्रवार को होनी थी, लेकिन इस दिन सर्वर समस्या के कारण उसकी रजिस्ट्री नहीं हो पाई। उप पंजीयक ने दोबारा समय देते हुए आज सुबह 11 बजे का अपॉइंटमेंट दिया था, लेकिन वह आधे घंटे पहले ही कार्यालय पहुंच गई है।

थोक कपड़ा मार्केट पंडरी की 19 दुकानों के मुख्य सड़क की ओर फ्रंट के शटर को निगम ने किया था सील

100 दिन में महज 20 फीसदी रह गया कारोबार नगर निगम की सीलबंदी से व्यापारी त्रस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- शटर खोलने से ट्रैफिक जाम का दिया था हवाला
- 100 दिन बीते, दोबारा झांकने तक नहीं आया अमला

पंडरी थोक कपड़ा मार्केट की डेढ़ दर्जन से अधिक दुकानों के मुख्य मार्ग के शटर सीलबंद होने से भुक्तभोगी व्यापारियों की हालत खस्ता है। 100 दिनों में उनका कारोबार महज 20 फीसदी तक रह गया है। शटर सील होने के बाद दुकानों के सामने अब गाड़ियों की पार्किंग धड़ल्ले से होने लगी है। दोपहिया, तिपहिया और चारपहिया गाड़ियों की पार्किंग होने से लोगों का पैदल चलना मुश्किल हो गया है। बंद शटर वाले एरिया का उपयोग यूरिनल के रूप होने लगा है। इससे वहीं सीलबंद की कार्रवाई के बाद निगम और ट्रैफिक अमला ने दोबारा इस इलाके की सुध नहीं ली। इससे पंडरी कपड़ा मार्केट में ट्रैफिक जाम की समस्या जस की तस बनी हुई है। इससे आने वाले त्योहारी सीजन में व्यापारी के साथ खरीदारी के लिए यहां आने वालों लोगों की परेशानी बढ़ सकती है।

बंद शटर के सामने गाड़ियों की पार्किंग, शटर एरिया बना यूरिनल

एक रोड दो नियम : तरुण बजाज

पंडरी में दुकानों की सीलबंदी से प्रभावित व्यापारी तरुण बजाज का कहना है कि 100 दिनों से व्यापार व रोजगार बुरी तरह प्रभावित है। व्यापारी त्रस्त हैं, पहले की तुलना में केवल 20 फीसदी व्यापार बचा है। हम अपनी परेशानी को लेकर चैंबर गये, डिप्टी सीएम से लेकर महापौर, क्षेत्र के विधायक सहित जन प्रतिनिधियों को परेशानी बताई, पर ध्यान नहीं दे रहे। एक रोड में दो नियम चल रहा है। हमारे साथ भेदभाव हुआ है, ट्रैफिक जाम का ठीकरा हमारे उपर फोड़ा गया है। बिना नोटिस दिये 3 जून को निगम ने दुकानों के सामने वाला शटर सील कर दिया। इसके बाद भी ट्रैफिक यहां बेहाल है, जिसे देखने वाला कोई नहीं है। कागजात दिखाने के बाद भी नाइंसाफी हुई है।

बहुत बुरी स्थिति है : जितू मलघानी

100 दिन से व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पंडरी कपड़ा मार्केट के प्रभावित व्यापारी बहुत विकट स्थिति में हैं। शटर बंद होने से एक साइड जाम लग रहा है, मार्केट की खूबसूरती खराब हो गई है। दुकानों के शटर बंद होने से कुछ लोग यूरिनल के रूप में उपयोग करने लगे हैं। इससे रोड में बदबू आ रही है। प्रशासन से आग्रह है हमारी समस्या पर गंभीरता से विचार करे। सभी दुकानदार साथ हैं।

व्यापार खत्म हो रहा है : रितेश बैद

पंडरी कपड़ा मार्केट की डेढ़ दर्जन से ज्यादा दुकानों के शटर सील करने से व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। व्यापारी तंगहाली में हैं। इसके कारण स्टाफ को कम करने की नौबत आई है। हमने जगह-जगह अपनी परेशानी बताई, पर किसी ने नहीं सुनी। अब थक गए हैं। आगे की ओर की सारी दुकानें खुली हुई हैं। एक ही रोड है तो नियम भी एक होना चाहिये। चौक के अंदर मार्केट का ट्रैफिक आता है, तो क्या 19 दुकान वाले ट्रैफिक कंट्रोल के लिए जिम्मेदार हुये। पंडरी कपड़ा मार्केट में एक तरफ जहां पार्किंग की समस्या है, वहीं एक और नया मॉल ला रहे हैं।आने-जाने का रास्ता तो यही रहेगा फिर इससे ट्रैफिक बढ़ेगा या नहीं? ग्राउंड लेवल पर स्थिति को समझने की जरूरत है।

शिकायत लोगों ने की

पंडरी के 19 दुकानदारों के मुख्य मार्ग की तरफ खुले शटर को सीलबंद किया गया, क्योंकि सड़क यातायात बाधित होने की शिकायत लोगों ने की थी। निगम नियमत: कार्य करेगा। जरूरत पड़ने पर आगे सुगम आवागमन के लिए कार्रवाई की जाएगी।

मीनल चौबे, महापौर, नगर निगम रायपुर

निगम को हर महीने 3 से 4 लाख रुपये की कमाई

शहर में 4 जगहों पर ई व्हीकल के लिए चार्जिंग पाइंट की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी में ईको फ्रेंडली परिवहन को बढ़ावा देने नगर निगम ने शहर में 4 अलग-अलग स्थानों पर चारपहिया ई व्हीकल के लिए चार्जिंग सेंटर की सुविधा उपलब्ध कराई है। इसके लिए दिल्ली की एजेंसी जीवा के साथ अनुबंध किया गया है। अनुबंध की शर्त के अनुसार ई व्हीकल चार्जिंग के एवज में प्रति यूनिट 18 रुपये शुल्क लिया जाना तय है। इसमें से प्रति यूनिट 10 रुपये निगम का हिस्सा और कंपनी की जेब में 8 रुपये प्रति यूनिट की रकम पहुंच रही है। फिलहाल यह सुविधा फोर व्हीलर ई व्हीकल के लिए उपलब्ध है। 4 स्थानों पर संचालित ई व्हीकल चार्जिंग पाइंट से नगर निगम को प्रति माह औसतन 3 से 4 लाख रुपये की अतिरिक्त कमाई मिलने लगी है। पंद्रहवां वित्त आयोग से मिले 89 लाख रुपये की राशि से नगर निगम ने राजधानी के निगम मुख्यालय परिसर, भाठागांव स्थित इंटर स्टेट बस टर्मिनल परिसर, जयस्तंभ चौक के पास पुराना बस स्टैंड के मल्टीलेवल पार्किंग के सामने और और आमानाका बस टर्मिनल के पास चार चार्जिंग सेंटर खोले हैं। यहां कोई भी नागरिक अपने फोर व्हीलर ई व्हीकल लाकर निर्धारित शुल्क देकर चार्जिंग करा सकता है। इसके लिए उपभोक्ता को 18 रुपये प्रति यूनिट की दर से चार्जिंग शुल्क देय है। दिल्ली की एजेंसी जीवा के साथ नगर निगम ने इस कार्य के लिए अनुबंध किया है। अनुबंधित एजेंसी ने चिन्हांकित स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित किये गये हैं। इसका संचालन व संधारण कार्य अनुबंधित एजेंसी के जिम्मे है।

ई व्हीकल प्रमोट करने चार्जिंग स्टेशन

शहर में पर्यावरण संरक्षण और ईको फ्रेंडली सुगम यातायात को बढ़ावा देने ई व्हीकल को प्रमोट किया जा रहा है। शुरुआत में फोर व्हीलर ई व्हीकल के लिए अनुबंधित एजेंसी ने 4 अलग-अलग स्थानों पर चार्जिंग सेंटर शुरू किये हैं। रिस्पांच अच्छा मिलने पर आने वाले समय में दोपहिया और तिपहिया ई व्हीकल के लिए भी चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।

मीनल चौबे, महापौर, नगर निगम रायपुर

13 आईएफएस अधिकारियों का तबादला कई जिलों के सीसीएफ इधर से उधर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के 13 भारतीय वन सेवा अधिकारियों का तबादला आदेश जारी किया गया है। प्रशासनिक कसावट लाने के लिए किए गए इस फेरबदल में कई प्रमुख जिलों के मुख्य वन संरक्षकों की जिम्मेदारी बदल दी गई है। इस फेरबदल से कई जिलों में नए अधिकारियों को कार्यभार सौंपा गया है। बदलाव से विभागीय कार्यों की गति बढ़ेगी और पारदर्शिता आएगी। विभाग द्वारा जारी आदेश पर जिन अफसरों का तबादला किया गया है, उनमें राजेश कुमार चंदेले सदस्य सचिव, छत्तीसगढ़ राज्य जैव विविधता बोर्ड, नवा रायपुर को मुख्य वन संरक्षक (प्रादेशिक), कांकेर एवं प्रभारी मुख्य वन संरक्षक, कार्ययोजना मंडल, कांकेर के पद पर पदस्थ किया गया है। एस. वेंकटाचलम मुख्य वन संरक्षक (वन मिशन) एवं प्रमुख मुख्य वन संरक्षक, अरण्य भवन, नवा रायपुर को मुख्य वन संरक्षक (व्यवस्थापन) एवं संचालक, गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व अंबिकापुर के साथ ही प्रभारी मुख्य वन संरक्षक (एलिफेंट), सरगुजा का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। डॉ. के. मैचियो दुर्ग वृत्त को मुख्य वन संरक्षक (परियोजना प्रबंधन, निगरानी एवं मूल्यांकन), नवा रायपुर पदस्थ किया गया है।

कार्यभार तुरंत संभालने के निर्देश

बता दें कि वन विभाग ने सभी अधिकारियों को उनके नए प्रभार का कार्यभार तुरंत संभालने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, स्थानीय अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ समन्वय स्थापित कर योजनाओं को सुचारू रूप से लागू करने का भी निर्देश जारी किया गया है।

इन जिलों में अफसर बदले गए

माथेश्वरन व्ही. सरगुजा को मुख्य वन संरक्षक (जैव विविधता संरक्षण) नवा रायपुर, एम. मर्सीबेला क्षेत्रीय महाप्रबंधक, राज्य वन विकास निगम, नवा रायपुर को मुख्य वन संरक्षक, दुर्ग के पद पर पदस्थ किया गया है। मनोज कुमार पांडेय क्षेत्रीय महाप्रबंधक, वन विकास निगम, बिलासपुर को मुख्य वन संरक्षक, बिलासपुर, आलोक कुमार तिवारी अरण्य भवन, नवा रायपुर को प्रभारी मुख्य वन संरक्षक, जगदलपुर, अमिताभ बाजपेयी, सचिवालय को मुख्य वन संरक्षक (समन्वय), नवा रायपुर की जिम्मेदारी मिली है। रमेश चन्द्र दुग्गा जगदलपुर को मुख्य वन संरक्षक (पारिस्थितिकी पर्यटन), नवा रायपुर, दिलराज प्रभाकर कांकेर से प्रभारी मुख्य वन संरक्षक सरगुजा, अभिषेक कुमार सिंह नवा रायपुर से प्रभारी मुख्य वन संरक्षक, वन्यप्राणी एवं क्षेत्र निदेशक, अचानकमार रिजर्व, बिलासपुर, स्टायलो मंडवी इंद्रावती टाइगर रिजर्व से प्रभारी मुख्य वन संरक्षक, कार्ययोजना मंडल, जगदलपुर के पद पर पदस्थ किया गया है।

सीसीएफ बनाए गए हैं मनिगावसन

रायपुर के सीसीएफ (मुख्य वन संरक्षक) मनिगावसन बनाए गए हैं, जो राज्य के वन्य क्षेत्रों के समग्र संरक्षण और निगरानी के लिए जिम्मेदार होंगे। अधिकारी पदों में यह बदलाव वन विभाग की कार्यकुशलता बढ़ाने, जंगलों और वन्य जीवों की सुरक्षा में सुधार लाने, और क्षेत्रीय वन संरक्षण योजनाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से किया गया है।

वर्सी महोत्सव में देशभर से जुटेंगे संत-महात्मा और श्रद्धालु

रायपुर। देवपुरी स्थित गोदड़ीवाला धाम में तीन दिवसीय 26 से 28 सितंबर तक संत बाबा हरदासराम साहिब का 34वां वर्सी महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। यह कार्यक्रम संत बाबा गेलाराम साहिब के आशीर्वाद एव जलगांव साहिब के महंत

देवीदास एवं देवपुरी दरबार की महंत मीरा देवी के सानिध्य में होगा। कार्यक्रम की तैयारी जोरों पर है। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य संबधित निशुल्क सिंधु डॉक्टर फोरम द्वारा विशाल शिविर का आयोजन किया जाएगा। तीन दिवसीय कार्यक्रम में हवन, झंडावंदन, सांई झूलेलाल का बहराणा साहिब, अखंड पाठ साहिब, अखंड धुनि साहिब, सत्संग सिमरन, अखंड भंडारा कार्यक्रम होगा। यह जानकारी दरबार के सेवादार इंद्रलाल सचदेव, हरि इसरानी, अमर गिदवानी, सतीश थौरानी, पवन प्रीतवानी, महेश हरजानी ने देते हुए बताया कि कथावाचक वृंदावन वाले डॉ. मनमोहन कृष्ण होंगे। साथ ही भजन गायक लता भगतानी, हितेश-रोशनी, विनोद चावला, बाबा बालक मंडली जलगांव साहिब, गोदड़ीवाला धाम रायपुर युवा मंडली एव महिला मंडल गोदड़ीवाला धाम तथा भाटापारा द्वारा भजन-कीर्तन का गायन एवं गोदड़ीवाल प्राथमिक पाठशाला देवपुरी द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी।

ये संत-महात्मा आएंगे

उन्होंने बताया कि संगत को आशीर्वाद देने संत राजेश कुमार, सांई युधिष्ठिर लाल, सांई चन्द्रूराम साहिब, सांई मनीतराम, सांई अर्जुन दास साहिब, सांई नितिन कुमार, सांई कमल कुमार, सांई लालदास एव छत्तीसगढ़ साधु-समाज के सांई राजकुमार, सांई कृष्ण कुमार, सांई बलराम दास, सांई सुदामा लाल उदासी, सांई रामचंद्र वाधवा, स्वामी हरिगिरी महराज, सांई चोईथराम साहेब व अन्य दरबार धमतरी विशेष रूप से शामिल होंगे।

पायलट 8 जिलों में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान में लेंगे हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट तीन दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। उनके दौरे के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता फिर सक्रिय हो गए हैं। वे यहां 8 जिलों में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' कार्यक्रम में शामिल होंगे। 16 सितंबर को शाम 4 बजे झारसुगुड़ा एयरपोर्ट से रायगढ़ पहुंचेंगे। रायगढ़ में 'वोट चोर, गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान एवं पदयात्रा' में शामिल होंगे। शाम 5.30 बजे रायगढ़ से कोरबा के लिये रवाना होंगे। रात्रि 7.30 बजे कोरबा में 'वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली एवं हस्ताक्षर अभियान' में शामिल होंगे।

एआईसीसी महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट 17 सितंबर को सुबह 10 बजे कोरबा से रतनपुर जिला बिलासपुर के लिये रवाना होंगे। 11.30 बजे रतनपुर में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। दोपहर 12 बजे रतनपुर से तखतपुर के लिये रवाना होंगे। दोपहर 12.30 बजे तखतपुर जिला बिलासपुर में 'वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली' में शामिल होंगे। दोपहर 2 बजे तखतपुर से मुंगेली के लिये रवाना होंगे। दोपहर 2.30 बजे मुंगेली पहुंचकर 'वोट चोर गद्दी छोड़ रैली एवं पदयात्रा' में शामिल होंगे। शाम 4 बजे मुंगेली से बेमेतरा के लिये रवाना होंगे। शाम 4.30 बजे बेमेतरा पहुंचकर 'वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली' में शामिल होंगे। शाम 6 बजे बेमेतरा से राजनांदगांव के लिये रवाना होंगे। रात्रि 8 बजे राजनांदगांव पहुंचेंगे।

तीसरे दिन दुर्ग, राजनांदगांव में रहेंगे

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट 18 सितंबर को सुबह 11 बजे राजनांदगांव में 'वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली एवं पदयात्रा' में शामिल होंगे। दोपहर 12 बजे राजनांदगांव से दुर्ग के लिये रवाना होंगे। दोपहर 12.30 बजे दुर्ग पहुंचकर 'वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली' में शामिल होंगे। दोपहर 2.30 बजे दुर्ग से भिलाई के लिये रवाना होंगे। दोपहर 2.45 बजे भिलाई पहुंचकर 'वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली एवं पदयात्रा' में शामिल होंगे।

जिलों में कार्यकर्ताओं में भरेंगे जोश

बताया गया है कि कांग्रेस के अभियान के दौरान प्रदेश प्रभारी जिलों के कार्यकर्ताओं से सीधे रूबरू होंगे। पीसीसी के कार्य और उनके जिलों में चल रही राजनीतिक गतिविधियों की जानकारी लेंगे। वहां पर ब्लॉक कमेटियों के कार्यों पर चर्चा करेंगे। हाल ही में पार्टी में अंतर्कलह को लेकर एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाए गए थे।

पेज 11 के शेष

हेलमेट पर फंसे ...

एसोसिएशन के पदाधिकारियों से पूछा गया कि हेलमेट बिना पेट्रोल नहीं देने का अभियान का प्रतिशत कितना रहा। कौन-कौन से पेट्रोल पंप में कितने वाहन चालकों को बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं दिया गया। एसोएशिन की ओर से बताया गया कि इस अभियान का मिला-जुला असर रहा है। कई पेट्रोल पंप में बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं दिया जा रहा है, लेकिन कई पेट्रोल पंप में वाहन चालक एवं पंप कर्मियों के बीच विवाद की स्थिति भी बन रही है। इसके कारण बिना हेलमेट ही पेट्रोल देना पड़ रहा है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने यह भी बताया कि शहर की जनता हेलमेट पहनना नहीं चाहती है, इसलिए मुश्किल से 20 प्रतिशत लोग ही हेलमेट पहन रहे हैं।

डर्टी न्यूड पार्टी ...

मध्यप्रदेश से गिरफ्तार युवक को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर दो दिनों की पूछताछ करने रिमांड पर लिया है। पुलिस ने तय समय से ज्यादा समय तक रविवार देर रात 15 स्थानों में छापे की कार्रवाई की है। इस दौरान एक क्लब संचालक की पुलिस के साथ झूमाझटकी हुई है। पुलिस ने आदर्श अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। आदर्श के कब्जे से पुलिस ने एक आईफोन जब्त किया है। आदर्श पेशे से कारोबारी परिवार से जुड़ा है। उसके पिता की बिजूरी में इलेक्ट्रॉनिक्स की शॉप है। आदर्श अग्रवाल ने 13 सितंबर को इंस्टाग्राम पेज में में न्यूड पार्टी आयोजित करने पोस्टर जारी किया था। पोस्टर जारी होने के बाद हंगामा हो गया। पुलिस की साइबर सेल की टीम इंस्टाग्राम आईडी की जांच कर आदर्श का मोइल नंबर निकालकर उसका लोकेशन ट्रेस कर गिरफ्तार किया है। न्यूड पार्टी के लिए जो पोस्टर जारी किया गया था, उसमें पार्टी करने की तारीख तथा जगह का उल्लेख नहीं किया गया है। पुलिस पूछताछ में स्पष्ट हो पाएगा कि आदर्श तथा उसके अन्य साथी क्या रायपुर में न्यूड पार्टी करने वाले थे। करने वाले थे तो उन लोगों द्वारा स्थानीय स्तर पर किनसे मदद ली जा रही थी। पार्टी कहां और कब आयोजित होने वाली थी। पूछताछ के बाद इन बातों का खुलासा हो पाएगा।

पुलिस के साथ...

झूमाझटकी की। झूमा झटकी करने के आरोप में पुलिस ने हरजीत सिंह चावला तथा एक अन्य को गिरफ्तार किया है। इसी तरह से एक अन्य क्लब में पुलिस पति के साथ खाना खाना गई एक महिला के साथ छेड़खानी करने की घटना सामने आई है। जिस महिला के साथ छेड़खानी हुई है, उनके द्वारा अब तक थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

एनएचएम के संविदा ...

18 अगस्त से हड़ताल पर बैठे हैं, जिसकी वजह से प्रदेश की स्वास्थ्य सेवा चरमरा गई है। हड़ताल के विपरीत असर को देखते हुए शासन स्तर पर सख्ती बरतने की तैयारी की जा रही है। स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया ने तमाम जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को भेजे गए निर्देश में कहा है कि मंगलवार से जो कर्मचारी अपने काम पर उपस्थित नहीं होते हैं, उनकी बर्खास्तगी की कार्रवाई की जाए। इसके साथ रिक्त होने वाले पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पूरी की जाए। उन्होंने भेजे गए आदेश में जिक्र किया है, शासन स्तर पर हुए फैसले के बाद भी वे कार्य पर नहीं आ रहे हैं। ऐसे कर्मचारियों की राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मानव संसाधन नीति-2018 के खंड 34.2 के अनुसार एक माह का नोटिस देते हुये सेवा समाप्ति की कार्रवाई करें तथा इससे होने वाली रिक्तियों पर नियमानुसार नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की जाए। इसके अलावा उनकी अनुपस्थिति सिविल सेवा आचरण अधिनियम के विपरीत है इसलिए सेवा में अनुपस्थिति की अवधि का वेतन का भुगतान भी किसी भी अधिकारी कर्मचारियों को नहीं किया जाए।

मांगों का किया गया समाधान-तमाम सीएमएचओ को जारी पत्र में बताया गया है कि संविदा कर्मचारियों के दुर्घटना अवकाश में प्रावधानित तीस दिन के अवैतनिक अवकाश को चिकित्सकीय आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए सवैतनिक अवकाश स्वीकृत किया गया है। वार्षिक कार्य मूल्यांकन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत के तहत सुनवाई का पर्याप्त अवसर दिए जाने के लिए समिति द्वारा राज्य, जिला एवं विकासखण्ड कर्मचारियों के लिए स्वीकारकर्ता एवं अपीलीय अधिकारी के संबंध में निर्देश जारी कर दिए गये हैं। संविदा कर्मचारियों को 5 प्रतिशत अतिरिक्त वेतन वृद्धि प्रदान किये जाने के लिए राज्य कार्यकारिणी समिति द्वारा सैद्धांतिक सहमति दी गई तथा निर्णय लिया गया कि वित्त विभाग, छत्तीसगढ़ शासन से सहमति प्राप्ति के बाद वेतन वृद्धि प्रदान की जाए। उन्हें स्वास्थ्य बीमा की सुविधा दिए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्णय भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की कार्यकारिणी समिति की बैठक में लिया गया। ग्रेड पे, अनुकंपा नियुक्ति इत्यादि जैसे मानव संसाधन नीति से जुड़े अन्य विषयों के सम्बन्ध में संयुक्त संचालक एनएचएम की अध्यक्षता में सात सदस्यीय राज्य स्तरीय समिति गठित की गयी है।

आत्मानंद में प्राचार्य पद पर दी जाएगी पदोन्नति, लेकिन व्याख्याता पद पर नहीं!

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- प्रतिनियुक्ति व संविदा भर्ती के माध्यम से भरे जा रहे व्याख्याता पद

स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में पदोन्नति के लिए उपलब्ध पदों को लेकर विरोध की स्थिति उत्पन्न हो गई है। प्रदेशभर के स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में प्राचार्यों के रिक्त पदों पर भी पदोन्नति के माध्यम से भर्ती की जा रही है, लेकिन व्याख्याता पद पर पदोन्नति नहीं दी जा रही है।

वर्तमान में प्रक्रियाधीन व्याख्याता टी संवर्ग पदोन्नति की काउंसिलिंग में सभी जिलों में सभी विषयों में व्याख्याता के पद रिक्त होने के बावजूद आत्मानंद शालाओं के रिक्त पदों को शामिल नहीं किया गया है, जबकि प्राचार्य टी संवर्ग की पदोन्नति तथा सहायक शिक्षक विज्ञान प्रयोगशाला सीधी भर्ती में आत्मानंद शालाओं के रिक्त पदों को शामिल किया गया है। शिक्षकों का कहना है कि आत्मानंद स्कूलों के सभी रिक्त पदों को पदोन्नति के लिए उपलब्ध कराने की स्थिति में यहां अध्यापन बेहतर तरीके से हो सकेगा। इसके अलावा शिक्षकों को भी पदोन्नति के लिए अधिक पद मिल सकेंगे।

पदस्थापना का विकल्प नहीं

आत्मानंद शालाओं के रिक्त पदों को पदोन्नति काउंसिलिंग में शामिल नहीं करने के कारण छोटे जिलों में कुछ विषयों में व्याख्याताओं को पदोन्नति का विकल्प ही नहीं मिल रहा है। अन्य जिलों में भी कम विकल्प मिल रहे हैं। आत्मानंद शालाओं में इन पदों पर प्रतिनियुक्ति, संविदा भर्ती तथा अतिथि शिक्षकों की पदस्थापना की जा रही है। शालेय शिक्षक संघ द्वारा इस संदर्भ में शिक्षामंत्री व शिक्षा सचिव को पत्र भी लिखा गया है। शिक्षक संघ का कहना है, स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में व्याख्याताओं के रिक्त पद पदोन्नति से भरे जाने के स्थान पर प्रतिनियुक्ति, संविदा भर्ती तथा अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है। उक्त प्रक्रिया में लेन-देन और शिक्षकों का भयादोहन जिला स्तर पर किए जाने की शिकायतें प्राप्त हो रही है।

खबर संक्षेप

शहर के विकास में अभियंताओं की महत्वपूर्ण भूमिका : मीनल

रायपुर। महापौर मीनल चौबे ने कहा है कि रायपुर शहर के विकास में सभी विभागों के अभियंताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। शहर को राजधानी के अनुरूप साफ-सुथरा और हरित शहर के रूप में विकसित करने आगे आयें। नगर निगम संस्कृति विभाग और जोन 4 के सहयोग से संयुक्त अभियंता आयोजन समिति के कार्यक्रम में उन्होंने ये बातें कही। सिविल लाइन के लोक निर्माण विभाग चौक स्थित भारत रत्न मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैय्या की जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष अमर गिदवानी, छत्तीसगढ़ विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष हेमंत वर्मा, वरिष्ठ अभियंता चंद्रकांत पिल्लीवार, पीएचई के मुख्य प्रमुख अभियंता ओंकेश चंद्रवंशी आदि उपस्थित रहे।

दुकानों के सामने नाली में बने अवैध पाटे तोड़े

रायपुर। नगर निगम जोन 2 क्षेत्र स्थित शहीद हेमू कॉलोनी वार्ड में नाली सफाई कार्य में बाधक बन रहे अवैध पाटों को निगम अमले ने तोड़कर सफाई व्यवस्था सुगम की। वार्ड पार्षद कृतिका जैन और पार्षद प्रतिनिधि सुमन दास द्वारा गंदे पानी की सुगम निकासी पर जोर देते हुए सोमवार को नाली सफाई का कार्य प्रमुखता से करवाया गया। एक्शन मोड पर यह काम पंडरी सिटी सेंटर मॉल के सामने बनी दुकानों के सामने नाली के उपर अवैध रूप से निर्मित पाटा को जेसीबी मशीन से तोड़कर किया गया।

जेएन मेडिकल कालेज की 27 सहित एमबीबीएस-बीडीएस की 938 सीटें बाकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय की 27 सीटों सहित एमबीबीएस-बीडीएस की 938 सीटों को दूसरे राउंड की काउंसिलिंग में शामिल किया जाएगा। इसके लिए पंजीयन और संस्था चयन की प्रक्रिया अगले तीन दिन तक पूरी की जाएगी। राज्य में इस बार सभी कोटा मिलाकर 14 मेडिकल कालेजों में 2180 सीटों पर एडमिशन पूरा होगा।

एनएमसी द्वारा एक निजी कालेज में जीरो ईयर घोषित किए जाने की वजह से काउंसिलिंग के पहले राउंड तक 150 सीटों का नुकसान एमबीबीएस की पढ़ाई वाले विद्यार्थियों को हो रहा था, मगर दूसरे राउंड के लिए तीन कालेजों में 2 सौ सीटों की बढ़ोतरी से उस नुकसान की भरपाई हो गई है। इस बार राज्य में दस शासकीय और चार निजी कालेज मिलाकर एमबीबीएस का 2180 सीटों पर एडमिशन पूरा किया जाएगा। चिकित्सा शिक्षा विभाग अभी राज्य, प्रबंधन और एनआरआई कोटे की सीटों पर एडमिशन के लिए काउंसिलिंग करवा रहा है। दूसरे राउंड में प्रवेश के लिए 17 तक पंजीयन और 18 तक संस्था चयन का मौका विद्यार्थियों को दिया गया है।

दूसरे राउंड में एमबीबीएस की करीब 439 और बीडीएस की 5 सौ से अधिक सीटों को शामिल किया गया है। इसमें रायपुर के शासकीय मेडिकल कालेज सहित दस शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में 68 सीट बाकी है। इसी तरह शासकीय डेंटल कालेज में 37 सीट खाली है और छह निजी दंत चिकित्सालय में सीटों की संख्या ज्यादा है।

तीन निजी कालेजों में 2 सौ सीट बढ़ी, इस बार 2180 सीटों पर एडमिशन

एनआरआई कोटे की 78 सीट

निजी कालेजों में एमबीबीएस की सीट बढ़ने का फायदा राज्य, प्रबंधन के साथ एनआरआई कोटे से प्रवेश लेने वालों की भी हुआ है। अप्रवासी भारतीय के लिए निर्धारित कोटे की 78 सीटों पर दूसरे राउंड में एडमिशन दिया जाएगा। शासन द्वारा बनाए गए नियम के अनुसार काउंसिलिंग के दौरान एनआरआई की सीटें खाली रहती हैं, तो उसमें एडमिशन के लिए स्थानीय छात्रों को प्राथमिकता दी जाएगी।

नया शेड्यूल का इंतजार

एमसीसी द्वारा काउंसिलिंग को लेकर अभी तक नया शेड्यूल जारी नहीं किया गया है। राज्य में भी उसके द्वारा जारी समय-सारिणी के आधार पर चिकित्सा शिक्षा विभाग दूसरे राउंड के बाद मॉपअप और खाली सीट के आधार पर अन्य दौर की काउंसिलिंग कराया जाएगा। आने वाले दिनों में एमडी-एमएस की सीटों पर भी प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी, क्योंकि उनका भी नीट परिणाम घोषित किया जा चुका है।

बैठक में सख्ती, सड़क पर छूट

गणेश में डीजे न बजाने का फरमान बेअसर, अब नवरात्रि के लिए जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गणेश उत्सव के दौरान डीजे संचालकों ने हाईकोर्ट-सुप्रीम कोर्ट के आदेश के साथ जिला एवं पुलिस प्रशासन के आदेश की जमकर धज्जियां उड़ाई थीं। डीजे के इस्तेमाल पर प्रशासन ने पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया था।

इस आदेश का पालन कराने के लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन के अफसरों ने संयुक्त रूप से डीजे संचालकों की बैठक में कड़े निर्देश भी दिए थे। इसके बाद भी डीजे संचालकों ने बेखौफ तथा प्रशासन के आदेश का मखौल उड़ाते हुए गणेश मूर्ति स्थापना से लेकर गणेश विसर्जन झांकी के दिन भी जमकर डीजे बजाया। इसके बाद भी डीजे संचालकों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई। इधर प्रशासन ने ऐसा ही एक और आदेश शारदीय नवरात्रि के लिए जारी किया है, जिसमें डीजे पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया है। देखना यह होगा कि नवरात्रि में इस आदेश का डीजे संचालक कितना पालन करते हैं।

अनुमति लेना अनिवार्य

बैठक में एएसपी पोर्ते ने कहा कि आयोजन के लिए नगर निगम से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। आयोजन से कम से कम सात दिन पूर्व संबंधित जोन कार्यालय में आवेदन जमा करना होगा। साथ ही बिजली विभाग, अग्निशमन विभाग एवं संबंधित थाना प्रभारी से भी अनुमति लेकर सूचना देना आवश्यक होगा।

सड़क पर पंडाल के नियम का भी पालन नहीं

बैठक में अफसरों ने दुर्गा प्रतिमा के लिए पंडाल सड़क से करीब 50 से 100 मीटर दूर लगाने के निर्देश के साथ पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश भी समितियों को दिए गए हैं। ये निर्देश गणेश उत्सव के दौरान भी दिए गए थे, लेकिन शहर में समितियों ने इन नियमों का भी पालन नहीं किया था।

बैठक में सख्ती, सड़क पर छूट

नवरात्रि एवं गरबा उत्सव को लेकर कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी गौरव सिंह के मार्गदर्शन में सोमवार को कलेक्टोरेट स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में प्रशासन की ओर से दुर्गोत्सव समितियों की बैठक बुलाई गई थी। एडीएम उमाशंकर बंदे की अध्यक्षता में हुई बैठक में एएसपी दौलत राम पोर्ते भी मौजूद रहे। बैठक में दुर्गा समितियों को जानकारी दी गई कि डीजे पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है। इसके बाद भी डीजे बजा, तो उसके संचालक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसकी जानकारी दी गई। यह आदेश गणेश उत्सव के दौरान भी दिए गए थे, लेकिन डीजे संचालकों ने इस आदेश को नहीं माना और मनमाने रूप से निर्धारित डेसिबल से ज्यादा आवाज के साथ देर रात तक डीजे बजाते रहे। यहां तक कि गणेश विसर्जन झांकियों में भी डीजे जमकर बजाए गए। इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई।

गरबा में अश्लील संगीत बजाने पर प्रतिबंध

बैठक में गरबा को लेकर भी निर्देश दिए गए है। समितियों से कहा गया है कि गरबा आयोजन में ऐसे संगीत या गाने ना बजाएं जिससे किसी की धार्मिक भावना को ठेस पहुंचे। इसकी शिकायत आने पर आयोजन समिति के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में एएसपी डॉ. प्रशांत शुक्ला, एसडीएम नंदकुमार चौबे, सीएसपी इशू अग्रवाल (आईपीएस) सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

देशभर के व्यापारिक संगठनों की नागपुर में राष्ट्रीय बैठक

- छत्तीसगढ़ के व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल हुआ शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नागपुर में देशभर के व्यापारिक संगठनों की राष्ट्रीय बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में देशभर के शीर्ष व्याापारी नेता शामिल हुये। छत्तीगसढ़ से व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल बैठक में शामिल हुआ। इस मौके पर वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी अभियान सहित व्यापारिक मुद्दों पर अहम चर्चा की गयी।

- बैठक में लोकल फॉर वोकल, स्वदेशी अभियान पर जोर

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड भारत सरकार के सदस्य अमर पारवानी, प्रदेश चेयरमैन विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि कैट छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधिमंडल नागपुर में आयोजित बैठक में शामिल हुआ। देशभर के व्यापारियों की राष्ट्रीय बैठक में जीएसटी में हुए ऐतिहासिक बदलाव,

वोकल फॉर लोकल तथा व्यापारियों से जुड़े अन्य अहम मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने कहा कि भारत के छोटे व्यापारी ही असली राष्ट्रनिर्माता हैं, जो देश के हर कोने तक वस्तुएं पहुंचाते हैं। आत्मनिर्भर भारत का वास्तविक स्वरूप तभी साकार होगा जब वर्ष 2047 तक भारत पूरी तरह स्वदेशी को अपनाएगा। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, आज आवश्यकता इस बात की है कि छोटे व्यापारियों को सशक्त किया जाए।

छात्रों ने घेरा आबकारी विभाग, कहा- बंद करें अश्लील क्लब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहर में हाल ही में सामने आए न्यूड व स्ट्रेंजर पार्टी जैसे आपत्तिजनक और अश्लील आयोजनों को लेकर छात्र संगठनों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इन आयोजनों में हाइपर क्लब की संलिप्तता स्पष्ट रूप से सामने आने के बाद एनएसयूआई ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए उक्त क्लब का लाइसेंस स्थायी रूप से तत्काल रद्द करने की मांग की है।

प्रदर्शन करने आए छात्रों ने कहा, संगठन ने पूर्व में भी हाइपर

क्लब का विरोध किया था। उस दौरान क्लब के वन डे लाइसेंस को 25 दिनों के लिए रद्द कराया था। इसके बावजूद आबकारी विभाग ने इस क्लब को स्थायी लाइसेंस जारी कर दिया, जो न केवल दुर्भाग्यजनक है, बल्कि प्रशासन की गंभीर लापरवाही और मिलीभगत की ओर भी इशारा करता है।

जांची जाए आबकारी अधिकारियों की भूमिका

छात्रों ने मांग करते हुए कहा, क्लब संचालकों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। आबकारी विभाग के उन अधिकारियों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए जिन्होंने नियमों की अनदेखी कर इस तरह के विवादास्पद क्लब को संरक्षण प्रदान किया। रायपुर जैसे सांस्कृतिक शहर में इस प्रकार के अश्लील आयोजनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए और निगरानी तंत्र को और अधिक सख्त और सक्रिय बनाया जाए। प्रदर्शन में जिला महासचिव

बिजनेस साइट

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में धूमधाम से मनाया इंजीनियर दिवस

रायपुर। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में 15 सितंबर को इंजीनियर दिवस बड़े उत्साह से मनाया गया। कार्यक्रम का विषय 'डीप टेक एंड इंजीनियरिंग एक्सीलेंसः ड्राइविंग इंडियाज टेकेड' था। मुख्य अतिथि डॉ. जेके उपाध्याय, जितेंद्र शुक्ला और प्रो. एबी सोनी रहे। अतिथियों द्वारा सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि दी गई। साईराम प्रेक्षागृह में रंगोली, पोस्टर, इंजीनियरिंग मॉडल्स से सुसज्जित कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। कुलसचिव डॉ. सौरभ शर्मा और कुलपति (प्रभारी) प्रो. बिराली ने छात्रों को प्रेरित किया। प्रो. सोनी ने एआई और मशीन लर्निंग के महत्व पर जोर दिया, वहीं श्री शुक्ला ने नवाचार और सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। मॉडल, पोस्टर और रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सॉफ्टवेयर श्रेणी में दिलीबोदी शर्मा, वर्किंग मॉडल में हरिकेश वर्मा प्रथम रहे। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। आयोजन यांत्रिक विभाग के तरुण सोनवानी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने ऋण सुरक्षा बीमा का किया भुगतान

रायपुर। बैंक ऑफ बड़ौदा तिल्दा शाखा द्वारा दिवंगत पंकज सलूजा को प्रदान किए गए ऋण की बीमा राशि उनके पिता दारासिंह सलूजा को प्रदान की। बैंक ने निवा बुपा हेल्थ इंश्योरेंस के माध्यम से बीमा कराया था। पंकज सलूजा के आकस्मिक निधन (हृदयघात) के बाद कंपनी ने 89,96,411 रुपए की राशि का दावा स्वीकृत किया। यह चेक रायपुर अंचल के उप महाप्रबंधक भरतकुमार चावड़ा, क्षेत्रीय प्रमुख प्रदीप कुमार यादव एवं निवा बुपा के अधिकारी चैन सिंह विश्वकर्मा द्वारा दारासिंह सलूजा को सौंपा गया। श्री चावड़ा ने कहा कि हर ऋण के साथ बीमा आवश्यक है, ताकि आपातकाल में ग्राहक का परिवार आर्थिक रूप से सुरक्षित रह सके। इस अवसर पर बैंक और इंश्योरेंस कंपनी के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। दारासिंह सलूजा ने बैंक के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया।

विकसित भारत के निर्माण में इंजीनियर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : डॉ. टी. रामाराव

रायपुर। आंजनेय यूनिवर्सिटी में इंजीनियर्स डे के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। वाइस चांसलर डॉ. टी. रामाराव ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में इंजीनियर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। डायरेक्टर जनरल डॉ. बीसी जैन ने इंजीनियर्स को समस्याओं का समाधानकर्ता बताया, जो बुनियादी ढांचे से लेकर चिकित्सा उपकरणों तक समाज की जरूरतों को पूरा करते हैं। प्रो-वाइस चांसलर डॉ. सुमित श्रीवास्तव ने कहा कि इंजीनियर्स में तकनीकी दक्षता के साथ-साथ सामाजिक चेतना और नवाचार की भावना भी जरूरी है। इस अवसर पर छात्रों ने टिकाऊ तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में हो रहे शोध पर चर्चा की। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा 'विदेश में पढ़ाई के अवसर' विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विशेषज्ञ अभिषेक नखट ने अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा, छात्रवृत्ति और वीजा प्रक्रिया की जानकारी दी। कार्यक्रम में डीन, प्राध्यापक और छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मैट्स यूनिवर्सिटी में तकनीकी प्रोजेक्ट्स, पौधरोपण और इंटरएक्टिव सेशन्स का संगम

रायपुर। मैट्स स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एवं इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में इंजीनियर्स डे को उत्साहपूर्वक मनाया गया। यह आयोजन भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को समर्पित था। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा ग्रीन एनर्जी, सस्टेनेबल सॉल्यूशन्स और नवीन तकनीकी प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए गए। मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ सरकार के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब रहे, जिन्होंने विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र होने पर गर्व जताते हुए तकनीकी क्षेत्र में राज्य सरकार की योजनाएं साझा कीं। उन्होंने छात्रों को नवाचार व उद्यमिता के लिए प्रेरित किया। कुलपति गजराज पगारिया ने इंजीनियरों को आधुनिक समाज का निर्माता बताया। कार्यक्रम में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण भी किया गया। समापन इंटरएक्टिव सत्र व डॉ. बृजेश पटेल के आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। विश्वविद्यालय ने आत्मनिर्भर भारत हेतु सक्षम अभियंता तैयार करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

गलत क्लेम से भुगतान में होती है देर, ईमानदार अस्पताल भी होते हैं प्रभावितः कटारिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आयुष्मान योजना में किए जाने वाले गलत क्लेम की वजह से अस्पतालों को भुगतान में देर होती है। इससे दुविधा की शुरुआत होती है और ईमानदारी से काम करने अस्पताल भी प्रभावित होते हैं। स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया ने कहा कि आयुष्मान योजना गरीब और मध्य वर्ग के लिए सहायक है, इससे उन्हें इलाज के लिए अस्पताल चुनाव का विकल्प मिलता है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत आज सोमवार को न्यू सर्किट हाउस, सिविल लाइन रायपुर में स्टेकहोल्डर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि गलत क्लेम करने से एक दुविधा की शुरुआत हो जाती है। इससे योजना की छवि धूमिल होती है और जनता व अस्पताल का विश्वास डगमगाता है। इसका सबसे बड़ा नुकसान गरीब और वंचित परिवार को उठाना पड़ता है, जिनके लिए यह योजना जीवनरेखा है। उन्होंने अस्पताल संचालकों से कहा कि योजना में अस्पतालों का सही पंजीयन किया जाये और समय-समय पर उनका निरीक्षण किया जाये।

छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा फ्राड : *कार्यशाला में बताया गया कि योजनांतर्गत जनवरी 2025 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में आयोजित बैठक में जानकारी दी गई थी कि छत्तीसगढ़ में देश में सबसे अधिक फ्रॉड क्लेम पाए गए हैं। ऐसे अस्पतालों की संख्या के मामले में छत्तीसगढ़ चौथे स्थान पर है। वर्कशॉप में अस्पतालों को जानकारी दी गई कि ट्रिगर क्लेम को कैसे कम किया जा सकता है ताकी भविष्य में भी क्लेम ट्रिगर नहीं हों।*

राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का तबादला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश शासन ने सोमवार देर रात 13 प्रशासनिक अधिकारियों की आंशिक संशोधन और तबादला सूची जारी की है, इनमें उपसचिव, अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर और डिप्टी कलेक्टरों की विभिन्न जगहों पर पदस्थापना की है। दो लिस्ट जारी की गई है, इनमें पहली लिस्ट में 4 अफसरों की पदस्थापना में आंशिक संशोधन तथा दूसरी लिस्ट में आठ अफसरों के ट्रांसफर आदेश हैं। पहली सूची के अनुसार अपर कलेक्टर कोण्डागांव चंद्रकांत चाली ठाकुर को यथावत पदस्थ किया गया है, वहीं अपर कलेक्टर जशपुर डॉ. विभोर अग्रवाल को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग मंत्रालय में उपसचिव पदस्थ किया गया है। संयुक्त कलेक्टर रायगढ़ रवि सिंह को रायपुर का संयुक्त कलेक्टर बनाया गया है। डिप्टी कलेक्टर अपर कलेक्टर कोण्डागांव चित्रकांत चाली ठाकुर को रायगढ़ पदस्थ किया गया था, जिन्हें यथावत अपर कलेक्टर कोण्डागांव ही पोस्ट किया गया है। संयुक्त संचालक, छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी निमोरा डॉ. विभोर अग्रवाल को अपर कलेक्टर जशपुर बनाया गया था, फिर उन्हें उपसचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग मंत्रालय पदस्थ किया गया है। संयुक्त कलेक्टर रायपुर रवि सिंह को रायगढ़ ट्रांसफर किया, संशोधित आदेश में उन्हें यथावत संयुक्त कलेक्टर रायपुर ही बनाया गया है। वहीं प्रबंधक एनआरडीए अटलनगर नवा रायपुर रश्मि ठाकुर को डिप्टी कलेक्टर बस्तर बनाया गया था, जिन्हें उप संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग पदस्थ किया गया है।

वहीं दूसरी सूची के अनुसार राप्रसे अधिकारी अरूण कुमार मरकाम, प्रकाश सिंह राजपूत, मोनिका कौड़ो, खेमलाल वर्मा, राकेश साहू, गीता शुक्ला दीवान, उमेश कुमार साहू, ऋचा सिंह, नीरज कौशिक का भी स्थानांतरण किया गया है।

30 पुलिसकर्मियों का तबादला, एक टीआई का दो जगह ट्रांसफर

रायपुर। पुलिस विभाग ने आठ जिलों के 26 टीआई सहित 30 पुलिसकर्मियों का तबादला आदेश जारी किया है। जिन पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण किया गया है, उनमें सबसे ज्यादा 12 टीआई राजनांदगांव जिले के हैं। जारी तबादला आदेश में 26 टीआई के अलावा तीन एसआई तथा एक एएसआई के नाम शामिल है। जिन पुलिसकर्मियों के तबादले किए गए हैं, उनमें रायपुर, सक्ती, जशपुर, राजनांदगांव, रायगढ़, केसीजी, धमतरी तथा बलरामपुर-रामानुजगंज के पुलिसकर्मी शामिल हैं। विभाग द्वारा जारी तबादला सूची में गड़बड़ी भी सामने आई है। टीआई राजेश खलखो का स्थानांतरण सक्ती से सरगुजा तथा कोरबा दो जगह कर दिया गया है।

स्टाफ नर्स भर्ती परीक्षा 21 को प्रवेशपत्र जारी : रायपुर। व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित की जाने वाली स्टाफ नर्स भर्ती परीक्षा के प्रवेशपत्र जारी कर दिए गए हैं। स्वास्थ्य सेवा संचालनायल के अंतर्गत रिक्त पदों पर इसके माध्यम से भर्ती होगी। 21 सितंबर को होने वाली इस परीक्षा के लिए रायपुर सहित पांच जिलों में केंद्र बनाए गए हैं।

बिना अनुमति मार्ट-मेडिकल दुकानों में बेचा जा रहा घरेलू कीटनाशक उत्पाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर में संचालित कई सुपर मार्ट एवं मेडिकल दुकानों में बिना अनुमति लिए हिट, मार्टिन, गुड नाइट, रैटकील जैसी घरेलू कीटनाशक दवाएं बेची जा रही हैं।

कृषि विभाग की टीम ने सोमवार को आधा दर्जन से अधिक मार्ट एवं मेडिकल दुकानों में छापा मारकर ऐसे कीटनाशक उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाई, साथ ही नोटिस जारी किया। जिला कृषि अधिकारी सतीश अवस्थी ने बताया कि विभाग को जानकारी मिली थी कि कई मार्ट एवं मेडिकल दुकान में विभाग से बिना लाइसेंस लिए हिट, मार्टिन, गुड नाईट, रैटकील जैसी घरेलू कीटनाशक उत्पाद बेचें जा रहे हैं। इस जानकारी पर विभागीय टीम को जांच के लिए भेजा गया था। टीम ने कटोरा तालाब स्थित सुपर मार्ट अन्तरा मार्ट, एसएस मार्ट न्यू राजेन्द्र नगर, लक्ष्मी मेडिकल स्टोर सेजबहार, गणेश मेडिकल स्टोर ग्राम डूंडा, गोकुल सुपर मार्ट डंगनिया तथा अपना मार्ट कबीर नगर में छापा मारा। इन सभी स्थानों पर घरेलू कीटनाशक उत्पाद हिट, मार्टिन, गुड नाइट, रैटकील आदि विक्रय करते पाया गया। टीम ने इन सभी मार्ट के संचालकों को नोटिस जारी किया, साथ ही कीटनाशक उत्पादों को अलग कर रखवाया, ताकि उसकी बिक्री नहीं की जा सके। टीम ने आमापारा स्थित विशाल मेगा मार्ट में भी जांच पड़ताल की, लेकिन यहां कीटनाशक उत्पाद नहीं पाए गए। टीम ने थोक विक्रेता गिरीराज ट्रेडिंग के गोदाम का भी छापा मारा और नोटिस जारी किया।

हरिभूमि
रायपुर, मंगलवार 16 सितंबर 2025
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

04

गुजरात की पोशाक चनिया चोली ...

लाइव इवेंट

प्रतियोगी परीक्षा के टॉपर्स की सलाह रिजल्ट की चिंता नहीं रिवीजन करें

रायपुर। युवा संस्था द्वारा सिविल लाइंस में निशुल्क प्रतियोगी परीक्षाओं की सिर्फ तैयारी ही नहीं कराई जाती, बल्कि टॉपर्स से टॉकिंग के जरिए तैयारी करने वालों को रूबरू होने का अवसर भी दिया जाता है। इस श्रृंखला में सोमवार को एसएससी सीजीएल-2024 में चयनित छात्रों से संवाद का अवसर संस्था के संस्थापक एम. राजीव ने दिया। पहले वक्ता के रूप में अभिषेक मिश्रा ने बताया कि भारतीय वायुसेना में भर्ती होने और देशसेवा की इच्छा के कारण ही एनडीए, सीडीएस की तैयारी शुरू की। पहली परीक्षा में प्राप्त की गई सफलता पहली नहीं होती, बल्कि वह एक यात्रा होती है। इस संसार में हर कोई असफल होता है, लेकिन जरूरी है कि कितनी जल्दी वापस अभ्यास में जुटता हैं। मूलमंत्र देते हुए बताया कि परीक्षा के रिजल्ट की जगह रिवीजन की चिंता करने से सफलता आसान हो जाती है।

नियमित 2 से 3 घंटे पढ़ाई करनी चाहिए

दूसरे वक्ता वासु दुबे ने कहा कि पहले शिक्षा के महत्व को समझा और इस कारण दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षा में 10 सीजीपीए स्कोर रहा है। उन्होंने छात्रों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि यदि अपनी आजीविका के लिए पढ़ाई के साथ कोई नौकरी करते हैं, तो अपना काम करते-करते ही नियमित 2 से 3 घंटे पढ़ाई करनी चाहिए। टॉपर सौरभ सिंह ने बताया कि उन्हें डिफेंस के क्षेत्र में जाना था, लेकिन सफलता नहीं मिली। कमियों को पहचाना व प्लानिंग के साथ तैयारी शुरू किया। इससे सफलता के साथ लक्ष्य को हासिल किया। शुभम सिंह ने भी अपने संघर्ष और सफलता के सफर को साझा किया।

परीक्षाओं में असफलता सिर्फ चुनौती

अंतिम वक्ता के रूप में प्रभांशु शुक्ला ने बताया कि शुरुआत में मेरा लक्ष्य बीटेक करना था। इसके लिए राजस्थान में कोचिंग की, मगर सफलता नहीं मिली। प्राइवेट कॉलेज में इंजीनियरिंग में दाखिला लिया, कुछ ही समय बाद उसे भी छोड़ दिया। फिर बीसीए करने का सोचा, उसे भी पूरा करने में असफल रहा। कई असफलताओं के बाद एसएससी सीजीएल परीक्षा में मेरिट सूची में स्थान बनाया। उन्होंने सभी छात्रों को मोटिवेट करते हुए कहा कि असफलता सिर्फ एक चुनौती है, इससे घबराना नहीं चाहिए। विपरीत परिस्थिति में भी लक्ष्य से भटकना नहीं चाहिए।

राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय विज्ञान प्रोजेक्ट प्रतियोगिता के लिए साइंस टीचर्स व एक्सपर्ट सीखा रहे वैज्ञानिक इनोवेशन

बाढ़-भूकंप डिटेक्टर, स्मार्ट रेलवे ट्रेक क्लीनर, आटो रोबोट जैसे प्रोजेक्ट साइंस लैब में तैयार कर रहे स्टूडेंट्स

स्कूलों के साइंस लैब में विज्ञान के विद्यार्थी एआई तकनीक पर आधारित प्रोजेक्ट तैयार कर रहे हैं। इन साइंस प्रोजेक्ट्स में प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, भूकंप से लोगों को घटना से पूर्व अलर्ट करने, बिना मैनपॉवर के रेलवे ट्रेक की सुरक्षित साफ-सफाई से दुर्घटनाओं को रोकने और आटो रोबोट के उपयोग को साकार करने नए साइंस एनोवेशन आइडियाज विकसित कर रहे हैं।

रायपुर। ऐसा ही वैज्ञानिक नवाचार आइडियाज दानी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल के साइंस लैब में देखने को मिला, जहां 12वीं कक्षा के विज्ञान संकाय के स्टूडेंट्स टीचर्स व साइंस एक्सपर्ट के मार्गदर्शन में वैज्ञानिक प्रयोग की बारीकियां सीख रहे हैं। स्कूल की 12 वीं कक्षा जीव विज्ञान की छात्रा कुंजन कोशले ने अपने साइंस प्रोजेक्ट के बारे में बताया कि वे अपने प्रोजेक्ट ग्रुप के साथ मिलकर प्राकृतिक आपदाएं जैसे बाढ़-भूकंप से सीधे आम लोगों को आपदा के पूर्व अलर्ट मैसेज देने वाले मोबाइल यूजिंग डिवाइज तैयार कर रही हैं। यह डिवाइज मोबाइल में मौसम को डिटेक्ट करने वाले सिस्टम के जैसा ही होगा, लेकिन यह बाढ़ व भूकंप जैसे घटना को तेजी से डिटेक्ट कर लोगों तक सीधे तीव्र सूचना इंडिविजुअली पहुंचाएगा। इससे शासन-प्रशासन व मीडिया द्वारा देर से मिली सूचनाओं के चलते जान-माल की हानि से लोग सुरक्षित ठिकाने पर पलायन कराने में सावधन करेगा। वहीं 12वीं जीव विज्ञान की छात्रा नेहा टंडन ने बताया की वह स्मार्ट रेलवे ट्रेक क्लीनर डिवाइस बनाई है, जिससे रेल पटरियों की साफ-सफाई वाटर स्प्रे से आटोमेटिक आसान हो जाएगी। इससे रेल पटरियों की सुरक्षित साफ-सफाई में उपयोगी होगी। हरिभूमि की टीम ने दानी गर्ल्स स्कूल के साइंस लैब में टीचर्स व स्टूडेंट्स द्वारा एआई तकनीक से तैयार किए गए कई महत्वपूर्ण साइंस प्रोजेक्ट की लाइव रिपोर्टिंग की। इसमें स्टूडेंट्स ने अपने साइंस प्रोजेक्ट व आगे के प्लान साझा किए।

एग्रीकल्चर सेफ्टी सिस्टम करेगा किसानों को अलर्ट

12वीं आर्ट्स संकाय की छात्रा मुस्कान पटेल व 12वीं कक्षा जीव विज्ञान की छात्रा नेहा टंडन ने एग्रीकल्चर सेफ्टी सिस्टम तैयार किया है। इसके माध्यम से खेतों पर बिजली खंबे या किसी विद्युत तार के टूट कर खेत के पानी में गिरने से लगने वाले करंट को बजर के तौर पर आवाज कर अलर्ट किया जा सकेगा। इस डिवाइस को खेत के आसपास विद्युत उपकरणों या बिजली खंबे पर लगाकर किसान सुरक्षित रह सकेंगे। साथ ही खेत की मिट्टी की गुणवत्ता जांच उपकरण भी तैयार किए हैं।

स्मार्ट स्क्रीन सेंसर डिवाइस बच्चों को नजदीक से टीवी देखने से रोकेगा

गणित संकाय की 12वीं कक्षा की छात्रा नेहा प्रजापति ने अपने साइंस प्रोजेक्ट इनोवेशन में स्मार्ट स्क्रीन सेंसर डिवाइस तैयार की है। इसे घर के टीवी स्क्रीन पर लगा देने से उन छोटे बच्चों, जो टीवी स्क्रीन के पास से टीवी देखते हैं, उनकी आदत छुड़ाएगी। स्मार्ट टीवी सेंसर डिवाइस, बच्चे जैसे ही 3 मीटर की कम टीवी स्क्रीन रेंज पर जाकर टीवी देखेंगे तो आटोमेटिक टीवी ऑफ हो जाएगा। इससे छोटे बच्चों को टीवी स्क्रीन के चलते आंखों से संबंधित समस्या से बचाया जा सकेगा।

आगजनी से घर को बचाएगी सेफ हाउस डिवाइस

12वीं कक्षा जीव विज्ञान संकाय की छात्रा लोकेश्वरी भट्ट ने बताया कि उन्होंने सेफ हाउस डिवाइस प्रोजेक्ट तैयार किया है, जिससे घरों में किसी भी वजह, चाहे गैस लीक हो, शार्ट सर्किट, कोई भी आगजनी की घटना से पूर्व सेफ हाउस डिवाइस आटोमेटिक वर्क कर आग लगने से रोकेगी। यह डिवाइस सेंसर बेस्ड मोड पर कार्य करेगी जो घर के खिड़की दरवाजे से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स बोर्ड से अटैच रहेगी।

साइंस टीचर्स व एक्सपर्ट्स सिखा रहे तकनीकी बारीकियां

स्कूल के प्राचार्य हितेश दीवान ने बताया कि स्कूल में अटल ट्रैक्टिंग साइंस लैब है, जहां स्कूल के 10वीं 12वीं के स्टूडेंट्स को साइंस प्रोजेक्ट वर्क कराया जाता है। साइंस के शिक्षक व साइंस एक्सपर्ट्स साइंस लैब में आधुनिक प्रोजेक्ट निर्माण की वैज्ञानिक तकनीकी कौशल व आइडियाज की विकास विद्यार्थियों में कर रहे हैं। अभी एआई तकनीक से जुड़े प्रोजेक्ट पर विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट वर्क की जानकारी दिया जा रहा है। दानी गर्ल्स के विद्यार्थी राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर एक से बढ़कर एक नवाचार साइंस प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन के लिए विज्ञान मॉडल प्रतियोगिताओं में विजेता बनते रहे हैं। आगामी 22 सितंबर को राजधानी में होने वाली विज्ञान मेला के लिए 10वीं व 12वीं के साइंस संकाय के विद्यार्थी लैब में प्रोजेक्ट की तैयारी में जुटे हुए हैं।

लाइव इवेंट

मां के नाम एक ही दिन में लगाए पांच हजार पौधे, प्रकृति सेवा का दिया संदेश

रायपुर। भारत गोल्फ महोत्सव गोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया और परोपकार फाउंडेशन मिलकर एक विशाल पौधारोपण अभियान चला रहे हैं, जिसके तहत सोमवार को एक ही दिन में 5000 से अधिक पौधे लगाए गए। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 सितंबर को पड़ने वाले जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था, जिसमें न केवल प्रकृति की सेवा का संदेश दिया गया, बल्कि देश के वीर शहीदों के परिवारों को भी सम्मानित किया गया। इस पूरे आयोजन में नितिन गौरीशंकर अग्रवाल की भी महती भूमिका रही है।

भारत गोल्फ महोत्सव गोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया और परोपकार फाउंडेशन की संयुक्त पहल

बीएसएफ और आर्मी कैंप में लगाए पौधे

कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण एक पेड़ मां के नाम अभियान था। इस अभियान के तहत, बीएसएफ और आर्मी कैंप में क्रमशः 2000 और 1500 पेड़ लगाए गए। कार्यक्रम के संस्थापक भारत गोल्फ महोत्सव के श्री आर्यवीर और परोपकार फाउंडेशन की चेयरपर्सन शानवी मित्तल ने इस पहल की सराहना की। हर प्रतिभागी ने यह संकल्प लिया कि वे जिस पेड़ को लगाएंगे, वह उनकी मां के नाम पर होगा और उसे मां की मूर्ति की तरह ही सहेजकर रखेंगे।

17 को आएंगे रणदीप हुड्डा

इस कार्यक्रम का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा कारगिल, 1965 और 1971 के युद्ध में देश की रक्षा करने वाले छत्तीसगढ़ के 43 वीर शहीद परिवारों का सम्मान 17 तारीख को किया जाना है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में 17 सितंबर को भारत गोल्फ महोत्सव भी आयोजित किया जा रहा है। इस महोत्सव में देश-विदेश के जाने-माने गोल्फ खिलाड़ी हिस्सा लेने के लिए छत्तीसगढ़ पहुंच रहे हैं। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा भी मौजूद रहेंगे, जिन्होंने हाल ही में वीर सावरकर की बायोपिक में मुख्य भूमिका निभाई है। रणदीप हुड्डा 17 सितंबर को रायपुर में आकर्षण का केंद्र रहेंगे, जिससे इस समारोह को और भी अधिक ख्याति मिलेगी।

एकाकी जीवन से नई पीढ़ी नहीं हो पा रही संस्कारवान कामकाजी माता-पिता के पास बच्चों के लिए समय नहीं

रायपुर। वृंदावन हॉल में शनिवार को पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में प्रादेशिक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। संगोष्ठी का विषय वर्तमान चुनौतियां और हमारा सरोकार और छत्तीसगढ़ कल, आज और कल रखा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या की देवी मां सरस्वती, छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा आरती और राजगीत से हुआ। मुख्य वक्ता शिक्षाविद डॉ. चितरंजन कर रहे। वहीं संगोष्ठी की अध्यक्षता डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' ने की। पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष दूजेराम धीवर ने संगठन की नींव रखने से अब तक की सार्थकता पर प्रकाश डाला। संयोजक महेंद्र पटेल ने पीपला परिवार का परिचय और आयोजन की रूपरेखा, पटल पर रखा।

संगोष्ठी में यह रहें उपस्थित

संगोष्ठी का संचालन वरिष्ठ पत्रकार व उदघोषक शशांक खरे और आभार ज्ञापन फाउंडेशन के संरक्षक पारसनाथ साहू ने किया। संगोष्ठी के आयोजन संयोजन में संरक्षक आनंदराम पत्रकार, पारसनाथ साहू, थानसिंग साहू, अध्यक्ष दूजेराम धीवर, संयोजक महेन्द्र कुमार पटेल, मुरलीमनोहर देवांगन, डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर,खिलेश देवांगन, कोषाध्यक्ष कोमल लाखोटी, सचिव अभिमन्यु साहू, रीति शर्मा सोनपीपरे, छत्रधारी सोनकर,प्रतीक टोंड्रे, सियाराम सोनकर दीना सोनकर,नीरज साहू,डोमेश्वर साहू सहित पीपला के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

नंदा जाही का रे... कविता सुन हुए अनांदित

अध्यक्षता कर रहे डॉ. माणिक विश्वकर्मा ने छत्तीसगढ़ में पीने के पानी की समस्या को विकराल बताते हुए कहा कि आम आदमी को पीने का पानी सही मानक में उपलब्ध नहीं है। पर्यावरण संरक्षण समय की मांग है। उन्होंने हिन्दी को राष्ट्रभाषा नहीं बना पाने पर भी चिंता जाहिर की। सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी जयंत थोरात ने संयुक्त परिवार के खत्म होने पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि एकाकी जीवन से नई पीढ़ी संस्कारवान नहीं हो पा रही है। कामकाजी माता पिता के पास बच्चों के लिए समय नहीं। यही बच्चे बड़े होकर मां-बाप को वृद्धाश्रम भेजने लगे हैं। प्रख्यात कवि मीर अली मीर की सुमधुर प्रस्तुति, नंदा जाही का रे... नंदा जाही का.. से संगोष्ठी का समापन हुआ।

प्रकृति प्रेमी मोहन वल्यानी को हरित क्रांति सम्मान

रायपुर। सुहिणी सोच एवं राष्ट्र सिंधी भाषा विकास परिषद नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मैक कॉलेज रायपुर में आयोजित "समाज की शान - हमारा अभिमान कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में लगातार योगदान दे रहे समाजसेवी मोहन वल्यानी को "हरित क्रांति पर्यावरण सम्मान" दिया गया। यह सम्मान उन्हें संत साई युधिष्ठिरलाल ने प्रदान किया। मोहन वल्यानी पिछले 40 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वे विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से हरियाली अभियान, पौधारोपण, जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त अभियान और जन-जागरूकता कार्यक्रमों का नेतृत्व करते हुए समाज को प्रकृति से जोड़ने में निरंतर कार्यरत हैं।

पर्यावरण के क्षेत्र में सराहनीय प्रयास

कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक सीए चेतन तारवानी, फाउंडर मनीषा तारवानी, अध्यक्ष दीक्षा बुधवानी, कार्यक्रम निर्देशक महक होतवानी सहित समाज के अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित रहे और इस सम्मान के साक्षी बने। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने मोहन वल्यानी के पर्यावरण क्षेत्र में योगदान को प्रेरणादायी बताते हुए उनके प्रयासों की सराहना की।

मुक्तकाशी मंच पर तीन दिवसीय रंग-तरंग का शुभारंभ

साधक कलाकारों की मोहरी, सारंगी और वायलिन के मधुर संगीत से बांधा समां, सराबोर हुए कलाप्रेमी

कार्नर न्यूज

रायपुर। महंत घासीदास संग्रहालय स्थित मुक्ताकाशी मंच पर मोहरी वादन, सारंगी और वायलिन की धुन ने भीगी शाम को खुशगवार बना दिया। सोमवार को संस्कृति विभाग की ओर से रंग तरंग वाद्ययंत्र संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में प्रदेश के पारंपरिक व मार्डन वाद्ययंत्रों के साधक कलाकारों को मंच प्रदान किया जा रहा है। तीन दिवसीय इस रंग तरंग कार्यक्रम में विविध प्रकार के मनमोहक वाद्ययंत्रों की सुर-ताल व संगीत से प्रतिभागी कलाकार मुक्ताकाशी मंच को सराबोर करेंगे। संस्कृति विभाग द्वारा यह आयोजन पारंपरिक व आधुनिक वाद्ययंत्रों की संगीत प्रेमियों के लिए विशेष कार्यक्रम है। मोहरी, सारंगी, वायलिन की मधुर संगीत की रसपान करने बड़ी संख्या में कलाप्रेमी मुक्ताकाशी मंच पहुंचे थे। मोहरी, सारंगी, वायलिन के वादक कलाकारों ने कर्णप्रिय संगीत बजाकर समां बांधा। मोहरी, सारंगी, वायलिन वाद्ययंत्रों के प्रेमी श्रोताओं का तन व मन रंग तरंग हो गया। इस आयोजन में प्रतिभागी कलाकारों सहित संस्कृति विभाग के अधिकारी, अतिथि और कलाप्रेमियों का शाम से देर रात तक जमावड़ा लगा रहा।

आज की प्रस्तुति में इन वाद्ययंत्रों की संगत

आज शाम 7 बजे से मुक्ताकाशी मंच पर जिन वाद्ययंत्रों की वादन किया जाएगा। उसमें गतका बाजा वाद्ययंत्र की प्रस्तुति कलाकार कुलदीप सार्वा, तबला वादन कलाकार अशोक कूर्म, वायलिन वादन कीर्तिमाधव व्यास, गुदुम बाजा का वादन कलाकार सुकृत साहू द्वारा किया जाएगा।

इन कलाकारों ने दी वाद्ययंत्रों की मनमोहक प्रस्तुति

रंग तरंग कार्यक्रम में प्रतिभागी मोहरी वादक कलाकार मानक साहू ने मोहरी में विवाह गीत, छत्तीसगढ़ी पारंपरिक गीतों को अपने मोहरी की धुन पर सुनाया। विवाह गीत को मोहरी की संगीत में सुन कलाप्रेमी गदगद हो उठे। वहीं वायलिन वादक कलाकार वेदप्रकाश ने नए-पुराने गीतों को वायलिन की साज पर संगीत से सजा कर वायलिन के श्रोताओं को भेंट किया। वायलिन के मधुर वादन से मुक्ताकाशी मंच का वातावरण सुर-ताल से सज गया। सारंगी वादक कलाकार शफीक हुसैन ने सारंगी पर शास्त्रीय संगीत की संगत व लोकगीतों का संगीत सुनाकर कलाप्रेमियों का मनमोह लिया।

धर्म लाइव

जीवन में 90 प्रतिशत अनावश्यक इच्छाएं ही दुख का कारण : मनीष सागर महाराज

रायपुर। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज ने सोमवार को सुख और दुख में भेद समझाया। भेद विज्ञान साधना शिविर के दूसरे दिन उपाध्याय भगवंत ने कहा कि कल सुखी होना है तो आज सुखी रहो। अनुकूलता में भी सुखी रहो और प्रतिकूलता में भी सुखी रहो। सुख बाहर नहीं है। इच्छाओं की समाप्ति में ही सुख है। जीवन में 90 प्रतिशत अनावश्यक इच्छाएं ही दुख का कारण हैं। मनुष्य गति में सहज सुखी रहने के जो संस्कार विकसित होंगे, वही संस्कार ही इस भव के साथ परलोकों में भी काम आते रहेंगे। शरीर छूटेगा, लेकिन आत्मा सुखी होने के संस्कार ले जाएगी। जो संस्कार आगे जाएंगे, वह आगे भी सुखी रखेंगे। यदि दुखी रहने के संस्कार लेकर आत्मा जाएगी तो आगे भी दुखी रहेगी। मनुष्य गति का सर्वोत्तम सदुपयोग इच्छाओं को कंट्रोल करने में करें। इच्छाओं को जीतते जाएं। सहज सुखी रहने का अभ्यास करते जाएं।

एक फार्मूला पकड़ो कि मुझे सुखी रहना है

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि सुख और दुख में भेद समझ आने पर चार गति में भ्रमण नहीं होगा। परमात्मा के बताए फार्मूले को ध्यान रखो। आज भी सुखी हो जाओ और आगे के सुख की व्यवस्था कर लो। मोह कर्मों का क्षय करना, सिद्ध अवस्था को पाना, आत्म कल्याण करना, सुखी होना ये सब एक ही चीज है। बस एक फार्मूला पकड़ो कि मुझे सुखी रहना है। सुख का लगातार विकास करना है। संसार की परिस्थितियां आएंगी, उसमें भी दुखी नहीं रहना है। जो व्यक्ति प्रतिकूलता में सुखी रहता है, उसे अनुकूलता में आसक्त नहीं होना है। अनुकूलताओं की निर्भरता छोड़नी है। प्रतिकूलता की घबराहट छोड़नी है। अर्थ, भोग, धर्म व मोक्ष में से अर्थ, भोग व धर्म में इच्छा है।

धर्म लाइव

आईटीएम यूनिवर्सिटी ने प्रदीप टंडन को डी. लिट् की उपाधि से किया सम्मानित

रायपुर। आईटीएम विश्वविद्यालय ने प्रदीप टंडन को डॉक्टर ऑफ लेटर्स (डी.लिट्) की प्रतिष्ठित उपाधि से सम्मानित किया है। यह सम्मान उन्हें बिजनेस मैनेजमेंट, कॉर्पोरेट नेतृत्व, छत्तीसगढ़ में औद्योगिक प्रोत्साहन तथा राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर नीति निर्माण एवं परामर्श में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया है। श्री टंडन वर्तमान में भारत के शीर्ष कॉर्पोरेट नवीन जिंदल समूह की कंपनी में अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। बिजनेस मैनेजमेंट और कॉर्पोरेट कार्यों में तीन दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, उन्होंने छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास और निवेश प्रोत्साहन में अहम भूमिका निभाई है।

नीति वकालत के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान

कॉर्पोरेट जगत से परे, श्री टंडन ने नीति वकालत के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। वे वर्तमान में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, छत्तीसगढ़ राज्य परिषद के अध्यक्ष तथा नेशनल एम्प्लॉयर्स फेडरेशन के अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान मेरे लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि मेरे सहकर्मियों, मार्गदर्शकों और उद्योग से जुड़े साथियों से मिले निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन का प्रतिबिंब है। यह उपाधि मुझे समावेशी औद्योगिक विकास, नीति सुधार और सामाजिक-आर्थिक उन्नति की दिशा में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करती है।"

समाज इवेंट

भागवत कथा स्थल पर रामरक्षा स्त्रोत और हनुमान चालीसा पाठ

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल की आध्यात्मिक समिति की ओर से 20 महीनों से प्रत्येक शनिवार को रामरक्षा स्त्रोत और हनुमान चालीसा सामूहिक पाठ का अभियान श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ सप्ताह के दौरान भी जारी रहा। इधर बूढ़ापारा केंद्र की महिलाओं ने भी अपने केंद्र में सामूहिक पाठ किया। आध्यात्मिक समिति की आकांक्षा गद्रे ने बताया कि कथा पंडाल में पहुंचे सभी केंद्रों के महिला और पुरुष सदस्यों ने रामरक्षा स्त्रोत और हनुमान चालीसा का पाठ किया। सामूहिक पाठ सुबह भागवत कथा के संहिता परायण के बाद हुआ। भागवत कथावाचक आचार्य धनंजय वैद्य शास्त्री ने महाराष्ट्र मंडल के इस अभियान की जमकर प्रशंसा की। इधर बूढ़ापारा केंद्र की महिलाओं ने अपने केंद्र में उत्साह के साथ रामरक्षा स्तोत्र और हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया। इस दौरान अंजलि नलगुंडवार, दीपाली करकशे, माला करकशे, अपर्णा काले, संचाली पाध्ये, वीणा वरवंडकर, निशा भुसारी, संगीता नंदेकर, मंजू काले, प्रणिता नलगुंडवार सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

> कथावाचक आचार्य धनंजय वैद्य शास्त्री ने महाराष्ट्र मंडल के इस अभियान की प्रशंसा की

राजधानी में सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समितियों ने शुरू की तैयारी, माता की अगवाई करने सजा रहे श्रीधाम

बद्रीनाथ धाम की तर्ज पर सजेगा मां आदिशक्ति का दरबार, स्थल सज्जा में नवकन्या भोज आकर्षण

गणेश उत्सव के बाद अब शहर में मां आदिशक्ति की आस्था की धूम मचने वाली है। नवरात्रि से पहले माता का दरबार सजाने का सिलसिला भी तेज हो गया है। क्वांर नवरात्रि में दर्शन के लिए पंडालों में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को बद्रीनाथ धाम और विक्टोरिया गार्डन में स्थित महल की तर्ज पर माता का श्रीधाम आकर्षक स्वरूप में नजर आने वाला है। इसके लिए कारीगरों ने करीब 8 दिन पहले ही काम शुरू किया है। 22 सितंबर से नवरात्रि का शुभारंभ होगा। इसके पहले ही दुर्गा पूजा उत्सव समितियों ने नौ दिनों तक की जाने वाली सेवा के क्रम में भक्ति से ओतप्रोत आयोजनों को भी शामिल किया है।

रायपुर। शहर के बिजली आफिस चौक, बांसटाल, पुरानी बस्ती, टिकरापारा, संतोषी नगर सहित सभी क्षेत्रों में माता के नौ स्वरूपों की पूजा का विधान इस साल भी विधिवत करने की तैयारी शुरू हो गई है। समितियों ने माता की स्थापना से पहले पूजा स्थल की व्यवस्था बनाने के लिए कारीगरों को दायित्व भी दिया है। कई पूजा समिति के लोगों ने माता का दरबार किस स्वरूप में होगा, यह भी तय नहीं किया है। जबकि सभी पुरानी समितियों ने महीनेभर पहले ही पूजा उत्सव को आस्था और भक्ति से ओतप्रोत करने के लिए गरबा उत्सव के साथ ही भजन और जसगीत गायन की श्रृंखला सजाने के लिए टोलियों को भी आमंत्रित किया है। इसके साथ ही ज्योत-जंवारा की देखभाल करने के लिए कई समितियों ने पंडा और बैगा भी तय किए हैं। माता की आस्था के इस पर्व को खास बनाने में आसपास के लोग भी सहयोग कर रहे हैं, ताकि उत्सव में भक्तिमय माहौल बने।

रजत जयंती को यादगार बनाने की तैयारी

बैरन बाजार क्षेत्र में श्रीश्री मां मंगला काली दुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष मनोज नारवानी और कोषाध्यक्ष सूर्यप्रकाश शुक्ला ने बताया कि 25 साल पहले क्वांर नवरात्रि में पहली बार माता की स्थापना के लिए पंडाल सजाया गया था। यह समिति का रजत जयंती वर्ष है। इस बार कारीगर पंडाल को विक्टोरिया गार्डन में स्थित महल का स्वरूप देंगे। माता की प्रतिमा स्थापना के साथ ही माता के दरबार में पारंपरिक गरबा उत्सव का आयोजन किया जाएगा। भजन-कीर्तन के साथ ही आने वाले भक्तों को भोग-प्रसादी के लिए समिति ने दायित्व तय किया है। पूजा स्थल की शुद्धता और ज्योत-जंवारा की देखभाल के लिए पंडा और बैगा को भी आमंत्रित किया है। नवरात्रि में माता की सेवा का नियम पंडित करेंगे। जबकि व्यवस्था का दायित्व इस बार भी तय किया है।

माता के दरबार में होगा गरबा उत्सव

हनुमान मंदिर चौक के पास नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष कृष्णा बाघ की अगवाई में माता का दिव्य पंडाल सज रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार पंडाल का स्वरूप बद्रीधाम की तरह अलौकिक होगा। इसमें माता की स्थापना के साथ ही स्थल सज्जा की जाएगी। इसमें माता की सौम्य स्वरूप प्रतिमा के साथ ही नव कन्या भोज का दृश्य आकर्षण का केंद्र बनने वाला है। दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को भक्तिमय माहौल देने जसगीत गायन का सिलसिला भी चलेगा। आगे बताया कि 27 साल पहले क्षेत्र के लोगों ने श्रमदान कर माता का पंडाल बनाने के बाद स्थापना और पूजा का सिलसिला शुरू किया, जो अब बड़ा स्वरूप ले चुका है। अब कारीगरों से थीम बेस्ड पंडाल बनवाने के साथ स्थल सज्जा भी पूजा समिति कराने लगी है।

आकर्षक लाइटिंग के लिए कारीगर तय

दुर्गा उत्सव के आयोजकों ने इस बार पंडालों को आकर्षक लाइटिंग से संवारने की तैयारी शुरू की है। जिन पंडालों में इस बार स्थल सज्जा किया जाना है, वहां कोलकाता और पश्चिम बंगाल के कारीगरों को पंडाल को आकर्षक स्वरूप देने का काम दिया है। समिति के लोगों ने बताया कि स्थापना से पहले 21 सितंबर की शाम तक माता का पंडाल तैयार करने के लिए कहा गया है। इसे देखते हुए कई कारीगरों ने पंडाल और लाइटिंग के लिए अलग-अलग टीम को जिम्मेदारी दी है, ताकि शिकायत की स्थिति न बने।

90 के दशक वाली बेलबॉटम-जींस और पैंट का फैशन युवाओं के बीच कर रहा ट्रेंड

नब्बे के दशक में युवाओं के बीच बेलबॉटम, जींस और पैंट एक लोकप्रिय फैशन रहा, जिसमें लड़कियां इन्हें क्रॉप टॉप या ढीली शर्ट के साथ पहनती थीं, जबकि लड़के इन्हें फलालेन शर्ट या टी-शर्ट के साथ पहनते थे। यह स्टाइल आरामदायक और विंटेज लुक देता है और आज वही 90 के दशक के बेलबॉटम फैशन का दौर फिर से यूथ में ट्रेंड कर रहा है। रेडिमेड फैशन हाउस हो या स्मार्ट ड्रेस डिजाइनर, टेलर्स से गर्ल्स व ब्वॉयज 90 के दशक के फैशन को कैरी कर रहे हैं। लड़के जहां राजधानी के ब्रांडेड टेलर्स से बेलबॉटम पैंट-शर्ट बनवा रहे हैं। वहीं गर्ल्स रेडिमेड फैशन हाउस या स्मार्ट ड्रेस डिजाइनर से बेलबॉटम जींस और पैंट, क्रॉप टॉप या ढीली शर्ट डिजाइन करा रही हैं।

रायपुर। शहर के तात्यापारा रोड स्थित एक फैशन एक्सपर्ट टेलर विवेक रॉय ने बताया कि लड़कों में फिर से बेलबॉटम जींस और पैंट बनवाने की क्रेज देखा जा रहा है। लड़के बड़ी संख्या में कॉलेज, शादी-पार्टी, टूर के लिए बेलबॉटम जींस और पैंट बनवा रहे हैं। जिस तरह से पुराने गानों का रिमिक्स बनाया जा रहा है, उसी तरह से पुराने जमाने का फैशन भी युवाओं का भा रहा है। यही वजह है कि यूथ 90 के दशक के फैशन के दीवाने हो रहे हैं। लड़कियां वैसे भी फैशन में हमेशा डिफरेंट की तलाश में रहती है। लड़कियों को टक्कर देने लड़के भी आए दिन नए-नए फैशन स्टाइल ढूंढ निकालते हैं। वहीं पुरानी बस्ती रोड स्थित लेडिज फैशन हाउस के संचालक अभय दुबे ने बताया कि गर्ल्स के लिए 90 के दशक के फैशन ड्रेसेस की डिमांड बढ़ी है। मुंबई, दिल्ली, चेन्नई से स्पेशली ड्रेसेस मंगाए जा रहे हैं।

लड़कियां की पसंद फ्लेयर्ड बॉटम जींस के साथ क्रॉप टॉप

फैशन डिजाइनर नेहा मलिक ने बताया कि लड़कियां फ्लेयर्ड बॉटम जींस के साथ क्रॉप टॉप, लूज टी-शर्ट, या ढीली शर्ट पहनना पसंद कर रही हैं। क्लासिक विंटेज टच यह स्टाइल एक क्लासिक विंटेज लुक देता है और इसे हील्स, काउबॉय बूट्स या स्नीकर्स के साथ पेयर किया जा सकता है। यह फैशन 90 के दशक में हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों फिल्मों में देखने को मिलता था और अभिनेत्रियां इसे बड़े पैमाने पर पहनती थीं।

स्टाइल स्टेटमेंट और कंफर्ट ट्रेंडी लुक

कैजुअल स्टाइल लड़के बेलबॉटम या फ्लेयर्ड पैंट के साथ फलालेन शर्ट और टी-शर्ट पहनता पसंद कर रहे हैं। 90 के दशक के बेलबॉटम का महत्व आज भी चलन में है और यह फैशन हाल के वर्षों में फिर से लोकप्रिय हुआ है। कंफर्टेबल और कूल यह आरामदायक और कूल लुक देता है और आज भी ट्रेंड में है, जिसे आरामदायक और विंटेज लुक के लिए इस्तेमाल किया जाता है। 90 के दशक में बेल-बॉटम फैशन लड़कियों और लड़कों दोनों के लिए एक प्रमुख और आरामदायक स्टाइल स्टेटमेंट था, जो आरामदायक और ट्रेंडी लुक देता है।

अज्ञात शव को निम्मी ने परिजन की तरह दिया कंधा कफन-दफन के बाद पितृपक्ष में ही श्राद्ध और भोज

रायपुर। महिलाएं अंतिम संस्कार का हिस्सा नहीं बन सकती हैं। विषम परिस्थितियों में समाज के रस्मो-रिवाज तोड़ते हुए शहर की कई बेटियों ने अपने परिजनों का अंतिम संस्कार करते हुए मिसाल पेश की है। हम बात कर रहे हैं उन बेटियों की, जिन्होंने सेवा के लिए अनूठा क्षेत्र चुना। इस सेवा के लिए वे किसी से कोई सहयोग भी नहीं लेती हैं। बुनियाद बेटियां अनमोल फाउंडेशन की संस्थापिका डॉ. निम्मी चौबे के साथ वैसे तो पांच महिलाओं सहित 10 मेंबर्स ग्रुप से जुड़े हैं, लेकिन सोमवार को जब सरस्वती नगर थाने से अज्ञात शव के कफन-दफन की सूचना मिली तो उन्होंने महिला मेंबर्स को जानकारी दी। पितृपक्ष की नवमी तिथि होने से महिला मेंबर्स नहीं पहुंचीं तो अज्ञात शव के परिजन की तरह खुद कफन-दफन करने के लिए वे काठाडीह श्मशानघाट पहुंचीं।

परिजन की तरह निभा रही हैं दायित्व

दोपहर में 1 से 3 बजे के बीच सरस्वती नगर पुलिस ने अज्ञात शव के परिजन तीन दिन बाद भी नहीं मिलने पर डॉ. निम्मी को फोन किया। अज्ञात शव मिलने की जानकारी देते हुए अंतिम यात्रा में सहयोग करने के लिए कहा। इसके बाद संस्था ने कफन-दफन का सामान जुटाने के साथ ही श्मशानघाट पर इंतजाम किया। जैसे ही पुलिस शव वाहन के साथ श्मशानघाट पहुंची। परिजन की तरह निम्मी एवं उनके ग्रुप मेंबर्स ने शव को कंधा देते हुए वाहन से नीचे उतारा। इसके बाद विधि-विधान से कफन-दफन का दायित्व निभाया। पुलिस ने मृतक के पास से मिली सामग्री को जांच प्रक्रिया में लिया है।

अब तक 94 मृतकों के बने परिजन

संस्था प्रमुख ने बताया कि 27 जुलाई 2019 को पहले अज्ञात शव का कफन-दफन किया था। तब अकेले ही श्मशानघाट गई थी। इसके बाद चार अन्य महिलाओं ने भी सेवा से जुड़ने का साहस दिखाया। अभी तक संस्था ने 94 मृतकों के परिजन का दायित्व निभाया है। उन्होंने बताया कि समस्या और बीमारी होने पर कई संस्थाओं के लोग मदद के लिए आगे आते हैं, लेकिन जब शहर में कोई अज्ञात शव मिलता है, तब उस अनजान मृतक की अंतिम यात्रा में शामिल होना तो दूर, लोग कोई मदद भी नहीं करना चाहते हैं। इसलिए अनजान मृतकों को सेवा देते हुए उनकी अंतिम यात्रा को विधि-विधान से निकालते हैं।

पितृपक्ष की अंतिम तिथि पर श्राद्ध

विगत 6 वर्षों में जितने भी अज्ञात शवों का कफन-दफन संस्था ने किया है। ऐसे पितरों के मोक्ष के लिए पितृपक्ष की अंतिम तिथि पर डॉ. शोभना तिवारी, प्रतिभा चौबे, डॉ. नरेश कुमार, अद्विविता चौबे, एकता शर्मा सहित सभी सदस्यों की सहभागिता से महादेवघाट में शांति भोज कराने से पहले खारुन तट पर अज्ञात पितरों के मोक्ष के लिए विधि-विधान से श्राद्ध का नियम किया जाता है। इस पितृपक्ष भी अज्ञात पितरों की मुक्ति के लिए भोज कराया जाएगा।

कार्नर न्यूज

डागा गर्ल्स कॉलेज का रंग मंदिर में आयोजन

फ्रेशर पार्टी में बॉलीवुड-छालीवुड की धुन पर थिरकीं गर्ल्स, रैंप वॉक में भी दिखाया जलवा

रायपुर। एंटरटेनमेंट के लिए यहां वन मिनट गेम्स, सिंगिंग और डांसिंग प्रतियोगिता भी रखी गई। इस दौरान कार्यक्रम की शुरुआत रैंप वॉक से हुई, जिसमें छात्राओं ने ट्रेडिशनल लुक में रैंप वॉक कर जलवा बिखेरा। ज्यादातर छात्र पांरपरिक साड़ी में तैयार होकर पहुंची थीं। कार्यक्रम में सामूहिक डांस ने समां बांधे रखा। नए व पुरानी गीतों के साथ स्टूडेंट्स की प्रस्तुति पर सभी एंजॉय करते नजर आए।

डागा गर्ल्स कॉलेज ने सोमवार को रंग मंदिर में फ्रेशर पार्टी आयोजित की, जिसमें गर्ल्स ट्रेडिशनल ड्रेसअप में नजर आईं। जूनियर स्टूडेंट्स के लिए सीनियर्स ने वेलकम सॉन्ग पर डांस कर उनका वेलकम किया।

हिंदी-छत्तीसगढ़ी गीतों पर जमकर झूमीं

सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद पार्टी खत्म होने से पहले सभी स्टूडेंट्स ने बॉलीवुड़ और छालीवुड गीतों की धुन पर जमकर डांस किया। दिलबर-दिलबर... अभी तो पार्टी शुरू हुई है...महुआ झरे.., जैसे गानों पर घंटों अपनी जगहों पर दोस्तों के साथ थिरकी रही। सांस्कृति प्रस्तुति के दौरान में मंच से लेकर दर्शक दीर्घा तक छात्राओं ने एंजॉय किया।

धर्म-कर्म

श्राद्ध में गलती से भी नहीं करने चाहिए ये काम, नाराज हो सकते हैं आपके पूर्वज

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस साल 7 सितंबर से पितृ पक्ष की शुरुआत हुई थी और 21 सितंबर को पितृ पक्ष का समापन होगा। मान्यता है कि श्राद्ध के पवित्र समय कुछ काम नहीं करने चाहिए वरना आपके पूर्वज नाराज हो सकते हैं। पितृ पक्ष के दिन पूर्वजों के सम्मान के लिए समर्पित होते हैं। लोग इन दिनों अपने पूर्वजों के लिए प्रार्थना कर उन्हें प्रसाद अर्पित करते हैं और उनका आशीर्वाद लेते हैं।

नई चीजें नहीं खरीदनी चाहिए : माना जाता है कि श्राद्ध के दिनों में नई चीजें नहीं खरीदनी चाहिए। नए कपड़े या फिर नए गहने या फिर कोई भी नई चीज को न खरीदने की सलाह दी जाती है। पितृ पक्ष के दिनों में किसी शादी या पार्टी को होस्ट भी नहीं करना चाहिए। इसके अलावा आपको शादी या फिर पार्टी को अटेंड करने भी नहीं जाना चाहिए। कुल मिलाकर इन दिनों आपको अपने पूर्वजों को याद करते हुए घर में शांति का माहौल बनाना चाहिए।

नॉन वेज खाने से परहेज : क्या आप नॉन वेजिटेरियन हैं? अगर हां, तो आपकी जानकारी के लिए बता दें कि धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक पितृ पक्ष के दिनों में नॉन वेजिटेरियन फूड आइटम्स का सेवन नहीं करना चाहिए वरना पूर्वज बुरा मान सकते हैं। इतना ही नहीं कुछ लोग तो श्राद्ध के दिनों में लहसुन-प्याज से भी परहेज करते हैं।

इन चीजों से बनाएं दूरी : हिन्दू मान्यताओं के मुताबिक श्राद्ध के पवित्र समय में बाल या फिर नाखून काटने से भी बचना चाहिए। इन दिनों आपको अपने घर में किसी भी तरह की नेगेटिव एनर्जी को पैदा होने से रोकना चाहिए। अगर आपके घर में लड़ाई-झगड़े होंगे या फिर नेगेटिव एनर्जी रहेगी, तो आपके पूर्वजों को दुख पहुंचेगा। अगर आप भी धार्मिक मान्यताओं में विश्वास करते हैं तो आपको भी पितृ पक्ष के दौरान इन कामों को नहीं करना चाहिए।

लंबे व्रत के बाद किन चीजों को खाना अवॉएड करें, नहीं तो बिगड़ जाएगा डाइजेशन

सनातन धर्म का सबसे बड़ा आस्था का त्यौहार नवरात्रि 22 सितंबर से प्रारंभ होने वाला है। जिसमें लोग पूरे 9 दिनों का व्रत करते हैं। किसी भी व्रत-उपवास को करने के बाद उसके पारण का खास महत्व होता है। अगर आप हेल्दी रहना चाहते हैं तो किसी भी उपवास के पारण के समय खानपान का खास ध्यान रखने की जरूरत होती है। ज्यादा दिनों का व्रत करने से डाइजेशन धीमा हो जाता है और खानपान की लापरवाही से डाइजेशन खराब होने के साथ ही तबियत बिगड़ने का भी डर रहता है। ऐसे में जरूर जान लें कि व्रत के पारण के बाद किन चीजों को नहीं खाना चाहिए।

तीखा और मिर्च वाला खाना : व्रत के पारण के बाद कभी भी तीखा और मिर्च वाला खाना नहीं खाना चाहिए। लंबे समय के उपवास के बाद गट लाइनिंग काफी सॉफ्ट हो जाती है। ऐसे में मिर्च का तीखापन इसोफेगस से लेकर गट की लाइनिंग को बर्न कर देता है। जिसकी वजह से कई सारी दिक्कतें पैदा हो जाती है।

खट्टा फूड : दही, छाछ, नींबू जैसे खट्टे फूड्स को किसी भी व्रत के पारण के बाद खाने से बचना चाहिए। खट्टे फूड्स में एसिडिक लेवल ज्यादा होता है जो गट लाइनिंग को नुकसान पहुंचाता है। जिसकी वजह से डाइजेशन बिगड़ता है और लंबे टाइम में सीने में जलन की समस्या हो सकती है।

बेसन जैसे हैवी अनाज के आटे : ऐसे फूड्स को कब्ज बनाते हैं और डाइजेशन में मुश्किल होते हैं। उन्हें भी व्रत के पारण के बाद नहीं खाना चाहिए। बेसन खाने से पेट में कब्ज की समस्या हो जाती है। और इसका डाइजेशन मुश्किल हो जाता है।

मिठाई और मीठे फूड : व्रत के पारण के बाद सॉलिड स्वीट फूड्स को खाने से पूरी तरह परहेज करना चाहिए। अगर आपको मीठा लेना है तो लिक्विड स्वीट्स को पिएं। ये बॉडी को रिलैक्स करेगा। लेकिन हैवी स्वीट सॉलिड कब्ज की समस्या पैदा कर सकते हैं।

ठंडी चीजों का भी करें परहेज : व्रत के बाद ठंडे फूड्स और लिक्विड को भी खाने से बचना चाहिए। जैसे कि ठंडे चावल।

कितने दिन तक जरूरी है सावधानी : अगर आप नवरात्रि के नौ दिनों तक लगातार व्रत कर रहे हैं तो कम से कम चार से पांच दिनों तक खानपान के इन नियमों की सावधानी जरूरी होती है। जिससे बॉडी और डाइजेशन सिस्टम पूरी तरह से सेट हो सके। एक दिन का व्रत करने वालों को केवल अगले दिन पारण के बाद सावधानी रखनी चाहिए।

नीम में एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल, एंटीफंगल और डिटॉक्सिफाइंग जैसे गुण पाए जाते हैं

सुबह बासी मुंह नीम की पत्तियां चबाकर खाएं और शरीर की अनेक बीमारियों को भगाएं

नीम की पत्तियों को आयुर्वेद में एक महत्वपूर्ण औषधि माना गया है। नीम की पत्तियां इतनी गुणकारी हैं कि इसके लाभों का उल्लेख न केवल वैदिक ग्रंथों में मिलता है, बल्कि आधुनिक डॉक्टर भी इसके फायदों को स्वीकार करते हैं। शोधों की मानें तो नीम में एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल, एंटीफंगल और डिटॉक्सिफाइंग जैसे गुण पाए जाते हैं। क्या आप जानते हैं कि अगर आप सुबह बासी मुंह नीम की पत्तियां चबाकर खाते हैं तो यह आपके शरीर को भीतर से शुद्ध करता है और अनेक बीमारियों से लड़ने में मददगार साबित होता है, क्योंकि यह खून को शुद्ध करता है, त्वचा रोगों से बचाता है, पाचन को सुधारता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है।

स्किन के लिए लाभ

क्या आप जानते हैं कि नीम को 'स्किन टॉनिक' भी कहा जाता है, क्योंकि यह खून साफ करने में मदद करता है। अगर आप मुंहासे, फुंसी, एलर्जी, दाग-धब्बे और एक्जिमा जैसी स्किन समस्याओं से राहत पाना चाहते हैं तो रोजाना सुबह खाली पेट नीम की पत्तियों का सेवन करें। नीम के पत्ते चबाने की बजाय नीम के पत्ते का पानी पीने के फायदे भी मिल सकते हैं। इससे आपको अपनी त्वचा में प्राकृतिक निखार नजर आएगा और उम्र बढ़ने के लक्षण कम दिखाई देंगे।

दांतों के लिए लाभकारी

जिन लोगों को दांतों की समस्या रहती हैं उनके लिए नीम बेहद फायदेमंद साबित होती है। असल में नीम की पत्तियों में प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं, जो मुंह के बैक्टीरिया को खत्म करने में मददगार साबित होते हैं। साथ ही यह पायरिया, मुंह की बदबू और मसूड़ों के दर्द को दूर करने का तरीका भी है। दांतों की सड़न और कैविटी से बचाव करता है। साथ ही मसूड़ों को मजबूत करता है।

लिवर के लिए लाभकारी

नीम में डिटॉक्स करने के गुण होते हैं, जो लिवर के लिए बेहद लाभकारी है। विशेषज्ञ बताते हैं कि नीम की कड़वाहट लिवर को सक्रिय करती है और विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करती है। साथ ही यह फैटी लिवर, लिवर इंफेक्शन और अन्य विकारों में भी उपयोगी साबित होती है।

इम्यूनिटी को बढ़ाए

कमजोर इम्यूनिटी वाले लोग अक्सर ही नीम की जूस पीकर अपनी इम्यूनिटी को बूस्ट करने का प्रयास करते हैं, क्योंकि नीम की पत्तियां रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में अत्यंत सहायक होती हैं। यह पत्तियां शरीर में हानिकारक बैक्टीरिया और वायरस को मारने की शक्ति बढ़ती है। मौसम बदलने पर होने वाली बीमारियों जैसे सर्दी-जुकाम, बुखार आदि से बचाव करती हैं और शरीर की कोशिकाओं को मजबूत बनाती है।

नाश्ता तैयार करने के लिए ज्यादा समय नहीं है, 5 मिनट में बन जाएंगे ये व्यंजन

प्रोटीन से भरपूर सैंडविच: सैंडविच सभी का पसंदीदा नाश्ता होता है, जिसे बनाने में ज्यादा मेहनत और समय नहीं लगता। इसके लिए अपनी पसंद की ब्रेड लें और उसके टुकड़ों को दोनों तरफ से सेंक लें। इसके बाद एक ब्रेड पर मक्खन, मेयोनीज, सॉस और चीज लगाएं। प्याज, टमाटर, लेटस और खीरे को गोल-गोल काटकर ब्रेड पर रखें। इसके बाद पनीर को तवे पर मसालों के साथ सेंककर ब्रेड पर रख दें। दूसरी ब्रेड लगाने के बाद आपका सैंडविच तैयार हो जाएगा।

एवोकाडो टोस्ट : एवोकाडो टोस्ट बनाने के लिए आपको सबसे पहले पका हुआ एवोकाडो चाहिए होगा। उसे बीच से काटें, बीज को अलग करें और उसके पल्प को कटोरी में निकाल लें। उसे कांटे की मदद से मीसें, ताकि वह मलाईदार हो जाए। उसमें नमक, काली मिर्च, चिली फ्लेक्स, टमाटर, प्याज, नींबू का रस और खीरा मिलाएं। मल्टीग्रेन ब्रेड को दोनों तरफ से सेंक लें और उसपर यह मिश्रण लगाकर खाएं। आप चाहें तो इसपर भुनी हुई पालक भी रख सकते हैं।

कपड़ों को नुकसान से बचाना है तो धोते समय बरतें कुछ सावधानियां

कपड़ों को ज्यादा नहीं निचोड़ें : कपड़ों को निचोड़ना आसान लग सकता है, लेकिन यह एक बड़ी गलती है। जब आप कपड़ों को जोर-जोर से निचोड़ते हैं तो उनके धागे कमजोर हो जाते हैं और वे जल्दी फट सकते हैं या उनका आकार बिगड़ सकता है। बेहतर होगा कि आप कपड़ों को धोने के बाद उन्हें हल्के हाथों से फैलाकर सुखाने के लिए रख दें।

गर्म पानी का इस्तेमाल न करें : अधिकतर लोग गंदे कपड़ों को साफ करने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह भी एक गलती है। गर्म पानी से कपड़ों की गंदगी तो निकल जाती है, लेकिन इससे कपड़े जल्दी घिस जाते हैं या उनका रंग उड़ सकता है, खासकर ऊनी और रेशमी कपड़ों पर इसका बुरा असर पड़ता है। इसलिए हमेशा ठंडे पानी का इस्तेमाल करें और केवल बहुत गंदे कपड़ों पर ही हल्के गर्म पानी का इस्तेमाल करें।

डिटर्जेंट का अधिक इस्तेमाल न करें : डिटर्जेंट का अधिक इस्तेमाल करना भी एक आम गलती है। लोग सोचते हैं कि जितना ज्यादा डिटर्जेंट डालेंगे उतना अच्छा धोएंगे, लेकिन ऐसा नहीं होता है। अधिक डिटर्जेंट डालने से कपड़ों पर सफेद दाग पड़ सकते हैं और वे कठोर हो जाते हैं।

अपने गार्डन में उगाना चाहते हैं पौष्टिक और गुणवत्ता वाली ब्रोकली तो ऐसे करें देखभाल

ब्रोकली एक पौष्टिक सब्जी है, जो विटामिन-सी और फाइबर से भरपूर होती है। इसे अपने घर के गार्डन में उगाना आसान है, बशर्ते आप कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखें। सही मौसम, मिट्टी की गुणवत्ता, पानी और धूप का सही संतुलन, कीटनाशकों का उपयोग और फसल की कटाई के तरीके जानना जरूरी है। इस लेख में हम आपको ब्रोकली उगाने से जुड़ी अहम जानकारी देंगे, जिससे आप भी अपने गार्डन में ताजा और सेहतमंद ब्रोकली उगा सकें।

सर्दी का मौसम रहता है सबसे सही : ब्रोकली के लिए सबसे अच्छा मौसम सर्दी का होता है। इसे गर्मियों में उगाने से बचें क्योंकि इससे पौधे जल्दी सूख जाते हैं। सर्दियों में तापमान 10 से 20 डिग्री के बीच सबसे उपयुक्त रहता है। अगर आपके क्षेत्र में सर्दी का मौसम नहीं है तो आप किसी ग्रीनहाउस या छायादार जगह पर ब्रोकली उगा सकते हैं। इससे पौधे को पर्याप्त धूप और नमी मिलेगी, जिससे उसकी वृद्धि बेहतर होगी।

अच्छी मिट्टी का करें चयन : ब्रोकली के पौधों के लिए अच्छी मिट्टी जरूरी है। ऐसी मिट्टी जिसमें जैविक खाद मिलाई गई हो और जो अच्छी तरह से सड़ी-गली हो।

इसके अलावा मिट्टी का पीएच स्तर भी 6 से 7 के बीच होना चाहिए। इससे पौधे तेजी से बढ़ते हैं और स्वस्थ रहते हैं। अगर आपकी मिट्टी इतनी अच्छी नहीं है तो आप उसमें वर्मी कंपोस्ट या गोबर की खाद मिला सकते हैं। इससे पौधों को जरूरी पोषक तत्व मिलेंगे।

नमी रखने पर्याप्त पानी दें : ब्रोकली के पौधों को पर्याप्त पानी देना बहुत जरूरी है ताकि वे सूखें नहीं और उनकी जड़ें मजबूत हों। हालांकि, ध्यान रखें कि पौधों की जड़ें कीचड़ में न रहें इसलिए उन पर हल्का पानी डालें।

धूप का सही संतुलन बनाए रखें

ब्रोकली के पौधों को रोजाना 6-8 घंटे की धूप चाहिए होती है ताकि वे अच्छे से विकसित हो सकें। अगर आपके गार्डन में पर्याप्त धूप नहीं पहुंचती है तो आप पौधों को किसी ऐसी जगह शिफ्ट कर सकते हैं जहां उन्हें पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी मिले। इसके अलावा पौधों को अधिक धूप से बचाने के लिए उन्हें किसी छायादार जगह पर रखें। इससे वे न केवल स्वस्थ रहेंगे बल्कि अच्छी फसल भी देंगे।

कीटनाशकों का सही उपयोग करें

कीड़े-मकोड़े ब्रोकली जैसी पौष्टिक सब्जियों को नुकसान पहुंचा सकते हैं इसलिए समय-समय पर इनकी सफाई करना जरूरी है। प्राकृतिक कीटनाशकों जैसे नीम का तेल या साबुन पानी का छिड़काव करें ताकि कीड़े हट जाएं लेकिन पौधे सुरक्षित रहें। इन सरल उपायों का पालन करके आप अपने घर पर आसानी से ब्रोकली उगा सकते हैं और अपनी डाइट में इसे शामिल कर सकते हैं। इससे न केवल आपकी सेहत बेहतर होगी बल्कि आपका गार्डन भी हरा-भरा रहेगा।

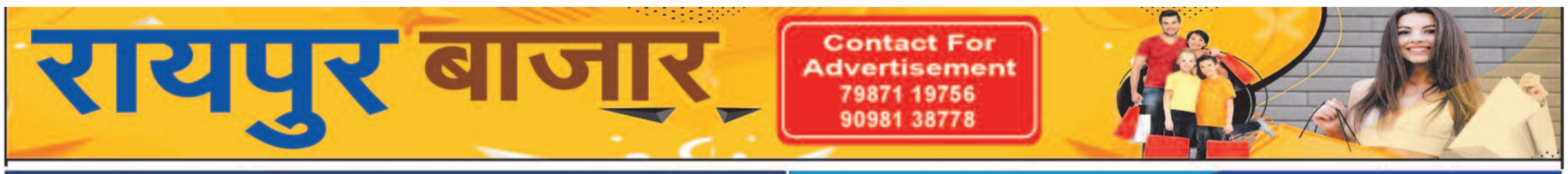

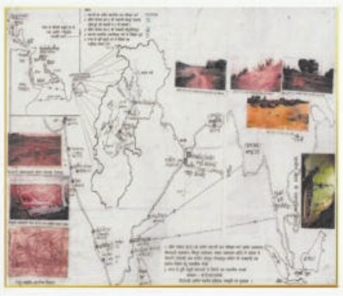
शोधग्रंथ- "छत्तीसगढ़ के प्राचीन किलों की स्थापत्य कला"
माननीय विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार छ.ग. शासन के उच्च शिक्षा संचालनालय के पत्र कं. 1889 नया रायपुर दि. 4.8.2025 के अनुसार छत्तीसगढ़ के समस्त शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्यो को महाविद्यालयीन ग्रंथालय हेतु उक्त शोधग्रंथ को उपयोगितानुसार क्रय किया जाने का आदेश जारी किया गया है। प्राप्ति स्थल–सेन्ट्रल बुक हाउस, पुस्तक प्रतिष्ठान सदर बाजार रायपुर आदि पुस्तक दुकानों में उपलब्ध है, पृष्ठ संख्या 420, मुल्य 700 रू.। महाविद्यालयों के ग्रंथालयों हेतु 25% छुट के लिए सम्पर्क करे – डॉ.टी.आर.रामटेके, संजय नगर, मुख्य मार्ग, रायपुर (छ.ग.), मो.8349362428।

शोधग्रंथ- "छत्तीसगढ़ के प्राचीन किलों की स्थापत्य कला"
शोधलेखक डॉ.टी.आर.रामटेके। (पीएच.डी. उपाधि हेतु इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ छ.ग. से स्वीकृत शोधप्रबंध)। जिसमें छत्तीसगढ़ के किले, पुरातात्विक स्मारकों की स्थापत्य कला तथा छत्तीसगढ़ के प्राचीन काल से कलचुरी काल (ई.1750) तक का राजनीतिक इतिहास को लगभग 150 रेखाचित्र एवं 450 रंगीन छायाचित्र के माध्यम से विश्लेषण किया गया है। जिसे राज्य के महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं को समझना आवश्यक है, जो सीजीपीएससी की प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु उपयोगी है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

वोल्डेमॉर्ट के खूंखार रोल में दिखेंगे किलियन मर्फी

हॉलीवुड अभिनेता और ऑस्कर विजेता किलियन मर्फी पिछले कुल समय में 'ओपेनहाइमर' में अपनी दमदार अदाकारी के लिए सुर्खियों में रहे। इन दिनों मर्फी वॉर्नर ब्रदर्स की आने वाली 'हैरी पॉटर'टीवी सीरीज को लेकर भी जबरदस्त चर्चाएं बटोर रहे हैं। दरअसल पिछले कुछ समय से खबरें आ रही हैं कि मर्फी इस सीरीज में खतरनाक विलेन लॉर्ड वोल्डेमॉर्ट का किरदार निभाने वाले हैं। लेकिन अब खुद किलियन मर्फी ने इन अफवाहों पर खुलकर बात की है और स्थिति साफ कर दी है। किलियन हाल ही में एक लोकप्रिय पॉडकास्ट शो में शामिल हुए। जब उनसे वोल्डेमॉर्ट के रोल को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि इसमें उनकी कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वो अपने नाक से बेहद प्यार करते हैं और वोल्डेमॉर्ट के मेकअप में नाक लगभग गायब हो जाती है। साथ ही उन्होंने राल्फ फिएन्स की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके बाद किसी का भी इस किरदार को निभाना आसान नहीं होगा क्योंकि वो सच्चे मायनों में अभिनय के दिग्गज हैं।' गौरतलब है कि 'हैरी पॉटर' फिल्मों में वोल्डेमॉर्ट का किरदार निभाने वाले राल्फ फिएन्स खुद किलियन मर्फी को इस रोल के लिए एक शानदार ऑप्शन मानते थे। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि किलियन एक बेहतरीन अभिनेता हैं और अगर वो यह भूमिका निभाते हैं तो वे पूरी तरह उनके पक्ष में रहेंगे।

टॉलीवुड

पवन कल्याण ने उस्ताद भगत सिंह के लिए पूरी की शूटिंग

साउथ फिल्मों के चर्चित अभिनेता और राजनेता पवन कल्याण इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' से चर्चा में हैं। इस फिल्म में एक्टर के साथ राशि खन्ना भी नजर आएंगी। अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने जानकारी दी कि अभिनेता ने फिल्म में अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। राशि खन्ना ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वह अभिनेता पवन कल्याण के साथ नजर आ रही हैं। तस्वीर में देखा जा सकता है कि एक्टर सेल्फी लेते दिख रहे हैं, जिसमें राशि खन्ना के अलावा फिल्म से जुड़े अन्य क्रू सदस्य नजर आ रहे हैं। तस्वीर में अभिनेत्री मुस्कुराती दिख रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'उस्ताद भगत सिंग के लिए पवन कल्याण ने अपनी शूटिंग पूरी कर ली है। उनके साथ यह फिल्म साझा करना अद्भुत रहा, एक सच्चा सम्मान और एक ऐसी याद जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगी।' फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' में पवन कल्याण और राशि खन्ना के अलावा श्रीलीला, आशुतोष राणा, गौतमी, नागा महेश, टेम्पर वामसी और केजीएफ फेम अविनाश भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण मैथरी मूवी मेकर्स कर रहे हैं। फिल्म में संगीत देवी श्री प्रसाद दे रहे हैं। इसके अलावा अभिनेता 'हरि हर वीर मल्लु' फिल्म में नजर आ चुके हैं, जो एक एतिहासिक एक्शन एडवेंचर फिल्म थी। इस फिल्म की कहानी एक महान डाकू पर आधरित थी। इस फिल्म में पवन कल्याण के अलावा बॉबी देओल, निधि अग्रवाल, नोरा फतेही और विक्रमजीत विर्क ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

भोजपुरी

शो में 'तोहरा राजा जी के दिलवा' गाने पर झूमे पवन सिंह

'राइज एंड फॉल' रियलिटी शो इन दिनों काफी चर्चाओं में बना हुआ है। इस शो के सुर्खियों में रहने की सबसे बड़ी वजह हैं पवन सिंह, जो कंटेस्टेंट के रूप में मौजूद हैं। दर्शक अभिनेता के अंदाज को देखने के लिए बेताब रहते हैं। हाल ही में शो का नया प्रोमो आया है, जिसमें पवन सिंह का डांस काफी वायरल हो रहा है। इसके अलावा 'राइज एंड फॉल' शो के होस्ट अशनीर ग्रोवर, अरबाज पटेल पर भड़कते दिख रहे हैं और उन्हें चेतावनी दे रहे हैं। चलिए देखते हैं प्रोमो। एमएक्स प्लेयर पर 'राइज एंड फॉल' शो का एक नया प्रोमो रिलीज हुआ है। इसमें कंटेस्टेंट के रूप में शामिल पवन सिंह और आकृति नेगी भोजपुरी गाने पर डांस करते दिख रहे हैं। अभिनेता 'तोहरा राजा जी के दिलवा टूट जाई' गाने पर जबरदस्त ठुमका लगाते दिख रहे हैं। उनके डांस को देख सभी प्रतियोगी झूमते नजर आ रहे हैं। आगे प्रोमो में दिखता है कि शो के होस्ट अशनीर ग्रोवर, अरबाज पटेल पर आगबबूला होते दिख रहे हैं। अशनीर ने कहा, 'तीन प्रकार के खंबे होते हैं, एक बिजली का होता है और कुछ फालतू के होते हैं। आप वही खंबे बने हुए हैं। आपको तीन शब्द बोलना हो, तो क्या बोलेंगे?' इसके जवाब में अरबाज कहते हैं, 'जो उखाड़ना है उखाड़ लो।' फिर अशनीर गुस्से से उन्हें कहते हैं कि जाओ यहां से। बाद में शो होस्ट ने अरबाज से कहा कि अगर वो किसी के साथ फाइट करते हैं, तो अशनीर वीकएंड के बीच में आके उन्हें शो से बाहर निकाल देंगे। 'राइज एंड फॉल' में 16 कंटेस्टेंट शामिल हैं। इसमें अभिनेता अर्जुन बिजलानी, कुबेर सैत, अहाना कुमरा, धनश्री वर्मा, हास्य कलाकार कीकू शारदा, ट्रांस क्रिकेटर अनाया बांगर, व्लॉगर आरुष भोला और अरबाज पटेल और आकृति नेगी समेत भोजपुरी पावर स्टार पवन सिंह भी इसका हिस्सा हैं। 'शार्क टैंक इंडिया' के पूर्व जज अशनीर ग्रोवर इसे होस्ट कर रहे हैं। यह एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम किया जाता है।

लाइफ स्टाइल

लाइट पिंक कलर के लहंगे में छा गईं

मुंबई में हुए 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान जान्हवी कपूर लाइट पिंक कलर के लहंगे में पहुंचीं। इस पर उन्होंने नेट की फ्लोरल चुन्नी ले रखी थी। बड़े से ईयर रिंग और खुले बालों में जान्हवी काफी खूबसूरत लग रही थीं।

गोरी त्वचा वाली महिलाएं लगाएं ऐसी रंगों वाली लिपस्टिक, खिला हुआ लगे चेहरा

महिलाएं कई तरह के मेकअप उत्पाद इस्तेमाल करती हैं, जिनमें से लिपस्टिक सबसे अहम होती है। यह उत्पाद होंठों पर रंगों का सपर्श जोड़ देता है, जिससे वह आकर्षक और सुंदर नजर आने लगते हैं। लिपस्टिक का चुनाव हमेशा त्वचा की रंगत और अंडरटोन के हिसाब से करना चाहिए। सही रंग वाली लिपस्टिक चेहरे को निखरा हुआ दिखाएगी और आपकी रंगत को डल नहीं करेगी। मेकअप टिप्स में जानिए गोरी महिलाओं पर किन रंगों वाली लिपस्टिक जंचेगी।

पीच : हर महिला के पास एक अच्छे शेड वाली न्यूड लिपस्टिक होनी ही चाहिए, जो रोजाना के इस्तेमाल के लिए आदर्श हो। अगर आप गोरी हैं तो आपके लिए पीच रंग वाली न्यूड लिपस्टिक सबसे बढ़िया रहेगी। इस रंग की लिपस्टिक लगाने से आप जवान नजर आएंगी और चेहरे पर प्राकृतिक निखार आ जाएगा। अगर आप बहुत गोरी हैं तो हल्की पीच रंग वाली लिपस्टिक लगाएं और अगर आपका

अंडरटोन हल्का वार्म है तो कोरल लिपस्टिक इस्तेमाल करें।

हल्की गुलाबी : गुलाबी रंग हर महिला को पसंद आता है, जो होंठों को सबसे सुंदर दिखाता है। हालांकि, इस रंग का सही शेड न चुनने पर आपका पूरा लुक खराब हो सकता है। गोरी रंगत वाली महिलाओं को हल्के गुलाबी रंग वाली लिपस्टिक चुननी चाहिए। अगर आपकी वार्म अंडरटोन वाली गोरी त्वचा है तो रोज या ब्लॉसम गुलाबी रंग की लिपस्टिक लगाएं। कूल अंडरटोन वाली गोरी त्वचा होने पर आपको ऐसी गुलाबी लिपस्टिक चुननी चाहिए, जिसमें हल्का बैंगनी या नीला स्पर्श हो।

वाइन लाल

अगर आप लाल रंग के किसी गहरे शेड वाली लिपस्टिक खरीदना चाह रही हैं तो वाइन लाल सही रहेगा। कूल अंडरटोन वाली यानि नीले स्पर्श वाली वाइन लाल लिपस्टिक रंगत को और निखार देती है। अगर आपकी त्वचा कूल अंडरटोन वाली गोरी है तो बैंगनी या नीले स्पर्श वाली वाइन लाल लिपस्टिक चुनें। वहीं, वार्म टोन वाली गोरी त्वचा होने पर इस लिपस्टिक का वह शेड लगाना चाहिए, जिसमें नारंगी स्पर्श हो।

भूरी

भूरे रंग की लिपस्टिक हर महिला पर जंचती है, लेकिन उसका शेड आपकी त्वचा के मुताबिक होना चाहिए। कूल अंडरटोन वाली गोरी त्वचा होने पर आपको गुलाबी या बैंगनी स्पर्श वाली भूरी लिपस्टिक लगानी चाहिए। वार्म अंडरटोन वाली गोरी महिलाओं पर सिनेमन जैसे न्यूड भूरे रंग वाली लिपस्टिक अच्छी लगेगी। बहुत गहरी भूरी लिपस्टिक गोरी रंगत वाली त्वचा को डल दिखा सकती है, इसीलिए इसे लगाने से बचें और हल्के शेड चुनें।

गुजरात की पोशाक चनिया चोली पहनना एक कला, दिखेंगी सुंदर व स्टाइलिश

फैशन

गुजरात की पारंपरिक पोशाक चनिया चोली न केवल सुंदर दिखती है, बल्कि इसे पहनने से आप आत्मविश्वास से भर जाती हैं। इस पोशाक में कई खासियत होती हैं, जो इसे अन्य पारंपरिक कपड़ों से अलग बनाती हैं। सही तरीके से चनिया चोली पहनना एक कला है, जिसे सीखने में थोड़ी मेहनत लगती है।

रंगों का मेलजोल बनाएं: रंगों का सही मेलजोल आपके चनिया चोली के लुक को खास बना सकता है। अगर आपकी चोली लाल रंग की है तो उसे नीली या हरी रंग की चनिया के साथ पहनें। इसी तरह आप विपरीत रंगों का भी उपयोग कर सकती हैं, जैसे पीली चोली के साथ काली चनिया। इससे आपका लुक और भी आकर्षक लगेगा। इसके अलावा आप अलग-अलग रंगों के ब्लाउज भी आजमा सकती हैं, जो आपके लुक को और भी खास बनाएंगे।

ब्लाउज की लंबाई का रखें ध्यान : ब्लाउज की लंबाई भी आपके पूरे लुक को प्रभावित करती है। अगर आप लंबे ब्लाउज पहनती हैं तो उन्हें थोड़ा छोटा करवाकर अपनी कमर तक लाने की कोशिश करें ताकि वे आपकी चोटी कमर दिखाएं और आपका लुक ज्यादा आकर्षक लगे। इसके अलावा आप अलग-अलग डिजाइन वाले ब्लाउज भी आजमा सकती हैं, जैसे कि वी-नेक, कॉलर वाले या बिना कंधों वाले ब्लाउज आदि। इससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

पल्लू को सही तरीके से सजाएं : पल्लू को सही तरीके से सजाना भी बहुत जरूरी होता है ताकि आपका पूरा लुक निखर सके। पल्लू को कंधे पर अच्छी तरह से फैला कर रखें ताकि वह आपकी छाती को अच्छी तरह से ढके और देखने में सुंदर लगे। इसके अलावा पल्लू को थोड़ा पीछे की ओर भी ले जा सकती हैं ताकि वह आपकी पीठ को खुला दिखाए। इस तरह से आपका लुक और भी खास लगेगा।

एक्सेसरीज का चयन सोच-समझकर करें : एक्सेसरीज का चयन करते समय ध्यान रखें कि वे आपके पूरे लुक को संतुलित करें। भारी एक्सेसरीज पहनने से बचें क्योंकि वे आपके कपड़ों के साथ मेल नहीं खाते और देखने में बेकार लग सकती हैं। हल्की एक्सेसरीज जैसे झुमके, चूड़ियां या छोटी-छोटी अंगूठियां आपके लुक को निखार सकती हैं। इसके अलावा आप अलग-अलग डिजाइन वाली एक्सेसरीज भी आजमा सकती हैं, जो आपके लुक को और भी खास बनाएंगे।

फुटवियर्स पर दें ध्यान : फुटवियर्स पर ध्यान देना भी उतना ही जरूरी होता है जितना कि बाकी चीजों पर ध्यान देते हैं। पारंपरिक जूतियां पहनने से आपका लुक पूरा होता है और देखने में बहुत सुंदर लगता है। इस प्रकार इन सरल सुझावों का पालन करके आप अपनी चनिया चोली को आसानी से स्टाइलिश बना सकती हैं।

बरसों पुरानी क्यों न हो जाएं पर हर मौके पर महंगी दिखती हैं ये साड़ियां

भारतीय साड़ी न केवल पारंपरिक पहनावे का हिस्सा है, बल्कि यह महिलाओं की सुंदरता और गरिमा को भी बढ़ाती है, खासकर जब बात महंगी दिखने वाली साड़ियों की आती है तो भारतीय बाजार में कई ऐसे विकल्प हैं, जो हर मौके पर आपको खास बना सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसी साड़ियों के बारे में बात करेंगे, जो न केवल सुंदर दिखती हैं बल्कि आरामदायक भी होती हैं और आपको हर अवसर पर महंगी और आकर्षक लुक देती हैं।

बनारसी साड़ी : बनारसी साड़ी अपनी बेहतरीन कारीगरी और शाही अंदाज के लिए जानी जाती है। यह साड़ी वाराणसी की खासियत है और इसमें की गई जरी की कारीगरी इसे और भी खास बनाती है। बनारसी साड़ी शादी, त्योहारों और विशेष अवसरों पर पहनने के लिए आदर्श हैं। इनकी चमकदार बनावट और सुंदर डिजाइन आपको हर किसी के बीच अलग दिखाती हैं।

कांजीवरम सिल्क साड़ी

कांजीवरम सिल्क साड़ी दक्षिण भारत की एक खासियत है, जो तमिलनाडु राज्य से आती है। यह साड़ियां अपनी मोटी और चमकदार बनावट के लिए मशहूर हैं। कांजीवरम साड़ियां आमतौर पर सोने-चांदी की जरी के काम से सजी होती हैं, जिससे इनका लुक बेहद आकर्षक लगता है। इनके रंग और डिजाइन भी बहुत ही खास होते हैं, जो इन्हें महंगा और शाही लुक देते हैं।

चंदेरी साड़ी

चंदेरी साड़ी मध्य प्रदेश की एक प्रसिद्ध चीज है, जो अपनी हल्की और आरामदायक बनावट के लिए जानी जाती है। चंदेरी साड़ियां आमतौर पर बुनाई की बारीकियों के लिए मशहूर होती हैं, जिनमें फूल-पत्तियों जैसे डिजाइन होते हैं। इनका वजन हल्का होता है, जिससे इन्हें पहनना आरामदायक लगता है। चंदेरी साड़ी रोजमर्रा के उपयोग या छोटे-मोटे समारोहों के लिए आदर्श हैं। इनके रंग और पैटर्न भी बहुत ही आकर्षक होते हैं, जो इन्हें खास बनाते हैं।

लहंगे के साथ पहनें ऐसे साड़ी के ब्लाउज लगेंगी बहुत खूबसूरत, लोग करेंगे तारीफ

लहंगा के साथ साड़ी के ब्लाउज पहनना एक बहुत ही सुंदर और पारंपरिक तरीका है। इससे न केवल आपका लुक खास बनता है, बल्कि यह आपको एक शाही अंदाज भी देता है। सही ब्लाउज चुनना बहुत जरूरी है क्योंकि यह आपके पूरे लुक को निखारता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे साड़ी ब्लाउज डिजाइनों के बारे में बताते हैं, जो लहंगा के साथ बहुत अच्छे लगते हैं और आपको एक अलग ही अंदाज देते हैं।

शीशे की कारीगरी वाला ब्लाउज : शीशे की कारीगरी वाला ब्लाउज हमेशा से ही लोकप्रिय रहा है। यह न केवल देखने में अच्छा लगता है, बल्कि इसमें चमक भी होती है, जो आपके लहंगे को और भी खास बनाती है। शीशे की

कारीगरी वाले ब्लाउज को आप किसी भी रंग की साड़ी के साथ पहन सकती हैं।

चमकीले फूलों के प्रिंट वाला ब्लाउज : अगर आप अपने लुक में थोड़ा रंगीनता चाहती हैं तो चमकीले फूलों के प्रिंट वाला ब्लाउज एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह न केवल देखने में अच्छा लगता है, बल्कि गर्मियों में ठंडक भी देता है। आप इसे किसी भी हल्के रंग की साड़ी के साथ पहन सकती हैं, जिससे आपका पूरा लुक खास लगेगा। इस तरह के ब्लाउज से आपका लहंगा और भी आकर्षक दिखेगा और आपको एक नया और ताजगी भरा अंदाज देगा।

ऑफ शोल्डर डिजाइन वाला ब्लाउज : ऑफ शोल्डर डिजाइन वाला ब्लाउज आजकल बहुत चलन में है। यह न केवल आपको एक आधुनिक लुक देता है, बल्कि यह आपके कंधों को भी खूबसूरत बनाता है। आप इसे किसी भी भारी कढ़ाई वाले लहंगे के साथ पहन सकती हैं, जिससे आपका पूरा लुक और भी खास लगेगा। इस तरह का ब्लाउज पहनकर आप अपनी पारंपरिक पोशाक में एक नया ट्विस्ट ला सकती हैं और एक शाही अंदाज पा सकती हैं।

कार्नर न्यूज

मेकअप ट्रायल करवाएं और उन्हें अपनी पसंद-नापसंद भी बताएं

शादी के लिए मेकअप आर्टिस्ट बुक करने से पहले जरूर पता कर लें ये अहम चीजें, वरना....

शादी के दिन हर दुल्हन सबसे खूबसूरत दिखना चाहती है। इसके लिए वे सबसे शानदार मेकअप आर्टिस्ट खोजने की कोशिश में जुट जाती हैं। हालांकि, यह कोई आसान काम नहीं होता है। बुक करने से पहले दुल्हन को कई मेकअप आर्टिस्ट से मिलना पड़ता है और उनका काम बारीकी से देखना पड़ता है। आज के शादी के टिप्स में हम आपको बताएंगे कि आपको मेकअप आर्टिस्ट बुक करने से पहले आपको उनके बारे में क्या-क्या पता कर लेना चाहिए।

उनका काम देखें

मेकअप आर्टिस्ट बुक करने से पहले जो सबसे पहला काम करना चाहिए, वह है उनका काम देखना। आजकल इंटरनेट का जमाना है और हर मेकअप आर्टिस्ट अपना काम सोशल मीडिया पर पोस्ट जरूर करता है। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट, यूट्यूब चैनल और वेबसाइट पर जा कर उनके काम की तस्वीरें और वीडियो देखें। इसके बाद वो मेकअप आर्टिस्ट शॉर्टलिस्ट करें, जो आपकी जरूरतों और पसंद के अनुसार मेकअप करते हों। ऐसा करने से सही चयन करने में मदद मिलेगी।

ट्रायल मेकअप करवाएं

जब आप मेकअप आर्टिस्ट शॉर्टलिस्ट कर लें तो ट्रायल लेना शुरू करें। सभी आर्टिस्ट से बात करके उनकी ट्रायल सेवाओं के बारे में सवाल पूछें। कुछ आर्टिस्ट केवल आधे चेहरे पर मेकअप ट्रायल देते हैं तो कुछ पूरा मेकअप करके दिखाते हैं। उनकी सेवाओं के अनुसार मेकअप ट्रायल करवाएं और उन्हें अपनी पसंद-नापसंद भी बताएं। ऐसा करने से आप सामने से देख पाएंगी कि मेकअप आर्टिस्ट का काम असल में कैसा है।

उत्पादों के बारे में पूछें

मेकअप ट्रायल करवाने से पहले मेकअप आर्टिस्ट से बात करें और उन्हें अपनी पसंद बता दें। इसके बाद यह जानने की कोशिश करें कि वह कौन-से मेकअप उत्पाद इस्तेमाल करते हैं। अगर वह सस्ते और कम लोकप्रिय ब्रांड के उत्पादों का प्रयोग करते हैं तो उनका चयन करने से बचें। ऐसे उत्पाद त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं और कुछ देर बाद परतदार हो जाते हैं। ऐसा मेकअप आर्टिस्ट चुनना सही होगा, जो उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद इस्तेमाल करते हों।

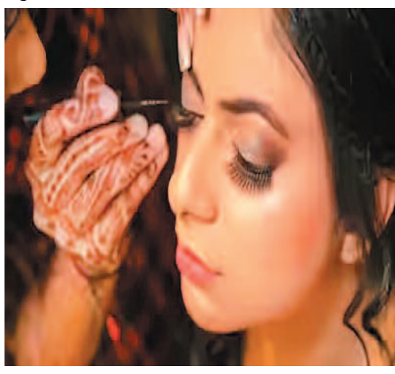

हेयर स्टाइल भी बनवाकर देखें

दुल्हन का लुक केवल मेकअप से पूरा नहीं होता है। उनकी हेयर स्टाइल भी दुल्हन वाला लुक पाने में अहम भूमिका निभाती है। हेयर स्टाइल भी मेकअप आर्टिस्ट ही बना देते हैं, इसीलिए मेकअप ट्रायल के बाद उसकी भी बात जरूर कर लें। अपनी पसंद के बारे में उन्हें बताएं और हेयर स्टाइल बनवाकर भी देख लें। एक अच्छा मेकअप आर्टिस्ट जूड़ा, अलग-अलग प्रकार की चोटियां और सभी तरह के हेयर स्टाइल बनाना जानते हैं।